@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार 18 जनवरी 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 संपादक- गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 423 qaumipatrikahindi 011-41509689,23315814,9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रूपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

देवभूमि उत्तराखंड सत्यम, शिवम और सुंदरम का प्रतीक है - उपराष्ट्रपति

● 'जीवंत सीमावर्ती गांवों को अंतिम चौकी नहीं, बल्कि शक्ति, विरासत और लचीलेपन की पहली पंक्ति'

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने शनिवार को उत्तराखंड के देहरादून में जागरण फोरम का उद्घाटन किया, जिसका आयोजन राज्य के गठन के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में किया गया है। उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने उत्तराखंड को त्याग, दृढ़ता और राष्ट्र सेवा का प्रतीक बताया और इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर राज्य की जनता को हार्दिक बधाई दी। उत्तराखंड के गठन को याद करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि राज्य का गठन पहाड़ी लोगों की लंबे समय से चली आ रही आकांक्षाओं का लोकतांत्रिक जवाब था और इसने भारत की संघीय प्रणाली की मजबूती को फिर से स्थापित किया। उन्होंने लोकसभा सदस्य के रूप में उत्तराखंड के गठन के विधेयक के पक्ष में मतदान करने के अपने व्यक्तिगत अनुभव को भी साझा किया। उपराष्ट्रपति ने देवभूमि उत्तराखंड के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत की सभ्यतागत चेतना में इस राज्य का विशेष स्थान है। वैदिक और पौराणिक परंपराओं का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि उत्तराखंड सत्यम, शिवम और सुंदरम के सार को प्रतिबिंबित करता है। उन्होंने राज्य के पारिस्थितिक महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि इसके

हिमनद, नदियां और वन इसकी भौगोलिक सीमाओं से कहीं अधिक दूर तक जीवन को पोषित करते हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के दूरदर्शी नेतृत्व में राज्य ने सड़क, रेल, हवाई और संचार संपर्क के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति देखी है। विकास पर जोर देते हुए उपराष्ट्रपति ने पर्यावरणीय उत्तरदायित्व के महत्व को भी रेखांकित किया। उन्होंने हरित विकास को बढ़ावा देने, विशेष रूप से सौर ऊर्जा के क्षेत्र में उत्तराखंड के प्रयासों की सराहना की और सकल घरेलू उत्पाद के साथ-साथ सकल पर्यावरण उत्पाद की अवधारणा को अपनाने वाला देश का पहला राज्य होने के लिए उत्तराखंड की प्रशंसा की। उपराष्ट्रपति ने राष्ट्रीय सुरक्षा में राज्य के महत्वपूर्ण योगदान की सराहना करते हुए कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों में बड़ी संख्या में अधिकारी उत्तराखंड से आते हैं। उत्तराखंड के रणनीतिक महत्व का जिक्र करते हुए उपराष्ट्रपति ने जीवंत सीमावर्ती गांवों को अंतिम चौकी नहीं, बल्कि शक्ति, विरासत और लचीलेपन की पहली पंक्ति बताया, और प्रधानमंत्री के उस दृष्टिकोण को याद किया जिसमें उन्होंने माना गांव को 'भारत का पहला गांव' बताया गया था। 2047 तक भारत को आत्मनिर्भर और विकसित भारत बनाने की दिशा में आगे बढ़ते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा, जैविक कृषि, बागवानी, पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों, आयुष, पर्यावरण पर्यटन, स्टार्टअप और कौशल विकास में अपनी विशाल क्षमता के साथ उत्तराखंड एक अद्वितीय स्थान रखता है।

सुक्खू सरकार के राज में कानून-व्यवस्था ध्वस्त और माफिया राज हावी : जयराम ठाकुर

एजेंसी

मनाली। हिमाचल प्रदेश के मनाली और लाहौल विधानसभा संयुक्त मोर्चा कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने प्रदेश की वर्तमान कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि सत्ता का नशा कांग्रेसियों के सिर चढ़कर बोल रहा है और प्रदेश में कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। उन्होंने कानूनगो और पटवारी पर हुए हालिया हमले की कड़ी निंदा करते हुए चेतावनी दी कि यदि सरकार ने दोषियों को संरक्षण दिया तो इसके परिणाम बेहद गंभीर होंगे। उन्होंने कहा कि मंत्री और अधिकारी अपनी मस्ती में मस्त हैं, जबकि आम जनता और सरकारी कर्मचारी असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। जयराम ठाकुर ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार का काम जनहित में निर्णय लेना होता है, लेकिन हिमाचल में स्थिति हास्यास्पद और चिंताजनक है। यहां सरकार इस बात की जांच में व्यस्त रहती है कि मुख्यमंत्री का समोसा किसने खाया या जंगली मुर्गा खाने की खबर किसने लीक की, जबकि प्रदेश में हो रहे भीषण बस हादसों, शिमला और नालागढ़ में थानों के बाहर हुए धमाकों और सरकारी कर्मचारियों पर हो रहे माफियाओं के हमलों पर सरकार मौन साधे बैठी है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री का ध्यान केवल अपने 'मित्रों' को कैबिनेट रैंक बांटने और परिवार के सदस्यों को नौकरी व पेंशन के लाभ पहुंचाने तक सीमित रह गया है।

निकाय चुनाव: हार के बाद ईवीएम पर सवाल

नाना पटोले बोले- बैलेट पेपर का होना चाहिए इस्तेमाल

एजेंसी

मुंबई । महाराष्ट्र में निकाय चुनावों में करारी शिकस्त के बाद कांग्रेस ने मांग उठाई है कि राज्य में जिला परिषद और पंचायत समिति के चुनाव बैलेट पेपर पर कराए जाएं। कांग्रेस के नेता नाना पटोले ने इस संबंध में राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखा है, जिसमें उन्होंने ईवीएम को लेकर भी सवाल उठाए हैं। नाना पटोले ने कहा कि ईवीएम से भरोसा उठ गया है। नगर निगम चुनावों में हुई गड़बड़ी की वजह से चुनावी प्रक्रिया में जनता का भरोसा कम हुआ है। वीवीपैट का इस्तेमाल न होना पारदर्शिता पर सवाल उठाता है। यह चुनावी उदासीनता नहीं, बल्कि प्रशासनिक अक्षमता है। उन्होंने चिट्ठी में कहा है कि लोकतंत्र को बचाने के लिए बैलेट पेपर का इस्तेमाल फिर से शुरू

किया जाना चाहिए। कांग्रेस नेता ने चिट्ठी में लिखा, '29 नगर निगमों के चुनावों ने महाराष्ट्र में चुनावी सिस्टम की पोल पूरी तरह से खोल दी है। शहरी इलाकों में बहुत कम मतदान प्रतिशत सिर्फ 'वोटर की बेपरवाही' की निशानी नहीं है, बल्कि चुनावी प्रक्रिया में जनता के कम होते भरोसे की भी निशानी है। सबसे गंभीर बात यह है कि इन चुनावों में वीवीपैट मशीनों का इस्तेमाल नहीं किया गया। इसलिए, मतदाता से अपना वोट वेरिफाई करने का अधिकार छीन लिया गया। इसके अलावा, मीडिया में सैकड़ों वीडियो और असली उदाहरण सामने आए हैं, जिनमें दिखाया गया है कि वोटरों की उंगलियों पर लगी स्याही हाथ धोने के बाद आसानी से उतर जाती है। इन सब वजहों से चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता, विश्वसनीयता और निष्पक्षता पर गंभीर सवाल उठे हैं।'

उन्होंने लिखा, 'मतदाता सूची में गड़बड़ी, मतदाताओं को मतदान केंद्र ढूंढने के लिए दो-तीन घंटे इंतजार करना, और आखिर में हजारों लोगों का बिना वोट दिए लौटना। ये सब चुनाव आयोग की नाकामी के गंभीर संकेत हैं। यह स्थिति लोकतंत्र के लिए खतरनाक है और इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा, यह सवाल जनता के मन में उठ गया है। देश के कई राज्यों ने लोगों का भरोसा बनाए रखने और विवाद से बचने के लिए स्थानीय निकाय चुनाव ईवीएम के बजाय बैलेट पेपर पर कराने का फैसला किया है। तो महाराष्ट्र में ईवीएम पर इतना जोर क्यों? यह मजबूरी किसके फायदे के लिए है? यही सवाल आज आम वोटर पूछ रहा है।'

एमटी वेलियंट रोर मामला - भारत की ईरान से मांग, हिरासत में लिए 16 भारतीयों को कांसुलर एक्सेस दें

● दूतावास ने सिलसिलेवार तरीके से सारी कहानी बताई है।

एजेंसी

नई दिल्ली। तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने एमटी वेलियंट रोर जहाज मामले को लेकर आधिकारिक बयान जारी किया है, जिसमें 16 भारतीय चालक दल सदस्यों की हिरासत का मुद्दा उठाया गया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को पुष्टि की थी कि भारत सरकार ईरानी अधिकारियों के संपर्क में है और चालक दल की रिहाई के लिए कूटनीतिक प्रयास कर रही है। शनिवार को जारी बयान से स्पष्ट है कि भारतीय दूतावास ईरानी अधिकारियों के संपर्क में है, कांसुलर एक्सेस की मांग की गई है, और चालक दल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भोजन, पानी और कानूनी सहायता प्रदान की जा रही है।

जहाज को दिसंबर 2025 में ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में रोका था। इसमें 16 भारतीय चालक दल सदस्य सवार हैं। ईरान ने जहाज पर 6,000 मीट्रिक टन ईंधन की तस्करी का आरोप लगाया है।

दूतावास ने सिलसिलेवार तरीके से सारी कहानी बताई है। एमईए ने एक्स पर बयान जारी किया जो तीन अहम बिंदुओं पर केंद्रित है। इसमें बताया गया है कि दिसंबर 2025 के मध्य में, मिशन को ईरानी अधिकारियों द्वारा जहाज एमटी वेलियंट रोर को कब्जे में लेने के बारे में बताया गया, जिसमें 16 भारतीय क्रू-मेंबर सवार थे। बंदर अब्बास में भारतीय वाणिज्य दूतावास ने तुरंत (14 दिसंबर को) ईरान सरकार को पत्र लिखकर क्रू तक कांसुलर एक्सेस देने का अनुरोध किया।

राजनयिक पत्राचार और बंदर अब्बास और तेहरान में व्यक्तिगत मुलाकातों के माध्यम से कई बार मांग दोहराई गई है। राजदूत स्तर पर भी अनुरोध शामिल है। ईरानी अधिकारियों से यह भी अनुरोध किया गया कि वे क्रू को भारत में उनके परिवारों से बात करने की अनुमति दें।

शिवराज सिंह ने मप्र के रायसेन जिले की दुष्कर्म पीड़ित बच्ची के परिजनों को दिए 10 लाख रुपये

भोपाल। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मध्य प्रदेश के रायसेन जिले के गौहरगंज में छह साल की दुष्कर्म पीड़ित मासूम बच्ची के परिजनों को 10 लाख रुपये का चेक प्रदान किया। यह राशि आपसी सहयोग से जुटाई गई है, ताकि दुष्कर्म पीड़ित बच्ची के भविष्य को सुरक्षित रखने में मदद मिल सके। केंद्रीय मंत्री चौहान ने दुष्कर्म पीड़ित बच्ची को परिजनों को 10 लाख रुपये की सहयोग राशि प्रदान करते हुए कहा कि यह राशि बच्ची के अकाउंट में डिपॉजिट की जाएगी और बेटी के 18 साल के होने पर उसे लगभग 18 लाख रुपये की राशि मिलेगी। इसी रकम से बेटी की शिक्षा एवं अन्य खर्च भी समय-समय पर बेटी को प्राप्त होते रहेंगे। उन्होंने कहा कि विकट परिस्थितियों में समाज साथ तो रहता है लेकिन कुछ समय पश्चात परिवार अकेला पड़ जाता है।

एआर रहमान के 'कम्युनल' वाले बयान पर भड़कीं कंगना रनौत

● बोलीं-आप जैसा घृणित व्यक्ति नहीं देखा

एजेंसी

मुंबई । संगीतकार एआर रहमान फिल्मी सिनेमा को कम्युनल कहकर बुरे फंस चुके हैं। उन्हें अपने बयान की वजह से आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। सांसद और एक्ट्रेस कंगना रनौत ने एआर रहमान को पूर्वाग्रही और बुरा इंसान बताया है। अभिनेत्री ने एक घटना का भी जिक्र किया है, जिसमें संगीतकार ने अभिनेत्री की फिल्म को रिजेक्ट कर दिया था। एआर रहमान को लेकर बढ़ते विवाद पर अब कंगना रनौत ने भी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है जिसमें उन्होंने लिखा, 'डियर, एआर रहमान, फिल्म उद्योग में मुझे भगवा पार्टी का समर्थन करने के कारण बहुत भेदभाव और पक्षपात का सामना करना पड़ता है, फिर भी मैं ये कहना चाहूंगी कि मैंने आपसे अधिक पूर्वाग्रही और हेटफुल व्यक्ति नहीं देखा।' उन्होंने लिखा, 'मैं आपको अपनी फिल्म 'इमरजेंसी' की कहानी सुनाना चाहती थी, लेकिन कहानी

सुनाने की बात तो दूर, आपने मुझसे मिलने से भी इनकार कर दिया। मुझे बताया गया कि आप प्रचार फिल्म का हिस्सा नहीं बनना चाहते। विडंबना यह है कि 'इमरजेंसी' को सभी आलोचकों ने उत्कृष्ट कृति बताया, यहां तक कि विपक्षी दल के नेताओं ने भी फिल्म की सराहना करते हुए मुझे प्रशंसा पत्र भेजे, लेकिन आप अपनी नफरत से अंधे हो गए हैं। मुझे आपके लिए खेद है। 'कंगना रनौत पहली व्यक्ति नहीं हैं जिन्होंने मामले पर अपनी प्रतिक्रिया दी हो। सिंगर शान ने भी सिंगर एआर रहमान के बयान को गलत बताते हुए कहा कि ये किसी की व्यक्तिगत राय हो सकती है, लेकिन सिनेमा में मुझे भी कुछ समय काम नहीं मिला था, लेकिन मैंने इसे पर्सनली नहीं लिया, क्योंकि काम मिलना या न मिलना हमारे हाथ में नहीं है। काम कब मिलना है और कितना मिलना है, ये हमारी पहुंच से दूर है। हम बस अच्छा काम कर सकते हैं।

एआर रहमान ने अपने हालिया इंटरव्यू में हिंदी सिनेमा में काम न मिलने की परेशानी पर बात की थी। संगीतकार का कहना था कि आठ साल उन्हें काम मिलने में परेशानी हुई और उसकी वजह हिंदी सिनेमा में कम्युनिज्म था।

काशी में मंदिरों को तोड़ने का सफेद झूठ फैला रही कांग्रेस : सीएम योगी

● जब काशी विश्वनाथ धाम का निर्माण हो रहा था, तब भी कुछ लोगों ने साजिशें रची थीं।

एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस मंदिरों को तोड़ने का सफेद झूठ फैला रही है। सीएम ने शनिवार को वाराणसी में बाबा काशी विश्वनाथ के दर्शन करने के बाद पत्रकारों को संबोधित किया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब काशी विश्वनाथ धाम का निर्माण हो रहा था, तब भी कुछ लोगों ने साजिशें रची थीं। यहां तक कि जिन वर्कशॉप में मूर्तियां बनती हैं, वहां से टूटी हुई मूर्तियों के अवशेष लाकर सोशल मीडिया पर वायरल किए और सफेद झूठ फैलाया गया कि मंदिर तोड़े जा रहे हैं।' दरअसल, पिछले एक-दो दिनों से सोशल मीडिया पर काशी के मंदिर व मणिकर्णिका घाट को तोड़ने के कुछ वीडियो वायरल हो रहे हैं। इन्हीं आरोपों का जवाब देने के लिए सीएम खुद मीडिया से रूबरू हुए। उन्होंने इन वीडियो की सत्यता को सिरे से खारिज करते हुए कहा, यहां

> ● 'विशेष अवसरों पर यह संख्या 6 से 10 लाख तक पहुंचती है। गतवर्ष 11 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने बाबा विश्वनाथ धाम में दर्शन किए।'

पर पिछले 11 वर्षों में हुए समग्र विकास की परियोजना को बाधित करने के लिए जो साजिशें रची जा रही हैं और जिस प्रकार का दुष्प्रचार किया जा रहा है, इसके बारे में सही तथ्य जनता के सामने आ सकें, इसीलिए मुझे आज यहां पर आना पड़ा। उन्होंने कहा कि काशी के प्रति हर सनातन धर्मावलंबी और हर भारतवासी अपार श्रद्धा का भाव रखता है, लेकिन स्वतंत्र भारत में काशी को जो सम्मान मिलना चाहिए

था, काशी का जो विकास होना चाहिए था, वो नहीं हुआ। पिछले 11 वर्षों में काशी एक बार फिर अपनी आध्यात्मिक व सांकृतिक विरासत का संरक्षण करते हुए उनका संवर्धन कर रही है और भौतिक विकास के माध्यम से नई ऊंचाइयों को भी प्राप्त कर रही है। सीएम योगी ने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि देश की संसद में काशी का प्रतिनिधित्व स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करते हैं और वह अक्सर अपने भाषणों में कहते हैं, 'मेरी काशी'। प्रारम्भ से ही उन्होंने कहा है कि काशी की पुरानी काया को संरक्षित करते हुए उसे नए कलेवर के रूप में देश-दुनिया के सामने प्रस्तुत किया जाना चाहिए और उसी के अनुरूप काशी की परियोजनाएं तैयार हुईं। कॉरिडोर बनने के बाद काशी में आए परिवर्तन को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि काशी विश्वनाथ धाम बनने से पहले यहां प्रतिदिन औसतन पांच हजार से 25 हजार श्रद्धालु आते थे। कॉरिडोर बनने के बाद प्रतिदिन सवा लाख से डेढ़ लाख श्रद्धालु यहां दर्शन कर रहे हैं।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर मुठभेड़ में दो नक्सली ढेर, दो एके-47 रायफल बरामद

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के महाराष्ट्र सीमा पर बीजापुर जिले में आज शनिवार को हुई मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने दो नक्सलियों को ढेर कर दिया है। उनके पास से दो एके-47 रायफल बरामद हुई हैं। इन नक्सलियों में नेशनल पार्क एरिया कमेटी चीफ डीवीसीएम कैडर का नक्सली दिलीप वेंडजा शामिल है, दूसरे नक्सली की पहचान नहीं हुई है। सरुक्षा बलों ने मुठभेड़ स्थल से दोनों नक्सलियों के शव और 2 एके-47 रायफल बरामद कर लिए हैं। नेशनल पार्क जंगल के जिस इलाके में नक्सलियों से मुठभेड़ हो रही है, वह नक्सली पापाराव का इलाका है, पापाराव नेशनल पार्क क्षेत्र का इंचार्ज है। पापाराव दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी का इकलौता बचा सदस्य है। अगर पापाराव मारा गया तो नक्सलियों के डीकेएसजेडसीएम कैडर पूरी तरह से खत्म हो जाएगा।

हम सब मिलकर 2047 तक भारत को बनाएंगे विकसित और आत्मनिर्भर: केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी

> ● केन्द्रीय मंत्री गडकरी ने मप्र में 4400 हजार करोड़ की 8 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का किया शिलान्यास -एक लाख करोड़ के राजमार्ग विकास कार्यों की दी मंजूरी

एजेंसी

भोपाल। केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि विकसित और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण हमारे लिए सिर्फ स्वप्न नहीं, एक संकल्प है और इस संकल्प को पूरा करने के लिए पूरा देश एकजुट और एकमत होकर काम कर रहा है। हम सब मिलकर 2047 तक भारत को विकसित और आत्मनिर्भर बनाएंगे। देश के समग्र विकास के इस महायज्ञ में सबसे बड़ी आहुति मध्य प्रदेश की ही होगी। केन्द्रीय सड़क मंत्री गडकरी शनिवार को मध्य प्रदेश के विदिशा में आयोजित विभिन्न सड़क परियोजनाओं के लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सही नेतृत्व और समर्पित सरकार से कदमताल कर हम मध्य प्रदेश को एक प्रगतिशील, समृद्ध और सम्पन्न राज्य बनाएंगे। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री गडकरी, मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव

तथा केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मध्य प्रदेश के विकास को और गति देने के लिए विदिशा में 4400 हजार करोड़ रुपये की लागत से 8 सड़क परियोजनाओं का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन किया। गडकरी ने कहा कि हम मध्य प्रदेश के विकास को शक्ति देने के लिए पूरी ताकत से अपना सहयोग देंगे। उन्होंने इस मौके पर मध्य प्रदेश के विकास से जुड़ी विभिन्न सड़क परियोजनाओं पर सहमति व्यक्त कर करीब एक लाख करोड़ रुपये की नई परियोजनाओं को मंजूरी दी। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय के अधीन दो लाख करोड़ रुपये लागत की राष्ट्रीय राजमार्ग विकस परियोजनाओं पर पहले से ही काम चल रहा है। केन्द्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि मध्य प्रदेश कृषि के क्षेत्र में सबसे अग्रणी राज्य है। यहां का बासमती चावल और शरबती गेहूं विश्व प्रसिद्ध है। केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान अन्नदाता के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। किसानों को अन्नदाता के साथ ऊर्जादाता, हवाई ईंधनदाता और डामरदाता भी बनाना हमारा लक्ष्य है।

प्रयागराज माघ मेले में मौनी अमावस्या की पूर्व संध्या पर 1.5 करोड़ लोगों ने गंगा में लगाई डुबकी

● जहां भी घाट पर स्थान खली हो वहीं स्नान करें

एजेंसी

प्रयागराज। विश्व प्रसिद्ध प्रयागराज माघ मेले में मौनी अमावस्या से एक दिन पूर्व शनिवार को शाम तक करीब 1.5 करोड़ श्रद्धालुओं ने गंगा और संगम में डुबकी लगाई। माघ मेला अधिकारी ऋषिराज और पुलिस अधीक्षक नीरज पांडेय ने बताया कि श्रद्धालुओं से अपील की जा रही है कि जहां भी घाट पर स्थान खली हो वहीं स्नान करें और वापस अपने गंतव्य को रवाना हो जाएं। उन्होंने बताया कि मौनी अमावस्या की पूर्व संध्या तक लगभग 1.5 करोड़ लोगों ने संगम में आस्था की डुबकी लगाकर पुण्य

अर्जित किया है। सभी स्नान घाटों की निगरानी के लिए पर्याप्त संख्या में जल पुलिस, गोताखोर, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल, सिविल पुलिस के जवान तैनात हैं। इसके अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरों एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का सहयोग लेकर लगातार निगरानी की जा रही है। मेला क्षेत्र को नो व्हीकल जोन घोषित किया गया है। देश के विभिन्न क्षेत्रों से आने वाले श्रद्धालुओं के वाहनों को पार्किंग स्थल में खड़ा कराया जा रहा है।

करनाल नेशनल हाइवे पर घने कोहरे के चलते टकराए कई वाहन, ट्रैफिक हुआ जाम

करनाल (एजेंसी)। हरियाणा के करनाल में नेशनल हाइवे पर घने कोहरे के चलते बड़ा सड़क हादसा हो गया। मधुबन से लेकर बसताडा टोल प्लाजा के बीच अलग-अलग स्थानों पर कई बड़े और छोटे वाहन आपस में टकरा गए, जिससे हाइवे पर अफरा-तफरी मच गई। दुर्घटना के बाद नेशनल हाइवे पर लंबा जाम लग गया, जिसके चलते वाहनों को सर्विस लेन से निकाला गया। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं और क्षतिग्रस्त वाहनों को हाइड्रा की मदद से हाईवे से हटाया गया। पुलिस के मुताबिक यह हादसा सुबह के वक्त हुआ जब इलाके में घना कोहरा छाया हुआ था और विजिबिलिटी बेहद कम थी। इस कारण वाहन चालकों को आगे का रास्ता साफ नजर नहीं आया और एक के बाद एक कई वाहन टकराते चले गए। थाना मधुबन के इंचार्ज ने बताया कि सुबह सूचना मिली थी कि नेशनल हाईवे पर तीन-चार अलग-अलग जगहों पर वाहन आपस में टकरा गए हैं। शुरुआती जांच में सामने आया है कि सभी हादसे कोहरे के कारण हुए हैं। उन्होंने कहा कि हादसे में जो लोग घायल हुए थे, उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। क्षतिग्रस्त वाहनों को हाइड्रा की मदद से सड़क से हटाकर ट्रैफिक को सुचारू कराया गया। हादसे में फंसे वाहन चालकों ने भी कोहरे को हादसे की वजह बताया है। एक वाहन चालक ने कहा कि जैसे ही वह नेशनल हाइवे पर चढ़े, कोहरा इतना घना था कि कुछ भी नजर नहीं आ रहा था। अचानक एक बस ने ब्रेक लगा दिए और उसके पीछे चल रहे वाहन एक के बाद एक टकराते चले गए। करीब एक दर्जन से ज्यादा गाड़ियां टकरा गईं। चालक ने बताया कि वह यमुनानगर से दिल्ली जा रहे थे, तभी यह हादसा हुआ। निजी बस में सवार कुछ यात्रियों को मामूली चोटें आई हैं।

पंजाब में दो किशोरों की संदिग्ध मौत, परिवार ने जताई हत्या की आशंका

जालंधर (एजेंसी)। जालंधर के भोगपुर क्षेत्र में 17 वर्षीय अर्शप्रीत सिंह और उसके मित्र गोपेश की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। दोनों किशोर 13 जनवरी (लोहड़ी की रात) घर से बाइक पर निकले थे और अचानक लापता हो गए। उनके शव बहराम श्रेष्ठा रोड के पास एक लिंक सड़क पर पड़े हुए पाए गए। पुलिस ने उन्हें अस्पताल ले जाने पर मृत घोषित किया। अर्शप्रीत के चाचा का कहना है कि ह केवल सड़क हादसा नहीं बल्कि सोची-समझी साजिश हो सकती है। भोगपुर पुलिस ने प्रारंभिक तौर पर सड़क हादसा दर्ज किया था। हालांकि परिजनों की आपत्ति और हत्या के संदेह के चलते पुलिस अब सीडीआर और पोस्टमार्टम रिपोर्ट की मदद से मामले की गहन जांच कर रही है। अर्शप्रीत के पिता वर्तमान में लेबनान में कार्यरत हैं, इसलिए अंतिम संस्कार उनके आने के बाद किया जाएगा। घर में माता मंजीत कौर और भाई-बहन अत्यंत दु:खी हैं। दोनों किशोर पड़ोसी गांवों गिलड़ा और पुदिया के रहने वाले थे और गहरे दोस्त थे।

पंजाबी सिंगर बी प्राक को जान से मारने की धमकी

जालंधर (एजेंसी)। पंजाबी सिंगर बी प्राक को जानलेवा धमकी मिली है। धमकी देने वाले ने 10 करोड़ रुपए की भारी भरकम फिरौती की मांग की और कहा कि अगर एक हफ्ते में पैसे नहीं दिए गए तो बी प्राक को मिट्टी में मिला दिया जाएगा। यह धमकी सीधे बी प्राक को नहीं बल्कि उनके करीबी दोस्त और पंजाबी सिंगर दिलनूर बबलू के माध्यम से दी गई। दिलनूर बबलू ने हाल ही में मोहाली की वन राइज सोसाइटी, सेक्टर 99 से पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के अनुसार उन्हें एक विदेशी नंबर से दो मिस्ड कॉल आए। अगले दिन उसी नंबर से कॉल आई, जिसे उन्होंने उठाया नहीं। इसके बाद एक वॉयस मैसेज आया, जिसमें धमकी देने वाले ने खुद को आरजू बिश्नोई बताया। वॉयस मैसेज में कहा गया कि बी प्राक को 10 करोड़ रुपए का इंतजाम करना होगा। धमकी देने वाले ने चेतावनी दी कि चाहे वे किसी भी देश में जाएं, अगर उनके साथ नहीं चले तो उन्हें मिट्टी में मिला दिया जाएगा। दिलनूर ने बताया कि वे और बी प्राक अक्सर शोज और शूटिंग के लिए बाहर जाते हैं, इसलिए उनकी सुरक्षा खतरे में है। आरजू बिश्नोई को लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सदस्य माना जाता है। इस गैंग पर पहले भी सेलिब्रिटीज और कारोबारियों को निशाना बनाने का आरोप है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है। दिलनूर ने स्क्रीनशॉट और वॉयस रिकॉर्डिंग पुलिस को सौंपकर सुरक्षा की मांग की है।

कुपवाड़ा पुलिस ने महिला ड्रग पेडलर को 2.3 किलो हेरोइन के साथ पकड़ा

कुपवाड़ा (एजेंसी)। कुपवाड़ा पुलिस ने वार ऑन ड्रग्स अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। शुक्रवार को गुलगाम क्षेत्र के मगराय मोहल्ला के पास नाका, चेकिंग के दौरान वाहन संख्या जेके09सी-1178 को रोका गया। पुलिस टीम ने वाहन में सवार एक महिला यात्री के हाव-भाव संदिग्ध पाए। इसी दौरान वाहन चालक और दो अन्य सवार मौके से फरार हो गए। पुलिस ने महिला की तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 2.3 किलोग्राम हेरोइन जैसी मादक पदार्थ बरामद की। मौके पर ही महिला को हिरासत में ले लिया गया और पूछताछ शुरू कर दी गई है। अधिकारियों के अनुसार, यह मादक पदार्थ तस्करी के बड़े नेटवर्क से जुड़ा हो सकता है। इस संबंध में कुपवाड़ा पुलिस थाना में एफआईआर संख्या 13/2026 दर्ज की गई है, जिसमें एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21/29 शामिल है। पुलिस ने बताया कि फरार आरोपियों की तलाश के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं और मामले की गहन जांच जारी है। जम्मू-कश्मीर पुलिस पूरे राज्य में ड्रग तस्करों और ड्रग पेडलर्स के खिलाफ आक्रामक अभियान चला रही है। इसके तहत पुलिस गैर-कानूनी गतिविधियों से उत्पन्न धन से बनाई गई संपत्तियों को भी अटैच करती है। ऐसी संपत्तियों को अटैच करने के लिए अदालत से आवश्यक अनुमति प्राप्त की जाती है।

सिलेंडर विस्फोट से झुलसे पांच मजदूरों की इलाज के दौरान मौत, सभी यूपी के रहने वाले

दौंड (एजेंसी)। महाराष्ट्र के दौंड में 7 जनवरी को हुए गैस सिलेंडर विस्फोट मामले में पांच की मौत हुई है। बता दें दौंड पाट्स रोड पर गिरिम की सीमा में स्थित एक होटल में हुए इस भीषण हादसे में 12 मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए थे। इनमें से छह मजदूरों को गंभीर हालत में पुणे के अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां इलाज के दौरान पांच मजदूरों ने दम तोड़ दिया। मीडिया रिपोर्ट में पुलिस सब-इंस्पेक्टर ने मृतकों के नामों की आधिकारिक पुष्टि की है।

भारत केवल एक भौगोलिक क्षेत्र का नाम नहीं, बल्कि देश का चरित्र है: भागवत

भारत में कुछ भी अच्छा या बुरा होगा, तो हिंदुओं से पूछा जाएगा

नागपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि भारत में कुछ भी अच्छा या बुरा होगा, तो हिंदुओं से इसके बारे में पूछा जाएगा। क्योंकि भारत केवल एक भौगोलिक क्षेत्र का नाम नहीं, बल्कि देश का चरित्र है। उन्होंने कहा कि हिंदू समाज पारंपरिक रूप से समावेशी और सभी को स्वीकार करने वाला रहा है जो रीति-रिवाजों, पहनावे, खान-पान, भाषा, जाति और उपजाति में विविधता को अपनाता है। इन मतभेदों को संघर्ष का कारण नहीं बनने देता। भागवत ने यह बात गंगापुर में आयोजित हिंदू सम्मेलन में कही।

उन्होंने कहा कि युवाओं का योगदान देश की प्रगति और भविष्य निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण है। संघ न तो किसी का विरोध करता है और न ही किसी से प्रतिस्पर्धा में है। इसका उद्देश्य केवल एक मजबूत और सामंजस्यपूर्ण समाज का निर्माण करना है। उन्होंने युवाओं से इस सामूहिक प्रयास में सक्रिय रूप से भाग लेने की अपील की।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि हमें जाति, संप्रदाय, भाषा या व्यवसाय की परवाह किए बिना हिंदू मित्र बनाने चाहिए। इससे समानता स्थापित होगी। संघ पहल करेगा, लेकिन समुदाय को इसका नेतृत्व करना होगा।' उन्होंने कहा, 'भगवान राम ने भी रावण से बातचीत के जरिए युद्ध टालने की कोशिश की थी, लेकिन बाद में हथियार उठाए। हमें भी अन्याय के खिलाफ कदम-दर-कदम लड़ना चाहिए।' आरएसएस के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित युवा सम्मेलन में भागवत ने युवाओं से अपील की कि वे ज्ञान और कौशल प्राप्त करने के लिए विदेश जाएं, लेकिन इसे भारत के विकास में उपयोग करें। आरएसएस प्रमुख भागवत ने कहा कि जो लोग एकीकरण और सद्भावपूर्ण सह-अस्तित्व में विश्वास रखते हैं, वे हिंदू समाज और देश के सच्चे चरित्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह परंपरा सदियों से आक्रमणों और विनाश के बावजूद संरक्षित रही। ऐसे लोग हिंदू कहलाते हैं और उनकी भूमि भारत कहलाती है। उन्होंने कहा कि अगर लोग अच्छे, दृढ़ और ईमानदार बनने का प्रयास करें तो देश भी वैश्विक मंच पर इन गुणों को प्रदर्शित करेगा। उन्होंने कहा कि विश्व भारत से कुछ अपेक्षा रखता है और पर्याप्त शक्ति व प्रभाव होने पर देश सार्थक योगदान देने में सक्षम होगा। भागवत ने कहा कि शक्ति में केवल सशस्त्र बल ही नहीं, बल्कि बुद्धि, सिद्धांत और नैतिक मूल्य भी शामिल होते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भागवत ने आत्मनिर्भरता और स्थानीय उत्पादों के इस्तेमाल पर जोर देते हुए कहा कि हमें स्थानीय वस्तुएं खरीदनी चाहिए। जो चीज यहां नहीं बन सकती, उसे अन्य देशों से खरीदा जा सकता है। भारतीय नीति निर्माता अंतरराष्ट्रीय व्यापार कर रहे हैं, लेकिन किसी के दबाव में नहीं। हमने आत्मनिर्भरता का मार्ग चुना है और हमें इसी मार्ग पर चलना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें विदेशों में रोजगार सृजन की चिंता नहीं करनी चाहिए, यह उन्हें करना है। जब वैश्वीकरण की बात करते हैं, तो वे वैश्विक बाजार की अपेक्षा रखते हैं। हम वैश्विक परिवार की अपेक्षा रखते हैं।

कनाडा पुलिस की बिश्नोई गैंग को लेकर कौन सी रिपोर्ट... जो भारत और कनाडा में सुर्खियों में आई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और कनाडा के बीच पटरी पर लौट रहे रिश्तों के बीच बिश्नोई गैंग को लेकर रिपोर्ट चर्चा में आ गई है। यह रिपोर्ट रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस की ओर से आई है। रिपोर्ट में दावा है कि कनाडा में लॉरेंस गैंग भारत सरकार की तरफ से काम कर रही थी। अब रिपोर्ट पर

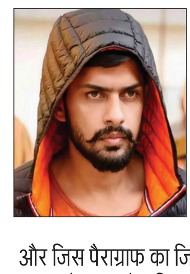

कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत के नेता की ओर से सफाई आई है। कनाडाई नेता ने इस रिपोर्ट को सिरे से खारिज कर दिया है। इसके बाद सवाल है कि एक तरफ जहां दोनों देशों रिश्तों को फिर से पटरी पर लाने की कोशिश में जुटे हैं। तब इसतरह की रिपोर्ट को पेश करना कह तक उचित है। कनाडाई प्रांत ब्रिटिश कोलंबिया के प्रीमियर डेविड एबी ने कहा कि यह तीन पेज का ब्रीफिंग नोट निकला, और जिस पैराग्राफ का जिक्र शुरुआती रिपोर्ट में किया था, वह अक्टूबर 2024 के समय के पब्लिकली मौजूद थी। इसके बाद आरोप जिनके बारे में हमें पता था और जिनकी उस समय पूरी तरह से जांच की गई थी। एबी ने कहा कि रिपोर्ट सामने आने के बाद उनका डेलिगेशन बहुत अधिक चिंतित था और जब तक उन्हें पूरा डॉक्यूमेंट नहीं मिल गया, तब तक उन्होंने भारत में बैठक लगभग कैंसिल कर दी थीं। इस घटनाक्रम पर अपनी निराशा जाहिर करते हुए, एबी ने कहा कि भारत में ट्रेड मिशन पर आने से पहले वे बहुत अधिक सावधान थे। एबी ने बताया कि उन्होंने कनाडा के नेशनल डिफेंस मिनिस्ट्री, कैनेडियन सिक्योरिटी इंटेलिजेंस सर्विस से ब्रीफिंग ली थी। दोनों देशों के बीच संबंधों की मौजूदा स्थिति को समझने के लिए फेडरल गवर्नमेंट के साथ कई बार बातचीत की थी।

77वें गणतंत्र दिवस की तैयारियों को लेकर सुरक्षा एजेंसी अलर्ट... आंतकियों के पोस्टर चस्पा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली में 77वें गणतंत्र दिवस की तैयारियों के बीच सुरक्षा अलर्ट जारी किया है। दिल्ली पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने मेट्रो स्टेशनों, बस अड्डों, व्यस्त बाजारों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में खालिस्तान और अलकायदा से जुड़े संदिग्धों के पोस्टर चस्पा कर दिए हैं। इन पोस्टरों का उद्देश्य जनता को इन आतंकवादियों की पहचान कराने और सतर्क रहने के लिए प्रेरित करना है। अगर कोई संदिग्ध कहीं दिखाई देता है, तब तुरंत पुलिस को सूचित करने की अपील की गई है।

सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, खालिस्तान टाइगर फोर्स (केटीएस) के प्रमुख अर्श डल्ला पर विशेष ध्यान दिया गया है। डल्ला पहले पंजाब में था और अब कनाडा से नेटवर्क चला रहा है। इसके अलावा खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स के प्रमुख रंजीत सिंह नीता और परमजीत सिंह पम्मा के पोस्टर भी लगे हैं। रिपोर्टों के मुताबिक, ये लोग देश में सांप्रदायिक तनाव फैलाने में सक्रिय हैं। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों का फोकस जिहादी नेटवर्क पर भी है। संभल के शरजील अख्तर, आईएस मामलों में मोहम्मद रेहान और अलकायदा से जुड़े झारखंड के मोहम्मद अबू सुफियान के भी फोटो लगाए गए हैं। सुफियान ने भारत में अलकायदा नेटवर्क खड़ा किया और देश के स्लीपर सेल्स को ट्रेनिंग देता है। दिल्ली पुलिस के द्वारा जनता से अपील की गई है कि 26 जनवरी के आसपास विशेष सतर्क रहें। यह पहली बार है जब दिल्ली में संदिग्ध आतंकियों के पोस्टर इस तरह सार्वजनिक रूप से लगाए गए हैं। पूरी सुरक्षा व्यवस्था के तहत निगरानी बढ़ाई गई है ताकि कोई भी आतंकवादी गतिविधि होने से रोकी जा सके।

केजरीवाल ने आतिशी को बचाने पंजाब पुलिस का गलत इस्तेमाल कर पाप किया

दिल्ली के मंत्री बोले-विपक्ष के नेता द्वारा किए गलत काम की अब पुष्टि हो गई

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा स्पीकर विजेंद्र गुप्ता ने आप नेता आतिशी से जुड़े विवादित वीडियो क्लिप से संबंधित फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी की रिपोर्ट पेश की। इस पर दिल्ली सरकार में मंत्री कपिल मिश्रा ने शनिवार को सत्यमेव जयते कहा और दावा किया कि विधानसभा में विपक्ष के नेता द्वारा किए गए गलत काम की अब पुष्टि हो गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने आतिशी को बचाने के लिए पंजाब पुलिस का गलत इस्तेमाल करके बड़ा पाप किया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कपिल मिश्रा ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा- सत्यमेव जयते। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष को मिली फोरेंसिक रिपोर्ट अब पब्लिक में है। आतिशी ने सदन में जो पाप किया वह अब सत्यापित हो चुका है। उन्होंने आगे लिखा- उससे बड़ा पाप केजरीवाल ने किया, गुरुओं का अपमान करने वाली आतिशी को बचाने के लिए पंजाब पुलिस का दुरुपयोग किया। सत्य को कभी प्रमाण की जरुरत नहीं होती है। आज दूध का दूध पानी का पानी हो गया। इससे पहले स्पीकर विजेंद्र गुप्ता ने असेंबली में एफएसएल रिपोर्ट पेश की और बताया कि वीडियो में कोई बदलाव या छेड़छाड़ नहीं की गई थी।

गुप्ता ने कहा कि 8 जनवरी को दिल्ली असेंबली में, विपक्ष ने असेंबली सेशन के वीडियो फुटेज की जांच की मांग की थी, क्योंकि इसकी प्रामाणिकता को लेकर कुछ सवाल उठाए गए थे। इस मांग पर कार्रवाई करते हुए उस सेशन की रिकॉर्डिंग फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी को भेजी गई थी। उन्होंने कहा कि यह उस दिन का हूबहू रिकॉर्ड है। सभी तथ्यों, नियमों और कानूनों को ध्यान में रखते हुए ऑडियो और वीडियो दोनों एफएसएल को दिए गए थे।

रिपोर्ट के नतीजों का जिक्र करते हुए स्पीकर ने कहा कि वीडियो की प्रामाणिकता और असलियत के बारे में, हमें एफएसएल रिपोर्ट मिल गई है। लैब ने साफ तौर पर कहा है कि वीडियो में कोई बदलाव या छेड़छाड़ नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट साबित करती है कि गुरुओं के सम्मान और इज्जत के संबंध में, एक राजनीतिक पार्टी ने किसी तरह से सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग किया है और गुरुओं की गरिमा से समझौता किया है। मैं विपक्ष के नेता से आग्रह करना चाहूंगा कि वे आगे आएं और मेरे चैंबर में मुझसे मिलें। नहीं तो, आने वाले समय में इस मामले को बहुत गंभीरता से देखा जाएगा। उन्हें अपनी गलती माननी चाहिए, अपने बयान वापस लेने चाहिए और माफी मांगनी चाहिए।

आम आदमी पार्टी ने शुक्रवार को मंत्री कपिल मिश्रा के खिलाफ विशेषाधिकार हनन की कार्रवाई की मांग की थी, जब पंजाब की एक अदालत ने उनके द्वारा सर्कुलेट किए गए एक वीडियो को फर्जी और गुमराह करने वाला घोषित कर दिया। पार्टी के मुख्य सचेतक संजीव झा ने विधानसभा स्पीकर गुप्ता को लिखे एक पत्र में कहा कि जालंधर कोर्ट ने वीडियो को सोशल मीडिया से तुरंत हटाने का आदेश दिया, जिससे यह सामने आया कि कैसे इसका इस्तेमाल आतिशी की छवि खराब करने के लिए किया गया, जिसमें उन्हें गलत तरीके से सिख गुरु साहिबों के नाम लेते हुए दिखाया गया था।

बांग्लादेश जिहादियों का जंगल बना, कट्टरपंथियों ने व्यवस्था को हाइजैक किया

वरिष्ठ बीजेपी नेता नकवी ने हिंदुओं के खिलाफ हो रही हिंसा पर कही बात

प्रयागराज (एजेंसी)। पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ बीजेपी नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा को लेकर कहा है कि बांग्लादेश जिहादियों का जंगल बन चुका है। वहां के कट?टरपंथियों ने देश की व्यवस्था को हाइजैक कर लिया है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में हो रही हिंसा को लेकर भारत का शीर्ष नेतृत्व गंभीर है। भारत बिना किसी शोरगुल के हिंसा के खिलाफ कार्रवाई में जुटा है, आने वाले दिनों में जल्द ही इसका व्यापक असर दिखेगा।

नकवी ने महागठबंधन पर भी जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि गठबंधन की गठरी में अनेकों छेद और मतभेद हैं। हर चुनाव में नया गठबंधन तैयार हो जाता है, चुनाव समाप्त होने के बाद गठबंधन समाप्त भी हो जाता है। कांग्रेस जो कभी देश की बड़ी पार्टी हुआ करती थी आज वह मोहल्ले की पार्टी बनकर रह गई है। वहीं, कांग्रेस, सपा समेत अन्य राजनैतिक दल बिना जनाधार के सरकार बनाने की जुगत में लगे रहते हैं। कांग्रेस से कंधे से कंधा मिलाकर चलने वाली पार्टियों को समझना होगा कि कांग्रेस की जमीन जरूर बंजर है फिर भी उसके हाथ में बेवफाई का खंजर है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नकवी ने कहा कि कांग्रेस, सपा समेत कुछ अन्य सियासी दल चुनावी मैदान में रण बांकुरी की जगह रण छोड़ बहादुरी की प्रतिस्पर्धा और पराक्रम में जुटे हैं। विपक्षी कुनबे का कुंठित कारवा इस संकल्प को सिद्धि साबित करने वाली तपस्या की ताकत और परिश्रम के परिणाम से सबक-संदेश लेने के बजाय कुंठा, कटुता, कोलाहल के कबाड़खाने में कैद होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि सत्तालोलुप सुल्तानों की संवैधानिक संस्थानों की सामंती लींचिंग की सनक उनका सियासी सूपड़ा साफ कर रही है। बीजेपी के विजय की गिनती ने सामंती सियासत और विरासत का गणित बिगाड़ दिया है।

घने कोहरे और कम दृश्यता के चलते कई उड़ानें प्रभावित, कंपनियों ने जारी की एडवाइजरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तरी भारत में घने कोहरे और कम दृश्यता के चलते हवाई यातायात पर असर पड़ रहा है। मौसम को देखते हुए एयरलाइन कंपनियों ने यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी की है। इंडिगो ने बताया कि लखनऊ में कम दृश्यता के कारण कुछ उड़ानों के समय में बदलाव हो सकता है। वहीं, आकासा एयर ने नेटवर्क की कुछ फ्लाइट्स के समय में बदलाव करने की जानकारी दी है। इंडिगो एयरलाइन ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि लखनऊ में कम विजिबिलिटी और कोहरे के कारण फ्लाइट शेड्यूल पर असर पड़ सकता है। इंडिगो ने यात्रियों को सलाह दी है कि वे अपनी उड़ान की अपडेट वेबसाइट या मोबाइल ऐप के जरिए नियमित रूप से चैक करते रहें।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एयरलाइन ने कहा कि हम आपसे अनुरोध करते हैं कि आप हमारी वेबसाइट या ऐप के जरिए अपनी फ्लाइट का स्टेटस चेक करते रहें। हमारी टीमें हर कदम पर आपकी मदद और सपोर्ट करने के लिए मौजूद हैं। हमें उम्मीद है कि मौसम जल्द ही साफ होगा और हम अपने नियमित शेड्यूल पर वापस लौटेंगे। अकासा एयर ने जानकारी दी कि उत्तरी भारत में कोहरे के कारण, हमारे नेटवर्क की कुछ फ्लाइट्स का समय बदल दिया गया है। एयरलाइन ने कहा कि हमें आपके ट्रैवल प्लान में होने वाली असुविधा के लिए बहुत खेद है और इस समय आपकी समझ के लिए हम आपकी सराहना करते हैं। आपका आराम और देखभाल हमारी प्राथमिकता है। कंपनी ने एक्स पोस्ट में लिखा कि मौसम की स्थिति हमारे कंट्रोल से बाहर है, लेकिन हमारी ग्राउंड पर मौजूद और अकासा केयर सेंटर की टीमें आपकी यात्रा में किसी भी बदलाव के दौरान आपकी मदद करने और सपोर्ट देने के लिए हमेशा मौजूद हैं। ताजा अपडेट के लिए, कृपया एयरपोर्ट जाने से पहले अपनी फ्लाइट का स्टेटस चेक करें। इधर, दिल्ली एयरपोर्ट पर लो विजिबिलिटी प्रोसीजर अभी भी लागू हैं। हालांकि सभी उड़ान संचालन सामान्य रूप से जारी हैं। दिल्ली एयरपोर्ट ने एक्स पोस्ट में लिखा, लो विजिबिलिटी प्रोसीजर अभी भी जारी हैं। सभी फ्लाइट ऑपरेशन सामान्य रूप से चल रहे हैं। यात्रियों को ताजा फ्लाइट अपडेट के लिए अपनी-अपनी एयरलाइंस से संपर्क करने की सलाह दी जाती है।

हार के बाद ठाकरे बंधुओं का संदेश: मराठी अस्मिता की लड़ाई जारी रहेगी

-संघर्ष ही हमारी पहचान, 'हर सांस मराठी के लिए' : राज ठाकरे

मुंबई (एजेंसी)। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनावों में अपेक्षित सफलता न मिलने के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में ठाकरे बंधुओं की प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने अलग-अलग बयानों में साफ कर दिया है कि चुनावी हार के बावजूद मराठी पहचान, अधिकार और सम्मान की राजनीतिक लड़ाई थमी नहीं है।

मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने चुनाव परिणामों के बाद जारी अपने संदेश में मराठी समाज, मराठी भाषा और महाराष्ट्र के विकास के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प दोहराया। उन्होंने कहा कि चुनाव में अपेक्षित परिणाम न मिलने का अर्थ यह नहीं कि पार्टी या कार्यकर्ता हिम्मत हार जाएं। राज ठाकरे ने कहा कि यह चुनाव पैसों और सत्ता की ताकत के खिलाफ शिवशक्ति की लड़ाई थी, जिसमें मनसे कार्यकर्ताओं ने पूरी मजबूती से मुकाबला किया।

उन्होंने मनसे और शिवसेना के सभी निर्वाचित पार्षदों को बधाई देते हुए कहा कि उनका संघर्ष हमेशा याद रखा जाएगा। राज ठाकरे ने माना कि संगठन से कुछ कमियां भी रहीं, लेकिन उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इन्हीं अनुभवों से सीख लेकर आगे की रणनीति तय की जाएगी।

राज ठाकरे ने अपने बयान में दो टूक कहा कि उनका संघर्ष मराठी लोगों, मराठी भाषा, मराठी पहचान और समृद्ध महाराष्ट्र के लिए है। उन्होंने निर्वाचित पार्षदों से अपील की कि वे नगर निकायों में मराठी समाज के हितों की मजबूती से रक्षा करें और यदि मराठी लोगों के खिलाफ कोई अन्याय होता है तो उसका जवाब पूरी ताकत से दें। राज ठाकरे ने यह भी कहा कि महाराष्ट्र में सत्ता में बैठे लोग और उनके समर्थक बार-बार मराठी समाज को कमजोर करने की कोशिश करते हैं। ऐसे में मराठी अस्मिता की रक्षा के लिए एकजुट रहना जरूरी है। उन्होंने संगठन को फिर से खड़ा करने और जमीनी स्तर पर काम तेज करने का आह्वान किया।

अपने संदेश के अंत में राज ठाकरे ने भावुक अपील करते हुए कहा कि चुनाव आते-जाते रहेंगे, लेकिन उनकी राजनीति और जीवन का हर पल मराठी के लिए समर्पित है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि अब निराश होने के बजाय फिर से जुटकर पार्टी को नई दिशा देनी होगी और मराठी समाज के मुद्दों को मजबूती से उठाना होगा।

लड़ाई अभी खत्म नहीं

उधर, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने भी बीएमसी चुनावों में हार के बाद पहली प्रतिक्रिया दी है। पार्टी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर स्पष्ट किया कि महाराष्ट्र की राजनीतिक लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है। शिवसेना (यूबीटी) ने कहा कि यह संघर्ष तब तक जारी रहेगा,

जब तक मराठी समाज को उसका हक, अधिकार और सम्मान नहीं मिल जाता। पार्टी के बयान में संकेत दिए गए हैं कि आने वाले दिनों में शिवसेना (यूबीटी) मराठी अस्मिता, स्थानीय अधिकारों और मुंबई-महाराष्ट्र से जुड़े मुद्दों को और आक्रामक तरीके से उठाएगी।

दिल्ली में गणतंत्र दिवस रिहर्सल परेड, 19, 20 और 21 जनवरी को ट्रैफिक रहेगा डायवर्ट

नई दिल्ली । दिल्ली यातायात पुलिस ने गणतंत्र दिवस परेड रिहर्सल के लिए 19, 20 और 21 जनवरी 2026 को विशेष यातायात व्यवस्था लागू की है। सुबह 10:15 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक कर्तव्यपथ और आसपास के इलाकों में प्रतिबंध रहेंगे। पुलिस ने लोगों से वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने की अपील की है, क्योंकि कर्तव्यपथ के प्रमुख चौराहों पर वाहनों की आवाजाही बंद रहेगी। गणतंत्र दिवस परेड की रिहर्सल को सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए दिल्ली यातायात पुलिस ने 19, 20 और 21 जनवरी 2026 को विशेष यातायात व्यवस्था लागू की है। इन दिनों सुबह 10:15 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक कर्तव्यपथ और उसके आसपास के इलाकों में यातायात प्रतिबंध रहेंगे। यातायात पुलिस ने एडवाइजरी जारी कर लोगों से अपील की है कि वे इन मार्गों से बचें और वैकल्पिक रास्तों का उपयोग करें। रिहर्सल के दौरान कर्तव्यपथ से जुड़े प्रमुख चौराहों पर वाहनों की आवाजाही बंद रहेगी। इनमें कर्तव्यपथ-रफी मार्ग क्रासिंग, कर्तव्यपथ-जनपथ क्रासिंग, कर्तव्यपथ-मानसिंह रोड क्रासिंग और कर्तव्यपथ-सी-हेक्सागन शामिल हैं।

उत्तर से दक्षिण जाने वाले वाहन रिंग रोड (सराय काले खां-आइ.पी. फ्लाईओवर-राजघाट), लाजपत राय मार्ग-मथुरा रोड-भैरों रोड-रिंग रोड, अरबिंदो मार्ग-सफदरजंग रोड-कमाल अतातुर्क मार्ग-कौटिल्य मार्ग-सरदार पटेल मार्ग-मदर टेरेसा क्रिसेंट-आरएमएल-बाबा खड़क सिंह मार्ग का उपयोग कर सकते हैं। इसके अलावा पृथ्वीराज रोड-राजेश पायलट मार्ग-सुब्रमण्यम भारती मार्ग-मथुरा रोड-भैरों रोड-रिंग रोड भी वैकल्पिक रहेगा करे पूर्व से पश्चिम जाने वाले वाहन रिंग रोड-भैरों रोड-मथुरा रोड-सुब्रमण्यम भारती मार्ग-राजेश पायलट मार्ग-पृथ्वीराज रोड-सफदरजंग रोड-कमाल अतातुर्क मार्ग-पंचशील मार्ग-साइमन बोलिवर मार्ग-अपर रिज रोड/वंदे मातरम् मार्ग का प्रयोग कर सकते हैं। वहीं, रिंग रोड-आइएसबीटी-चांदगी राम अखाड़ा-माल रोड-आजादपुर-रिंग रोड भी खुला रहेगा। दक्षिण दिल्ली से कनॉट प्लेस या सेंट्रल सेक्रेटेरियट जाने वाले वाहन मदर टेरेसा क्रिसेंट-पार्क स्ट्रीट-मंदिर मार्ग/बाबा खड़क सिंह मार्ग या रिंग रोड-वंदे मातरम् मार्ग-लिंक रोड-पंचकुइयां रोड का उपयोग करें।

पंजाब के किसानों के लिए बड़ी खुशखबरी, बार्डर पर बेरोकटोक खेती का रास्ता होगा साफ- मान

नई दिल्ली।पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और पंजाब से संबंधित विभिन्न लंबित मुद्दों के जल्द और समयबद्ध समाधान के लिए विचार-विमर्श किया, जिनमें सीमावर्ती सुरक्षा प्रबंध, कृषि संकट, अंतरराज्यीय पानी संबंधी विवाद और केंद्र द्वारा ग्रामीण विकास फंड के बकाए की अदायगी में देरी शामिल है। इसके साथ ही सीमावर्ती सुरक्षा दीवार जीरो लाइन से काफी दूर होने के कारण किसानों को पेश मुश्किलों पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय सीमा और कंटीली तार के बीच पड़ने वाली कृषि योग्य भूमि के बड़े हिस्से पर चिंता व्यक्त की, जिसके कारण किसानों को अपने खेतों तक पहुंचने के लिए रोजाना इसे पार करना पड़ता है। पंजाब के मुख्यमंत्री ने प्रस्तावित बीज बिल 2025, अनसुलझे सतलुज यमुना लिंक (एस.वाई.एल) विवाद, एफ.सी.आई. द्वारा अनाज की धीमी ढुलाई, आढ़तिया कमीशन रोकने, ग्रामीण विकास फंड (आर.डी.एफ.) और मार्केट फीसों का भुगतान न करने और चंडीगढ़ प्रशासन में पंजाब की भूमिका को घटाने संबंधी पंजाब के एतराज उठाते हुए इन मुद्दों के तुरंत और समयबद्ध समाधान की मांग की।

प्रस्तावित बीज बिल 2025 पर गंभीर एतराज उठाते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, 'पंजाब एक कृषि प्रधान राज्य है और देश के अन्न भंडार में महत्वपूर्ण योगदान देता है, फिर भी बीज बिल का खाका संबंधित धारा तहत शेड्यूल अनुसार राज्य की प्रतिनिधित्व को सुनिश्चित नहीं बनाता। बिल में पेश किया गया जोन आधारित सिस्टम मौजूदा प्रणाली के विपरीत, केंद्रीय बीज समिति में पंजाब की प्रतिनिधित्व की गारंटी नहीं देता, जिससे बीज क्षेत्र को सीधे प्रभावित करने वाले फैसलों में राज्य की आवाज दबाई गई है।'

पंजाब के मुख्यमंत्री ने आगे कहा, 'प्रस्तावित बीज बिल में राज्य की मौजूदा शक्ति को घटा दिया गया है क्योंकि बीज रजिस्ट्रेशन में राज्य बीज समिति की कोई भूमिका नहीं है और खाके में उन किसानों के लिए एक मजबूत मुआवजा ढांचा सुनिश्चित बनाने के बारे में भी कोई बात नहीं की गई, जिन्हें रजिस्टर्ड बीज संबंधी दर्शाए नतीजे न मिलने के कारण नुकसान होता है।' मुख्यमंत्री ने आगे बताया कि विदेशों में टेस्ट की गईं और छोड़ी गईं बीज किस्मों को पंजाब और अन्य राज्यों में आयात व बिक्री के लिए राज्य के कृषि-जलवायु हालात तहत अनिवार्य स्थानीय टेस्टिंग के बिना अनुमति दी गई है, जिससे किसानों के लिए गंभीर जोखिम पैदा हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि कृषि पंजाब की रीढ़ की हड्डी है, जहां किसान फसलें उगाते हैं, उपज का कुछ हिस्सा बेचते हैं और अगले सीजन के लिए बीज संभालकर रखते हैं।

उन्होंने कहा कि किसानों को बीजों के लिए पूरी तरह कंपनियों पर निर्भर करने के लिए मजबूर करना न तो उचित है और न ही किसानों के हित में है। उन्होंने अपील की कि बिल को मौजूदा रूप में संसद के सामने नहीं लाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री ने समस्याओं की जांच का भरोसा दिया है।

नदियों के पानी के बारे में पंजाब के स्पष्ट स्टैंड को दोहराते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, 'पंजाब के पास किसी अन्य राज्य के साथ साझा करने के लिए कोई अतिरिक्त पानी नहीं है। सतलुज, रावी और ब्यास के पानी की उपलब्धता में काफी कमी आई है और इसलिए सतलज यमुना लिंक नहर का निर्माण व्यावहारिक नहीं है।' उन्होंने कहा कि इन नदियों के 34.34 एम.ए.एफ. पानी में से पंजाब को सिर्फ 14.22 एम.ए.एफ. आवंटित किया गया था, जो लगभग 40 प्रतिशत है और बाकी 60 प्रतिशत हरियाणा, दिल्ली और राजस्थान को आवंटित किया गया था। हालांकि इनमें से कोई भी नदी वास्तव में इन राज्यों से नहीं बहती। उन्होंने कहा कि यह पंजाब के साथ घोर अन्याय है और इस नहर को बनाने का कोई सवाल ही पैदा नहीं होता क्योंकि यह राज्य और इसके लोगों के हितों के पूरी तरह विरुद्ध है।' उन्होंने जोर देकर कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आगे पंजाब का स्टैंड स्पष्ट है कि किसी अन्य राज्य को देने के लिए अतिरिक्त पानी नहीं है। अनाज की ढुलाई और भंडारण की समस्या को उजागर करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, 'एफ.सी.आई. द्वारा पिछले पांच महीनों में राज्य से सिर्फ 4 से 5 लाख मीट्रिक टन गेहूं और 5 से 6 लाख मीट्रिक टन चावलों की ही ढुलाई की जा रही है। खरीफ मंडीकरण सीजन 2025-26 के 95 लाख मीट्रिक टन चावलों की डिलीवरी की जानी है लेकिन इस समय सिर्फ 20 लाख मीट्रिक टन जगह उपलब्ध है।' उन्होंने कहा कि खरीफ खरीद सीजन 2025-26 के कस्टम मिल्ड चावलों की समय पर डिलीवरी और 01.04.2026 से शुरू होने वाले रबी मंडीकरण सीजन (आर.एम.एस.) 2026-27 के दौरान गेहूं के भंडारण के लिए जगह की उचित उपलब्धता सुनिश्चित बनाने के लिए राज्य से कम से कम 20 लाख मीट्रिक टन अनाज (गेहूं और चावल के लिए 10-10 एल.एम.टी.) की मासिक ढुलाई करना जरूरी है। उन्होंने स्टॉक की ढुलाई के लिए विशेष रेल गाड़ियां चलाने की अपील करते हुए कहा कि पंजाब राष्ट्रीय पूल में लगभग 125 एल.एम.टी. गेहूं का योगदान देता है और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा के लिए उचित स्टोरेज जरूरी है। आढ़तिया कमीशन के मुद्दे पर बात करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, 'आढ़तिया कमीशन को 2019-20 के खरीद सीजन से पंजाब कृषि उत्पाद और मार्केटिंग एक्ट 1961 के उपबंधों के विपरीत फ्रीज किया गया है और इस समय गेहूं के लिए कमीशन 46 रुपए प्रति क्विंटल और धान के लिए 45.88 रुपए प्रति क्विंटल तक सीमित किया गया है।'

उन्होंने बताया कि साइलोज पर अनाज की खरीद के लिए आढ़तिया कमीशन घटाकर रेगुलर मंडियों के मुकाबले आधा कर दिया गया है और जनवरी 2024 में आढ़तिया कमीशन की संशोधन के लिए गठित कमेटी ने अभी तक कोई फैसला नहीं लिया है। उन्होंने कहा, 'आढ़तिए एजेंट नहीं हैं, वे जरूरी सेवाएं प्रदान करते हैं और उन्हें बनता हक मिलना चाहिए। कमीशन में संशोधन में हो रही देरी के कारण राज्य की निर्विघ्न खरीद प्रक्रिया में अड़ंगा पैदा हो सकता है और दरों को जल्द अंतिम रूप दिया जाना चाहिए।' ग्रामीण विकास फंड की अदायगी न होने का मुद्दा उठाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, 'संबंधित पंजाब एक्टों के तहत स्पष्ट कानूनी उपबंधों के बावजूद राज्य सरकार को आर.डी.एफ. की अदायगी नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि भले ही राज्य सरकार ने भारत सरकार की हिदायतों के तहत पंजाब ग्रामीण विकास एक्ट में संशोधन किया है लेकिन दुख की बात है कि खरीफ खरीद सीजन 2021-22 से आर.डी.एफ. की इजाजत नहीं दी गई है।' उन्होंने बताया कि आर.डी.एफ. के 9030.91 करोड़ रुपए और मार्केट फीस के 2267.83 करोड़ रुपए लंबित हैं। उन्होंने कहा कि बनता हिस्सा न मिलने के कारण ग्रामीण बुनियादी ढांचे के विकास पर बुरा प्रभाव पड़ा है। उन्होंने कहा कि 'आर.डी.एफ. कोई चैरिटी नहीं है। यह पंजाब का हक है और हम अपना हक मांग रहे हैं।' उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री ने उन्हें भरोसा दिया कि पहली किस्त जारी करने पर विचार के लिए जल्द मीटिंग बुलाई जाएगी।

प्रशासकीय चिंताओं पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने जोर देकर कहा कि केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ में पंजाब और हरियाणा के अधिकारियों के लंबे समय से चल रहे 60:40 अनुपात को बनाए रखना समय की जरूरत है।

दिल्ली की राजनीति में नया मोड़! आप नेता सोमनाथ भारती को हाई कोर्ट से झटका

नई दिल्ली । दिल्ली हाई कोर्ट ने आम आदमी पार्टी के नेता सोमनाथ भारती की याचिका खारिज कर दी है। इस याचिका में उन्होंने भाजपा विधायक सतीश उपाध्याय की मालवीय नगर सीट से 2025 विधानसभा चुनाव में हुई जीत को चुनौती दी थी। न्यायमूर्ति जसमीत सिंह की पीठ ने पर्याप्त सबूतों के अभाव में याचिका को खारिज करते हुए उपाध्याय की जीत को बरकरार रखा। दिल्ली हाई कोर्ट ने आम आदमी पार्टी (आप) नेता सोमनाथ भारती की याचिका खारिज कर दी है, जिसमें उन्होंने मालवीय नगर विधानसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक सतीश उपाध्याय की 2025 विधानसभा चुनाव में हुई जीत को चुनौती दी थी। न्यायमूर्ति जसमीत सिंह की एकल पीठ ने शुक्रवार को यह फैसला सुनाया, जिसमें याचिका को खारिज करते हुए सतीश उपाध्याय की जीत को बरकरार रखा गया है। विस्तृत आदेश बाद में जारी किया जाएगा। मालवीय नगर सीट पर फरवरी 2025 में हुए दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा के सतीश उपाध्याय ने आप के सोमनाथ भारती को हराया था। उपाध्याय ने कुल 39,564 मत हासिल कर जीत दर्ज की थी, जबकि भारती उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी थे। चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद मार्च 2025 में सोमनाथ भारती ने दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिका में उन्होंने जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा के तहत उपाध्याय पर भ्रष्ट आचरण का आरोप लगाया था। भारती का दावा था कि उपाध्याय ने नामांकन पत्र में अपने खिलाफ लंबित आपराधिक शिकायत या एफआईआर की जानकारी छिपाई थी, जो चुनावी प्रक्रिया में गंभीर उल्लंघन है। सुनवाई के दौरान उपाध्याय की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता राजीव नय्यर ने इन आरोपों का कड़ा विरोध किया। उन्होंने कोर्ट से पूछा कि यदि कोई एफआईआर लंबित है तो उसकी कॉपी या विवरण कहां है। न्यायमूर्ति जसमीत सिंह ने भारती से ठोस सबूत और एफआईआर की पुष्टि मांगी। कोर्ट ने कई बार भारती को स्पष्ट करने का मौका दिया कि आरोप कितने पुख्ता हैं। अप्रैल 2025 में सुनवाई के दौरान कोर्ट ने भारती पर सख्त टिप्पणी की थी कि यदि आरोप सिद्ध नहीं हुए तो झूठे हलफनामे के लिए परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। अंततः कोर्ट ने याचिका में पर्याप्त सबूत न होने के आधार पर इसे खारिज कर दिया।यह फैसला दिल्ली की राजनीति में महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि 2025 चुनावों में कई सीटों पर हारने वाले उम्मीदवारों ने चुनावी जीत को चुनौती दी थी।

एनसीसी कैडेट्स के जोश से गूंजा गणतंत्र दिवस शिविर सीएम रेखा रहीं मौजूद

नई दिल्ली । एनसीसी के गणतंत्र दिवस शिविर में कैडेट्स ने अनुशासन, राष्ट्रभक्ति और तकनीकी दक्षता दिखाई, साथ ही युवा आपदा मित्र और ड्रोन प्रशिक्षण से उन्हें सशक्त बनाया गया। राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के गणतंत्र दिवस शिविर में कैडेट्स का अनुशासन, संकल्प और राष्ट्रभक्ति का जज़्बा देखने लायक था। इस अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गार्ड ऑफ ऑनर, बैंड डिस्प्ले और हॉल ऑफ फ़ेम का अवलोकन किया। शिविर में युवाओं के लिए तैयार की गई विभिन्न गतिविधियों और नवाचारों ने एक प्रेरणादायक वातावरण तैयार किया। सीएम रेखा ने एक्स पर लिखा शिविर में विशेष रूप से युवा आपदा मित्र योजना और ड्रोन प्रशिक्षण जैसे कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। ये पहलें युवाओं को केवल भौतिक और शारीरिक रूप से ही नहीं बल्कि तकनीकी और मानसिक रूप से भी सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। उन्होंने कहा युवा आपदा मित्र योजना के तहत कैडेट्स को आपदा प्रबंधन और आपातकालीन मदद के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। वहीं, ड्रोन प्रशिक्षण आधुनिक तकनीक के क्षेत्र में युवाओं की दक्षता बढ़ाने और उन्हें डिजिटल युग के अनुरूप तैयार करने में सहायक है।

दिल्ली समेत कई शहरों को निशाना बना सकते हैं आतंकी

नई दिल्ली । गणतंत्र दिवस से पूर्व दिल्ली सहित कई भारतीय शहरों को उच्च सुरक्षा अलर्ट पर रखा गया है। खुफिया एजेंसियों ने खालिस्तानी और बांग्लादेश स्थित आतंकी संगठनों से संभावित खतरों की चेतावनी दी है। ये संगठन, विदेशों से संचालित होकर स्थानीय गैंगस्टरों के जरिए देश की आंतरिक सुरक्षा को अस्थिर करने का प्रयास कर रहे हैं। गणतंत्र दिवस से पहले, खालिस्तान और बांग्लादेश स्थित आतंकी संगठनों से संभावित खतरों की चेतावनी के मद्देनजर दिल्ली और देश भर के कई अन्य शहरों को अलर्ट पर रखा गया है। खुफिया एजेंसियों ने अलर्ट जारी किया है कि खालिस्तानी आतंकवादी संगठन और बांग्लादेश आतंकी संगठन गणतंत्र दिवस से पहले दिल्ली समेत देश के अन्य शहरों को निशाना बनाने की कोशिश कर सकते हैं। जानकारी के अनुसार, पंजाब स्थित गैंगस्टर धीरे-धीरे विदेशों से संचालित होने वाले खालिस्तानी और कट्टरपंथी संचालकों के साथ अपने संबंध बढ़ा रहे हैं, जो भारत में उनके मोहरे के रूप में काम कर रहे हैं। खुफिया जानकारी में कहा गया है कि भारत के बाहर से संचालित कट्टरपंथी सरगना भारत में अपराधियों का इस्तेमाल अपने नेटवर्क का विस्तार करने और आंतरिक सुरक्षा को अस्थिर करने के लिए कर रहे हैं। हरियाणा, दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में सक्रिय अपराधी धीरे-धीरे विदेशों में आतंकवादियों और कट्टरपंथी संगठनों के साथ अपना नेटवर्क बढ़ा रहे हैं।

आज भी नसबंदी को मर्दाना ताकत की कमजोरी मानते हैं दिल्ली के पुरुष

नई दिल्ली । दिल्ली में पुरुष नसबंदी को मर्दानगी की कमजोरी से जोड़ते हैं, जिसके कारण 2024-25 में कुल नसबंदी का केवल दो प्रतिशत पुरुषों द्वारा कराया गया। पिछले चार सालों से यही प्रवृत्ति बनी हुई है, जबकि यह महिलाओं की नसबंदी से सरल है। सरकारी प्रोत्साहन और जागरूकता अभियानों के बावजूद, सामाजिक सोच में बदलाव नहीं आया है। परिवार नियोजन को साझा जिम्मेदारी के रूप में देखना आवश्यक है। वर्ष 2024-25 के दौरान, राजधानी में कुल 14,543 नसबंदी की गईं, लेकिन इनमें से केवल 301 पुरुषों की नसबंदी थी। इसका मतलब है कि लगभग 98 प्रतिशत नसबंदी महिलाओं पर की गईं। यह स्थिति सिर्फ एक साल तक सीमित नहीं है; पिछले चार सालों से दिल्ली में यही ट्रेंड बना हुआ है, जहां पुरुषों की नसबंदी का हिस्सा कभी भी तीन प्रतिशत से ज्यादा नहीं हुआ है।

यमुना नदी पर तीन बड़े बांध प्रोजेक्ट को मिली रफ्तार

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने यमुना पर तीन बड़े बांध प्रोजेक्ट - लखवार, रेणुकाजी और किशाऊ - को पुनर्जीवित किया है। इनका उद्देश्य दिल्ली की 25 वर्षों की पानी की जरूरतों को पूरा करना और यमुना में जल प्रवाह सुधारना है। वर्तमान में दिल्ली 200 एमजीडी पानी की कमी का सामना कर रही है। इन परियोजनाओं से दिल्ली को कुल 782 एमजीडी अतिरिक्त पानी मिलेगा, जिससे राजधानी की दीर्घकालिक जल समस्या का समाधान होगा। कई दशकों से ठंडे बस्ते में पड़े यमुना और उसकी सहायक नदियों पर प्रस्तावित तीन बड़े बांध प्रोजेक्ट अब फिर से रफ्तार पकड़ने जा रहे हैं। केंद्र सरकार ने लखवार, रेणुकाजी और किशाऊ बांध परियोजनाओं की समीक्षा कर इन्हें पुनर्जीवित करने का फैसला लिया है।

आतिशी के वीडियो को लेकर सियासी घमासान

नई दिल्ली । इससे पहले पंजाब पुलिस की फोरेंसिक जांच में वीडियो से छेड़छाड़ की बात कही गयी थी। अब दिल्ली पुलिस की तरफ से आई रिपोर्ट ने इस मामले को और पेंचीदा बना दिया है। दिल्ली की सियासत में नेता प्रतिपक्ष आतिशी के वीडियो पर आम आदमी पार्टी और बीजेपी में आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए हैं। दिल्ली विधानसभा स्पीकर विजेंद्र गुप्ता ने प्रेस कांफ्रेसं में दिल्ली फोरेंसिक साइंस लैब रिपोर्ट के आधार पर दावा किया कि आतिशी के वीडियो से कोई छेड़छाड़ नहीं हुई है। वीडियो पूरी तरह असली है। वहीं इस पर आम आदमी पार्टी ने इसे आधा सच कहते हुए बीजेपी पर सिख-हिन्दू दंगे भड़काने का आरोप लगाया है। इससे पहले पंजाब पुलिस की फोरेंसिक जांच में वीडियो से छेड़छाड़ की बात कही गयी थी। अब दिल्ली पुलिस की तरफ से आई रिपोर्ट ने इस मामले को और पेंचीदा बना दिया है। सत्तारूढ़ बीजेपी और आप में तीखी बयानबाजी जारी है। विधानसभा स्पीकर विजेंद्र गुप्ता ने बताया कि विपक्ष की मांग पर वीडियो को फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया था। रिपोर्ट के मुताबिक वीडियो में कोई टेम्परिंग नहीं की गयी है। विजेंद्र गुप्ता ने कहा,इस फोरेंसिक रिपोर्ट से दूध का दूध और पानी का पानी हो गया। वीडियो बिल्कुल सही है, कोई छेड़छाड़ नहीं हुई। नेता विपक्ष उस दिन से सदन से भाग गई हैं। आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष ने विजेंद्र गुप्ता की प्रेस कांफ्रेंस पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा,खोदा पहाड़ निकली चुहिया, वो भी मरी हुई। बीजेपी किस तरह सोच सकती है, आप इनकी रग-रग से वाकिफ है। तीन दिन पहले ही मैंने बता दिया था कि उनकी रिपोर्ट में क्या आएगा, आधे सच का सहारा लिया जाएगा। सौरभ भारद्वाज ने दावा किया कि पंजाब पुलिस की फोरेंसिक रिपोर्ट ने साफ कहा कि गुरु शब्द का इस्तेमाल नहीं हुआ, और दिल्ली की रिपोर्ट ने भी वही बात घुमा-फिराकर कही है। भारद्वाज ने आरोप लगाया कि दिल्ली सरकार या केंद्र के अफसरों पर दबाव बनाकर रिपोर्ट लाई गई। रिपोर्ट में यह नहीं कहा गया कि गुरु शब्द बोला गया। क्या शब्द बोले गए आतिशी द्वारा? फोरेंसिक रिपोर्ट इस पर चुप है। बीजेपी आधे सच से अपनी इज्जत बचाने की कोशिश कर रही है।

दिल्ली आबकारी नीति घोटाले में मनीष सिसोदिया की दलील

नई दिल्ली । राऊज एवेन्यू कोर्ट में दिल्ली आबकारी नीति मामले में मनीष सिसोदिया की ओर से दलीलें पेश की गईं। बचाव पक्ष ने कहा कि विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट साझा करना कोई अपराध नहीं है, क्योंकि यह सार्वजनिक थी। उन्होंने तर्क दिया कि पुरानी नीति के समर्थक शराब विक्रेताओं की लॉबी नई नीति का विरोध कर रही थी। सिसोदिया के वकील ने 4600 में से केवल छह ईमेल के आधार पर नीति गठन के आरोप को निराधार बताया। अगली सुनवाई में अरविंद केजरीवाल पर दलीलें सुनी जाएंगी। राऊज एवेन्यू स्थित विशेष न्यायाधीश की अदालत में दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े सीबीआई मामले में पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की ओर से आरोप तय किए जाने के बिंदु पर दलीलें सुनी गईं।

चाकू गोदकर 21 साल के युवक की मौत

नई दिल्ली । दिल्ली के जैतपुर में सोशल मीडिया विवाद के बाद हुई चाकूबाजी में 21 वर्षीय युवक की मौत हो गई। इस घटना में दो लोग घायल हुए है। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जांच शुरू कर दी है। राजधानी दिल्ली के जैतपुर इलाके में गुरुवार 15 जनवरी देर रात चाकू गोदकर एक 21 साल के लड़के की हत्या कर दी गई। जबकि इस चाकूबाजी में दो युवक घायल गए। दरअसल 15 जनवरी की रात करीब 11:18 पुलिस को झगड़े की सूचना मिली। इस सूचना पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को पता चला कि झगड़ा दो पक्षों के निजी विवाद के चलते हुआ था।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी/84 भा.न.स.स.देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **राजू शर्मा** पुत्र श्री सुरेश, निवासी- गली नंबर 2, शेर पुर, खजूरी खास भजन पुरा, दिल्ली और ग्राम बरकतपुर थाना विटारी जिला. बुलन्दशहर, उत्तर प्रदेश ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 545/2019 दिनांक 21.11.2019 धारा 328/379/411/34 भा.द.स, थाना भारत नगर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है की किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह कह कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राजू शर्मा** मिल नहीं रहा और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है की उक्त अभियुक्त **राजू शर्मा** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इस लिए इस के द्वारा उद्घोषणा कि जाती है की उक्त अभियुक्त **राजू शर्मा, प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 545/2019 दिनांक 21.11.2019 धारा 328/379/411/34 भा.द.स, थाना भारत नगर, दिल्ली** न्यायालय के समक्ष या मेरे समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **17.02.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेश से
श्री राजिंदर कुमार
अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश
रोहिणी न्यायालय, दिल्ली

DP/688/NW/2026

NAME CHANGE
I, Ram Chander S/O Debi Ram R/O Flat No a-6/02 Ground Floor Category- Iii, Block a Cluster 4,pocket E, vasant Kunj South West Delhi Delhi - 110070, Have Changed My Name to Ramchander Khatana for All Future Purposes.

NAME CHANGE
I, Amit S/O Ramchander Khatana R/O Flat No a-6/02 Ground Floor Category- Iii, Block a Cluster 4,pocket E, vasant Kunj South West Delhi Delhi - 110070, Have Changed My Name to Amit Khatana for All Future Purposes.

NAME CHANGE
I hitherto known as Shasheebala W/o Nanakachand R/o Indragadhi 1, Dasna Dehat, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201302 have changed my name and shall hereafter be known as Shashikala Devi.

सार्वजनिक सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री जगदीश सिंह पुत्र लाल सिंह, निवासी मकान संख्या 35, करहैड़ा, मोहन नगर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश 201007, एक आवासीय प्लाट , क्षेत्रफल 60 वर्ग गज, खसरा संख्या 30घ, स्थित शिवम एंक्लेव, नेता कॉलोनी, ग्राम नूर नगर, परगना डासना, तहसील व जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, के मालिक व काबिज खतौनी फसली वर्ष 1421-1426 द्वारा मालिक व काबिज है। कथित संपत्ति भार मुक्त है, न किसी प्राधिकरण द्वारा अधिगृहित है न ही कोई मामला किसी न्यायालय मे लंबित है। वर्तमान में, मेरे मुविक्कल कथित सम्पत्ति को श्रीमती कुसुम पत्नी श्री मूलचंद को बेच रहे है जो आधार हाउसिंग फाइनेन्स लि0, शाखा निठारी, सेक्टर 31, नोएडा, गौतम बुद्ध नगर, उत्तरप्रदेश, के द्वारा फाइनेन्स किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त कथित सम्पत्ति के सबंध में कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरी या आधार हाउसिंग फाइनेन्स लि0 के समक्ष इस प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति उचित कागजात के साथ रखे / संपर्क करे, अन्यथा कथित सम्पत्ति के संबंध में दावा अवैध व व्यर्थ माना जायेगा।
रूपेश कुमार रौशन अधिवक्ता
डी-803, नन्दग्राम, गाजियाबाद, उ0 प्र0 201003
roushan.rupesh@gmail.com

NAME CHANGE
I, NO-15451703K Rank-SEP Name-HIMANSHU KUMAR residing at VPO-SAWAN, TEHSIL & DIST-NEEMUCH, MADHYA PRADESH-458441 have changed my minor daughter's name from NAVYA to NAVYA SHARMA for all future purposes vide affidavit dated 12/01/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, E SINDHUJA wife of No.-14653432K, Rank-HAV, Name-G ESAKKI MUTHU residing at 216, NAIDU, VILL-PADIKA SUVAITHAN PATTY, PO-VAITHILIGA PURAM, TEHSIL-SRIVILLIPUTUR, DIST-VIRUDHU NAGAR, TAMIL NADU-616225, have changed my name from E SINDHUJA to SINDHUJA M for all future purposes vide Affidavit dated 17/01/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Abhishek Raj S/o Sh. Ashok Rajput R/o Bus Stop, Janki Nagar, P.O. Bus Station, Distt: Gonda, Uttar Pradesh, presently at Delhi declare That my name and date of birth wrongly mentioned as "Name: Deepak" and "DOB: 01/11/2004" instead of "Name: Abhishek Raj" and "01/11/2006" in Aadhaar Card No.3164 2226 3097. That my correct and exact name in Abhishek Raj and my correct and exact date of birth is 01.11.2006.

NAME CHANGE
I, ROHIT KUMAR S/O BALBIR SINGH residing at H NO-1601/1 GALI NO-45, B-BLOCK, SANT NAGAR, BURARI, DELHI-110084 . have changed my name to ROHIT SINGH for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Mohd Usman Ansari S/o Abbas Karim R/o B-1910, 1st Floor, Near Lalita Block, Shastri Nagar, Ashok Vihar, Delhi-110052, have changed my name to Mohd Usman for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Salima w/o Mohd Usman R/o B-1910, 1st Floor, Near Lalita Block, Shastri Nagar, Ashok Vihar, Delhi-110052, have changed my name to Salima Khatun for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Km Misva Khanam w/o Firoz Khan R/o O-44, Chankaya Place Part-2, Uttam Nagar, West Delhi, Delhi-110059 have changed my name to Misba Khanam for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Saddam Husain S/o Mohd Karim R/o H No.96 A-Block, Gali No-1, Sita Puri Part-2, Palam Village, Delhi-110045 have changed my name to Saddam Hussain for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Abdul Kareem S/o Mohd Rafiq R/o H No.96 A-Block, Gali No-1, Sita Puri Part-2, Palam Village, Delhi-110045 have changed my name to Mohd Karim for all future purposes

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD DANISH S/O ABDUL MAJID R/O HOUSE NO. R-245, GALI NO. 11, RAMESH PARK, LAXMI NAGAR, DELHI - 110092, HAVE CHANGED MY NAME TO MOHD DANISH.

NAME CHANGE
It is for general information that I, DINESH SINGH S/o VIJAY SINGH R/o PLOT NO-76A, HOUSE NO-76A, GROUND FLOOR, KHASRA NO-50/3, GALI NO-41, GOPAL NAGAR, SARASWATI ENCLAVE, NAJAFGARH, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110043, declare that name of my mother has been wrongly written as VEERA DEVI, in my Secondary School Marksheet, Provisional Certificate & Migration-cum-Transfer Certificate and Senior School Marksheet, Provisional Certificate & Migration-cum-Transfer Certificate. The actual name of my mother is BIRA DEVI, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I, SWATI MAHERCHANDANI D/o RAMESH CHANDER MAHERCHANDANI, FLAT NO. 804, TECHNOLOGY APARTMENT, PLOT NO.24, I.P EXTENSION, PATPARGANJ, DELHI 110092 declare that name of my father has been wrongly written as RAMESH CHANDER in my class 10th and 12th educational documents. The correct name of my father is RAMESH CHANDER MAHERCHANDANI, which may be amended accordingly.
It is Certified that I have complied with other legal requirements in this connection.
SWATI MAHERCHANDANI

NAME CHANGE
I, No-15783287X Rank-SEP Name-RAJPUT NARENDRASINH HANUMANSINH Father of PUNIT SINGH Presently residing at BLOCK-G-103, BALAJI ENCLAVE, OPP SHREE RAM VATICA, NAVA NARODA, AHMADABAD CITY, PO-NARODA 1 E, DIST-AHMADABAD, GUJARAT-382330, have changed my minor son's name from PUNIT SINGH to RAJPUT PUNIT SINGH NARENDRASINH for all future purposes vide Affidavit dated 17/01/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I Manjula Rani W/o Paramjit Singh R/o HOUSE NO-209 AVTAR ENCLAVE Paschim Vihar SO West Delhi Delhi-110063 have changed my name to Manjula for All future purposes.

NAME CHANGE
I, No-15783287X Rank-SEP Name-RAJPUT NARENDRASINH HANUMANSINH Father of CHIRAG SINGH Presently residing at BLOCK-G-103, BALAJI ENCLAVE, OPP SHREE RAM VATICA, NAVA NARODA, AHMADABAD CITY, PO-NARODA 1 E, DIST-AHMADABAD, GUJARAT-382330, have changed my minor son's name from CHIRAG SINGH to CHIRAG SINGH NARENDRASINH RAJPUT for all future purposes vide Affidavit dated 17/01/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, MANISHA wife of No.-15694313Y, Rank-HAV, Name-PRADEEP KUMAR SHUKLA residing at VILL-PURALI, PO-DHERAHNA, TEHSIL & DIST-PRATAPGARH, UTTAR PRADESH-230002, have changed my name from MANISHA to MANISHA SHUKLA for all future purposes vide Affidavit dated 17/01/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, RAM CHANDAR SETH S/O Bhagauti Prasad Seth R/o Flat No.2601, Florentia Tower-2, Mahagun Mirabella, Sec-79, Noida, Gautam Budh Nagar, Uttar Pradesh -201305, Have changed my name to RAM CHANDRA VERMA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, HAZI NAUSHAD ALI SON OF MOHAMMAD ALI R/O C-12/8, C-12 BLOCK, YAMUNA VIHAR, NORTH EAST, DELHI-110053 HAVE CHANGED MY NAME NAUSHAD ALI FOR ALL FUTURE PURPOSEV

NAME CHANGE
I, Sanjay Kumar Ahuja S/O Chhagan Lal Ahuja R/O Flat No-18 DDA SFS, Pocket-1,Sector-9, Dwarka, PO- Raj Nagar-II, South West Delhi-110077, Have Changed My Name to Sanjay Ahuja for All Future Purposes.

NAME CHANGE
I hitherto known as Arun Kaveri V S/o K Velu R/o A-6 Type-V Hudco Place Andrews Ganj, Delhi, Andrewsganj S.O, South Delhi, Delhi-110049 have changed my name and shall hereafter be known as Arun Vel.

NAME CHANGE
It is for general information that I, Sonal Bhogal D/o Surjeet Kumar Bhogal R/o 317-B, Street No-4, Govindpuri, Kalkaji, Kalkaji, South-East, NCT Of Delhi-110019 declare that name of my father has been wrongly written as S K Bhogal in my 10th and 12th Class Educational Documents. The actual name of my father is Surjeet Kumar Bhogal.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Sneha D/O: Ranjeet Sharma, R/O H.No -2693, Street No-1, Chhuriya Mohalla Tughalakabad Village, Jait Pur, PO: Jaitpur, DIST: South Delhi, Delhi-110044, declare that name of my mother and my father has been wrongly written as Sarita devi and Ranjit Sharma in my 10th and 12th class educational documents. The actual name of my mother and my father are Sangeeta Sharma and Ranjeet Sharma , respectively which may be amended accordingly.

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

नए-नए फैसलों से जनता की जेब पर डाका डाल रही सरकार : सुरजेवाला

एजेंसी

चंडीगढ़। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं राज्य सभा सांसद रणदीप सुरजेवाला ने हरियाणा सरकार द्वारा ईडीसी बढ़ाए जाने को आम आदमी की जेब पर बोझ बढ़ाने वाला करार दिया। चंडीगढ़ में जारी बयान में सुरजेवाला ने कहा कि पहले सरकार की तरफ से कलेक्टर रेट बढ़ाए गए। अब ईडीसी में दस प्रतिशत तक की बढ़ोतरी करके आम लोगों के घर लेने के सपने को तोड़ दिया है। सुरजेवाला ने कहा कि हरियाणा में अब घर खरीदना हैसियत का इम्तिहान बन गया है। सरकार कहती है कि ईडीसी बिल्डर द्वारा दिया जाता है, जबकि सच्चाई यह है कि यह बिल बिल्डर का नहीं, उपभोक्ता के नाम पर फाड़ा जाता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में एक के बाद एक झटके दिए जा रहे हैं। पहले कलेक्टर रेट बढ़ाए, फिर बिजली के दरें बढ़ाई, फिर स्टांप ड्यूटी का झटका दिया और अब ईडीसी की मार मारी जा रही है। सुरजेवाला ने कहा कि सरकार बताए कि शहरों में बुनियादी ढांचा विकास के नाम पर क्या सुविधा दी गई है। धरातल और सरकार की फाइलों में यह सुविधाएं अलग-अलग हैं। उन्होंने आगे कहा कि सरकार का खजाना खाली है और कर्ज लगातार बढ़ रहा है। अपनी नाकामी को छिपाने के लिए सरकार द्वारा जनता की जेब पर बोझ डाला जा रहा है। कांग्रेस पार्टी इसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेगी।

पलवल को मिली नई सड़क की सौगात, खेल राज्य मंत्री ने किया शिलान्यास

पलवल। हरियाणा सरकार में खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने पलवल के ईश्वर नगर से किठवाड़ी पुल तक बनने वाली लैंटर रोड़ के शिलान्यास कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करते हुए विधिवत पूजा-अर्चना कर नारियल फोड़कर सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ किया और क्षेत्रवासियों को विकास की सौगात दी। इस रोड के निर्माण पर 91 लाख रुपए की लागत आएगी। खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि वे लाइन पार के इलाके में सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए कृतसंकल्प हैं। उन्होंने कहा कि ईश्वर नगर से किठवाड़ी पुल तक आरएमसी सड़क के निर्माण से क्षेत्र की यातायात व्यवस्था सुदृढ़ होगी और लोगों को आवागमन में होने वाली परेशानियों से राहत मिलेगी। लंबे समय से इस सड़क की मांग की जा रही थी, जिसे अब सरकार ने प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया है। उन्होंने बताया कि आरएमसी तकनीक से बनी सड़क अधिक मजबूत, टिकाऊ और लंबे समय तक चलने वाली होगी, जिससे बार-बार मरम्मत की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। खेल राज्य मंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। शहरों और गांवों में आधारभूत ढांचे को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

कैथल पुलिस को एक साल में चालान से मिले चार करोड़

कैथल। वर्ष 2025 में कैथल ट्रैफिक पुलिस ने यातायात नियमों की अनदेखी करने वालों पर न सिर्फ सख्ती दिखाई, बल्कि चालानों के माध्यम से पुलिस को करीब चार करोड़ दस लाख 31 हजार 550 रुपये की कमाई भी हुई। जिले में नियम तोड़ने वालों के खिलाफ यह अभियान एसपी उपासना के निर्देशों पर लगातार चलाया गया। पुलिस प्रवक्ता प्रवीण श्योकंद ने शुक्रवार बताया कि ट्रैफिक एसएचओ इंस्पेक्टर सतपाल की अगुवाई में गठित टीमों ने पूरे वर्ष में कुल 69,746 चालान काटे। इनमें बिना हेलमेट 14,683, रोंग साइड ड्राइविंग के 14,492, ओवर स्पीड के 4,610, बिना सीट बेल्ट 3,903, शराब पीकर वाहन चलाने के 605, मोबाइल पर बात करते हुए ड्राइविंग के 294, वाहन पर ब्लैक फिल्म के 62 और लाइन चेंज के 3,585 चालान शामिल हैं। इसके अलावा खतरनाक तरीके से लेन बदलने पर 10 मुकदमे भी दर्ज किए गए। प्रवक्ता ने बताया कि मॉडिफाइड साइलेंसर वाली बुलेट बाइक पर भी पुलिस की खास नजर रही। सड़क पर पटाखे जैसी आवाज निकालकर दहशत फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए वर्ष 2025 में 303 बुलेट बाइकों के चालान किए गए, जिससे ऐसे मामलों में काफी कमी आई और आमजन ने राहत महसूस की। एसपी उपासना ने कहा कि पुलिस का उद्देश्य केवल चालान काटना नहीं, बल्कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाकर लोगों की जान बचाना है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2025 में ट्रैफिक नियमों की अनदेखी करने वालों पर सख्ती बरती गई और आगे भी किसी प्रकार की नरमी नहीं बरती जाएगी।

पेंट से भरे कैंटर में लगी आग, लाखों का नुकसान

पानीपत। पानीपत की तहसील समालखा में जीटी रोड पर शुक्रवार सुबह इनामल पेंट के डिब्बों से भरे एक कैंटर में अचानक आग लग गई। जिसके कारण कैंटर में लोड़ पेंट के डिब्बों ने भी आग पकड़ ली आग की लपटे दूर तक फैल गई। कैंटर चालक ने कूदकर अपनी जान बचाई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम व ट्रैफिक पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति पर काबू पाया। कैंटर चालक शीलू ने बताया कि वह फरीदाबाद के होडल से पेंट का सामान लेकर करनाल जा रहा था। समालखा जीटी रोड पर मनंत ढाबे के पास पहुंचते ही गाड़ी से धुआं निकलने लगा और देखते ही देखते आग भड़क उठी। शीलू ने तुरंत ब्रेक लगाकर गाड़ी से कूदकर अपनी जान बचाई और पुलिस को सूचित किया। आग इतनी तेजी से फैली कि पेंट के डिब्बे फटने लगे, जिससे आग की लपटों ने विकराल रूप ले लिया। फायर ब्रिगेड ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक कैंटर पूरी तरह जल चुका था। जीटी रोड ट्रैफिक इंचार्ज राकेश कुंडू ने बताया कि उन्हें सुबह आगजनी की सूचना मिली थी। टीम तुरंत मौके पर पहुंची ।

हरियाणा विधान सभा में शुरू हुआ 'हरियाणा युवा संवाद' का दूसरा संस्करण

विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने किया कार्यक्रम का शुभारंभ

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधान सभा में दो दिवसीय 'हरियाणा युवा संवाद' का दूसरा संस्करण शुरू हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने किया। कार्यक्रम में 13 राज्यों से 65 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं।विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भारत ने लंबे समय तक गुलामी के कठिन दौर को झेला है, जिसके दौरान हमारी समृद्ध संस्कृति और मूल्यों को भी नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया गया। इसके बावजूद भारत आज विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि यहां अलग-अलग भाषाएं, परंपराएं और संस्कृतियां हैं, लेकिन इन सबके बीच एक साझा लक्ष्य है। कल्याण ने

युवाओं को कहा कि आज वे उसी विधान सभा भवन में बैठे हैं, जहां से प्रदेश के अनेक दिग्गज विधायकों और नेताओं ने कानून निर्माण से लेकर हरियाणा के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में विचारों की विविधता स्वाभाविक है, लेकिन युवाओं को चाहिए कि वे सकारात्मक सोच के साथ समाधान की दिशा में आगे बढ़ें, ताकि समाज और देश को नई दिशा मिल सके। विधान सभा अध्यक्ष ने कहा कि यदि देश को आगे बढ़ाना है तो महिलाओं को सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक रूप से मजबूत करना अनिवार्य है। दिल्ली में आयोजित कॉमनवेल्थ पार्लियामेंट के अपने अनुभव साझा करते हुए हरविन्द्र कल्याण ने बताया कि वहां कई देशों के स्पीकर इस बात से हैरान थे कि भारत सैकड़ों भाषाओं, रीति-रिवाजों और सांस्कृतिक विविधताओं के बावजूद इतनी मजबूती से आगे बढ़ रहा है।

कार्यक्रम में विधायक पूजा चौधरी, हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष के सलाहकार राम नारायण यादव, हरियाणा युवा संवाद के सह-संस्थापक जय सैनी और ईशा कपूर ने भी युवाओं को संबोधित करते हुए स्वाधीनता आंदोलन, संविधान सभा के अनुभव, लोकतांत्रिक मूल्यों, नेतृत्व क्षमता और युवाओं की भूमिका पर विचार रखे। कार्यक्रम के दूसरे चरण में प्रश्नकाल आयोजित किया गया। इसके बाद दो विशेष सत्र संपन्न हुए। पहले सत्र में 'हरियाणा का सतत विकासःऔद्योगिक विस्तार पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों का संतुलित उपयोग' विषय पर गहन चर्चा हुई।

पलवल के मुख्य बाजार में सिंगल यूज प्लास्टिक पर सात दुकानदारों को जुर्माना

एजेंसी

पलवल। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और नगर परिषद की संयुक्त टीम ने पलवल शहर के मुख्य बाजार में सिंगल यूज प्लास्टिक का भंडारण व उपयोग करने वाले दुकानदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की। हरियाणा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की टीम ने सात दुकानदारों पर 14 हजार रुपये का जुर्माना लगाया और भविष्य में सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग न करने की हिदायत दी। कार्रवाई के दौरान दुकानों की गहन जांच की गई तथा पॉलीथिन सहित अन्य प्रतिबंधित प्लास्टिक सामग्री जब्त की गई। क्षेत्रीय अधिकारी सिद्धार्थ भार्गव ने बताया कि पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए सिंगल यूज प्लास्टिक पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाया गया है। इसके बावजूद कुछ दुकानदार नियमों की अनदेखी कर रहे थे, जिस पर यह कार्रवाई की गई। उन्होंने कहा कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और नगर परिषद की यह संयुक्त मुहिम आगे भी लगातार जारी रहेगी ताकि शहर को प्लास्टिक मुक्त बनाया जा सके। अधिकारियों ने बताया कि सिंगल यूज प्लास्टिक न केवल पर्यावरण के लिए घातक है, बल्कि इससे मानव स्वास्थ्य पर भी गंभीर प्रभाव पड़ता है। प्लास्टिक से निकलने वाले सूक्ष्म कण मिट्टी, जल और वायु को प्रदूषित करते हैं, जिससे विभिन्न प्रकार की बीमारियां फैलने का खतरा बढ़ जाता है। इसी कारण सर्वोच्च न्यायालय और सरकार ने प्लास्टिक के उपयोग पर सख्त प्रतिबंध लागू किया है।

एचपीएससी ने ट्रेजरी अफसरों का भर्ती परिणाम लिया वापस

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा लोक सेवा आयोग (एचपीएससी) ने ट्रेजरी अफसर और असिस्टेंट ट्रेजरी अफसर भर्ती परीक्षा का बीते 19 नवंबर को जारी परिणाम वापस ले लिया है। आयोग ने यह कार्रवाई उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद की। इससे पहले जनवरी माह में प्रस्तावित मुख्य परीक्षाओं को भी स्थगित कर दिया गया था। परिणाम वापस लिए जाने के बाद 927 अभ्यर्थियों में अनिश्चितता बढ़ गई है। एचपीएससी ने वर्ष 2023 में ट्रेजरी अफसर के 5 और असिस्टेंट ट्रेजरी अफसर के 30 पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए थे। आवेदन की अंतिम तिथि 28 अप्रैल 2023 तय की गई थी। परिणाम के अनुसार ट्रेजरी अफसर के 5 पदों के लिए 83 और असिस्टेंट ट्रेजरी अफसर के 30 पदों के लिए 843 अभ्यर्थी प्री एग्जाम में योग्य घोषित किए गए थे। अब इन अभ्यर्थियों को मुख्य परीक्षा के नए नोटिफिकेशन का इंतजार है। एचपीएससी की तरफ से जारी अधिसूचना के अनुसार 2 नवंबर को आयोजित परीक्षा का परिणाम 19 नवंबर को घोषित किया गया था। अब उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन में आयोग ने यह परिणाम वापस लिया है। इस संबंध में आगामी आदेश जल्द जारी किए जाएंगे।

विकसित भारत जी राम जी कानून से ग्रामीण रोजगार को नई गतिः डॉ अरविंद शर्मा

एजेंसी

सोनीपत। सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत एवं पर्यटन मंत्री डा. अरविंद शर्मा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी आमजन को भ्रमित करने की राजनीति कर रही है, लेकिन देश और विभिन्न प्रदेशों की जनता बार-बार उसके झूठ को नकार चुकी है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत जी राम जी कानून ग्रामीण रोजगार व्यवस्था में पारदर्शिता लाने के साथ-साथ श्रमिकों के जीवन में खुशहाली का माध्यम बनेगा। गोहाना क्षेत्र के गांव हुल्लाहेडी में आयोजित विकसित भारत जी राम जी सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे डा. अरविंद शर्मा ने श्रमिकों, मेट और ग्रामीणों से संवाद किया। उन्होंने बताया कि अब श्रमिकों को 100 दिन के बजाय 125 दिन के रोजगार की गारंटी मिलेगी और मेहनताना 15 दिन के

स्थान पर 7 दिन के भीतर सीधे खाते में पहुंचेगा। इसके साथ ही जल संरक्षण, ढांचागत विकास, आजीविका आधारित कार्यों और आपदा प्रबंधन से जुड़ी परियोजनाओं को भी योजना के दायरे में शामिल किया गया है। रबी और खरीफ सीजन में कृषि कार्यों के दौरान अधिकतम 60 दिन तक अतिरिक्त विराम की व्यवस्था से किसानों को श्रमिकों की उपलब्धता सुनिश्चित होगी और श्रमिकों को अतिरिक्त रोजगार मिलेगा। डा. अरविंद शर्मा ने कहा कि हरियाणा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने गांव हुल्लाहेडी में एक करोड़ 59 लाख रुपये की लागत से आधा दर्जन विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया, जिनमें एससी चौपाल, प्रजापत चौपाल, मालिएवाले तालाब का गौघाट, चारदीवारी और विभिन्न रास्तों का निर्माण शामिल है। इस अवसर पर गोहाना भाजपा जिलाध्यक्ष बिजेन्द्र मलिक, एसडीएम सोनीपत सुभाष चंद्र, सोनीपत सहकारी चीनी मिल के निदेशक संजय कुमार, खंड पंचायत एवं विकास अधिकारी अंकुश, सरपंच पूजा देवी, विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

हाईवे अंडरपास विवाद पर कृषि मंत्री ने की किसानों से बैठक

एजेंसी

यमुनानगर। यमुनानगर में राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़े अंडरपास और ग्रामीण संपर्क मार्ग के मुद्दे पर पिछले छह महीनों से जारी किसान आंदोलन को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। जिला सचिवालय में हुई इस बैठक की अध्यक्षता हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने की।

बैठक में नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया के वरिष्ठ अधिकारी और जिला उपायुक्त भी मौजूद रहे। बैठक के दौरान सभागार को मीडिया के लिए पूरी तरह प्रतिबंधित रखा गया और चर्चा बंद कमरे में हुई। बैठक समाप्त होने के बाद कृषि मंत्री और किसान यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष रतन मान ने जानकारी साझा की। किसान नेताओं ने बताया कि लंबे संवाद के बाद यह स्पष्ट हुआ है कि हाईवे निर्माण के दौरान ग्रामीणों के परंपरागत मार्ग को

बंद करने में प्रक्रियागत चूक हुई है, जिसे अब स्वयं एनएच अथॉरिटी के अधिकारियों ने भी स्वीकार किया है। हालांकि, अधिकारियों ने यह भी कहा कि वे इस विषय में स्वतंत्र रूप से निर्णय लेने की स्थिति में नहीं हैं। रतन मान ने कहा कि बैठक की पूरी कार्यवाही को लिखित रूप में संकलित कर मुख्यमंत्री को भेजा जाएगा, ताकि उच्च स्तर पर अंतिम निर्णय लिया जा सके। उन्होंने जोर दिया कि किसानों की मांग न्यायसंगत है और जब तक रास्ते की बहाली सुनिश्चित नहीं होती, तब तक प्रभावित क्षेत्र में निर्माण कार्य आगे नहीं बढ़ने दिया जाएगा। कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने बताया कि अंडरपास और संपर्क मार्ग को लेकर तकनीकी व प्रशासनिक अड़चनें सामने आ रही हैं, जिन पर राज्य सरकार गंभीरता से विचार कर रही है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री से इस मुद्दे पर पहले ही चर्चा हो चुकी है और संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समन्वय कर किसानों की समस्या का व्यवहारिक समाधान निकालने का प्रयास किया जाएगा।

हरियाणा में पुलिस भर्ती के लिए एक लाख 37 हजार युवकों ने कराया पंजीकरण

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा की जा रही कांस्टेबल के 5500 पदों पर भर्तियों के लिए आवेदन प्रक्रिया जोरों पर है। अभी तक सवा लाख से अधिक युवाओं ने अपना पंजीकरण करवा लिया है। हरियाणा सरकार ने हाल ही में पुलिस सिपाही भर्ती निकाली है। हरियाणा स्टाफ सिलेक्शन कमीशन ने 5500 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है। इससे पहले 5061 पदों पर सबसे बड़ी भर्ती हुई थी। इसमें 4500 पुरुष कांस्टेबल और 600 महिला कांस्टेबलों भर्ती किए जाएंगे। वहीं, इनके साथ जीआरपी के लिए 400 मेल कांस्टेबल के पद रिजर्व रखे गए हैं। भर्ती के लिए 11 जनवरी से ऑनलाइन आवेदन शुरू हो चुके हैं। 25 जनवरी 2026 रात 11:59 तक वे अपना आवेदन ऑनलाइन जमा कर सकते हैं।

आयोग के चेयरमैन हिम्मत सिंह ने चंडीगढ़ में जारी एक जानकारी में बताया कि अब तक कुल एक लाख 37 हजार 533 अभ्यर्थियों ने अपना पंजीकरण करवाया है, जिसमें से 78 हजार 924 युवा अपना फार्म फाइनल सबमिट करवा चुके हैं।

आयोग की तरफ से अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए 1800-572-8997 हेल्पलाइन नंबर शुरू किया है। वर्तमान में यहां आने वाली कॉल की संख्या भी अब लगातार कम होती जा रही है। उन्होंने पंजीकरण करवाने वाले अभ्यर्थियों से आह्वान किया कि वह अंतिम तिथि का इंतजार किए बगैर जल्द से जल्द फार्म भरें ताकि साइट के संबंध में आने वाली किसी भी दिक्कत से बचा जा सके।

जिले के मुख्य सड़क मार्गों का होगा सेफ्टी ऑडिट

एजेंसी

झज्जर। जिला झज्जर में मुख्य सड़क मार्गों का सेफ्टी ऑडिट करवाया जाएगा। यह जानकारी यहां हुई जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में दी गई। इस मौके पर उपायुक्त स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने प्रशासन व पुलिस के संबंधित अधिकारियों को जिला की तमाम सड़कों का सेफ्टी ऑडिट करने के आदेश दिए। उन्होंने इसके लिए अधिकारियों को 15 दिन का समय दिया है। डीसी ने कहा कि सभी संबंधित विभाग जिला की मुख्य सड़कों का सुरक्षा ऑडिट कराकर अगली बैठक में रिपोर्ट प्रस्तुत करें ताकि योजनाबद्ध तरीके से जरूरी उपाय किए जा सकें। इसके अतिरिक्त अगले 15 दिनों में 41 स्थानों, जहां पर सड़क दुर्घटना हुई हैं और 33 स्थान जो सड़क दुर्घटना संभावित माने गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इन सभी स्थानों पर सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए क्या-क्या उपाय किए जा सकते हैं। हर स्थान की अलग-अलग रिपोर्ट दें। प्रशासन का लक्ष्य जीरो सड़क दुर्घटना का होना चाहिए। सड़क दुर्घटना में किसी भी नागरिक की असामायिक मौत सभी के लिए पीड़ादायक होती है। उन्होंने कहा कि सर्दी का मौसम है धुंध और कोहरे के कारण दृश्यता कम होती है । यातायात नियमों की अनुपालना करवाने की जिम्मेदारी बढ़ जाती है।

सड़कों पर रोड मार्किंग, कैट्स आई, रिफ्लेक्टर, साइन बोर्ड और चेतावनी संकेतक होने चाहिए। उन्होंने कहा कोहरे के मौसम से पहले भी निर्देश दिए गए थे। सभी मुख्य सड़कों पर लाइटिंग और सेफ्टी डिवाइस की व्यवस्था पूरी हो जानी चाहिए। किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। डीसी ने पुलिस विभाग को निर्देश दिए कि ओवरस्पीड, मोबाइल फोन का प्रयोग, ड्रंकन ड्राइविंग, हेलमेट व सीट बेल्ट का उपयोग न करने जैसे नियमों के उल्लंघन पर सख्ती से चालान किए जाएं। उन्होंने कहा कि जुर्माने के साथ-साथ चालकों को सड़क सुरक्षा के प्रति संवेदनशील बनाना भी जरूरी है। एडीसी ने स्पष्ट किया कि सड़क सुरक्षा प्रशासन के लिए शीर्ष प्राथमिकता है। इस मौके पर डीसीपी जसलीन कौर, एसडीएम अंकित कुमार चौकसे, बहादुरगढ़ के एसडीएम अभिनव सिवाच, बादली के एसडीएम रमन गुप्ता, डीईओ रतिंद्र सिंह, एसीपी अखिल कुमार, डीडीपीओ निशा तंवर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

ढाबा संचालक सीसीटीवी रिकॉर्डिंग 30 दिन तक सुरक्षित रखेंः एसीपी

एजेंसी

सोनीपत। सोनीपत पुलिस ने ढाबा संचालकों, टैक्सी स्टैंड मालिकों तथा गाड़ियों की खरीदो-फरोख्त करने वालों को अपने सीसीटीवी की रिकार्डिंग एक माह तक संरक्षित रखने के निर्देश दिए हैं। सहायक पुलिस आयुक्त अमित धनखड़ ने यहां आयोजित बैठक में होटल व ढाबा संचालक, टैक्सी चालक तथा वाहन खरीद-बिक्री करने वाले व्यापारियों को यह निर्देश जारी किए।सहायक पुलिस आयुक्त ने कहा कि होटल और ढाबों में ठहरने वाले प्रत्येक व्यक्ति का पहचान पत्र जांचना अनिवार्य है। पहचान पत्र का विवरण रजिस्टर या निर्धारित पोर्टल पर दर्ज किया जाए। बिना पहचान पत्र के किसी व्यक्ति को ठहराना कानूनन अपराध है। इस संबंध में लापरवाही पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधिकी सूचना तुरंत पुलिस को देने के निर्देश दिए गए।

टैक्सी संचालन और वाहन खरीद-बिक्री को लेकर सतर्कता बरतने पर भी जोर दिया गया। टैक्सी चालकों से कहा गया कि अज्ञात सवारियों को लंबी दूरी पर ले जाने से पहले थाना या संबंधित चौकीमें जानकारी साझा करें। गाड़ी खरीद-बिक्री करने वाले कारोबारियों को निर्देश दिए गए कि

बिना वैध दस्तावेजों के किसी भी वाहन का सौदा न करें, क्योंकि चोरी के वाहन अक्सर आपराधिक गतिविधियों में उपयोग किए जाते हैं। अंत में पुलिस-जन सहयोग से सोनीपत को सुरक्षित रखने की अपील की गई। उपस्थित व्यापारियों ने पुलिस को सहयोग देने का आश्वासन दिया।

जींद में हाइड्रोजन ट्रेन ट्रायल से पहले रेलवे ने तेज की तैयारियां, पीसीएमई ने किया निरीक्षण

-टीम ने कर्मचारियों से आरओ सिस्टम के वर्किंग के बारे में जानकारी ली

एजेंसी

जींद। जींद के हाइड्रोजन प्लांट में खड़ी देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन के ट्रायल को लेकर रेलवे कोई कोर कसर नही छोड़ रहा है। रेलवे का प्रयास है कि ट्रायल से पहले हाइड्रोजन ट्रेन की सभी खामियों को दूर किया जाए। तसल्ली होने पर ही हाइड्रोजन ट्रेन को पटरी पर लाकर ट्रायल किया जाए।

दिल्ली से प्रिसिंपल चीफ मैकेनिकल इंजीनियर (पीसीएमई) डिंपी गर्ग सहित अन्य अधिकारी हाइड्रोजन प्लांट में पहुंचे। टीम ने आरओ प्लांट के साथ इलेक्ट्रोलाइजर के बारे में जानकारी ली। इलेक्ट्रोलाइजर में गैस बनती है, उसके लिए दो पंप लगाए गए हैं। अगर किसी कारण के पंप बंद हो जाए तो दूसरा पंप सुचारू रूप से चलता रहे और पानी की सप्लाई में कोई दिक्कत नहीं आए। इसके अलावा गैस को इंजन के अंदर से निकाला जा रहा है। इसके बाद दोबारा से टेस्टिंग शुरू होगी। निरीक्षण के दौरान सीपीएमई ने कहा कि आरओ के पानी को पौधों की सिंचाई में नहीं प्रयोग किया जाए। वहीं टीम चार्ट बनाने के निर्देश दिए। क्योंकि 150 से 200 टीडीएस तक पानी मानव उपयोग के लिए उपयुक्त होता है। इससे कम या ज्यादा टीडीएस वाला पानी मानव के साथ-साथ पौधों के लिए भी नुकसानदायक होता है।

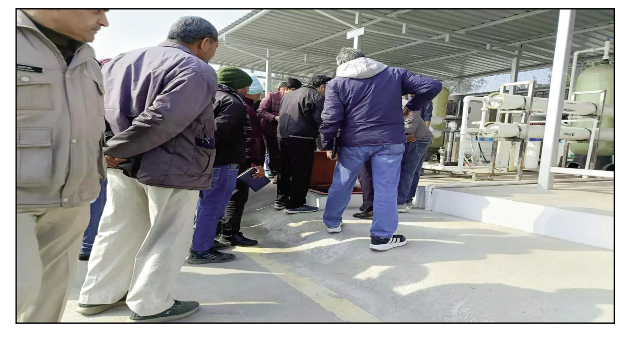

ने कर्मचारियों से आरओ सिस्टम के वर्किंग के बारे में जानकारी ली। यहां पीसीएमई ने कर्मचारियों को निर्देश दिए कि शुद्ध पानी के टैंक पर हरे रंग का पेंट किया जाए ताकि दोनों टैंक की अलग-अलग पहचान हो सके। इसके बाद कर्मचारियों से पानी के टीडीएस की डेली मानिटरिंग के लिए कर्मचारियों ने कहा कि आरओ का टीडीएस 500 से ज्यादा है तो इस पर सीपीएमई ने कहा कि यह आरओ का पानी पौधों की सिंचाई के लिए प्रयोग नहीं किया जाए। उम्मीद है कि जनवरी माह के अंत तक ही हाइड्रोजन ट्रेन का ट्रायल संभव हो।-

एसडीएम ने विभागों का औचक निरीक्षण किया, लापरवाही पर नोटिस

एजेंसी

सोनीपत। खरखौदा में उपमंडल अधिकारी (ना.) निर्मल नागर ने विभिन्न सरकारी विभागों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रशासनिक व्यवस्थाओं, जनसेवाओं की स्थिति और कार्यालयीन कार्यप्रणाली की गहन समीक्षा की गई। एसडीएम ने तहसील कार्यालय, पटवारखाना, कृषि विभाग तथा खाद्य एवं आपूर्ति विभाग का निरीक्षण किया लापरवाह अधिकारियों को नोटिस जारी किया है।

निरीक्षण के समय कार्यालयों में अभिलेखों के रख-रखाव, साफ-सफाई, कर्मचारियों की उपस्थिति तथा आमजन को दी जा रही सुविधाओं की जांच की गई। एसडीएम ने फाइलों के निस्तारण की स्थिति और शिकायतों के समाधान की प्रक्रिया को भी परखा। उन्होंने पाया कि कुछ विभागों में कार्यों के निष्पादन में लापरवाही बरती जा रही है। सभी विभाग अपने-अपने कार्य समयबद्ध, पारदर्शी और नियमों के अनुरूप करें। आमजन की शिकायतों का शीघ्र समाधान, अभिलेखों का सुव्यवस्थित रख-रखाव और कार्यालयों में स्वच्छता बनाए रखें। इसके साथ ही विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के निर्देश भी दिए गए। निरीक्षण के दौरान जिन विभागों में कमियां पाई गई, वहां संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी किए गए तथा तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई के आदेश दिए गए। सरकारी कार्यों में किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एसडीएम ने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इसके लिए सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ कार्य करना होगा। उन्होंने यह भी बताया कि भविष्य में इस तरह के औचक निरीक्षण लगातार जारी रहेंगे(

भारत-यूरोपीय संघ एफटीए महत्त्वपूर्ण, देशहित से कोई समझौता नहीं : गोयल

- 27 जनवरी को व्यापार वार्ता पूरी होने की घोषणा संभव

नई दिल्ली।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) अब तक किए गए सभी व्यापार समझौतों में सबसे महत्त्वपूर्ण होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस समझौते में देश के हितों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा और सभी संवेदनशील मुद्दों का समाधान भारत की संतुष्टि के अनुरूप किया जाएगा। स्टार्टअप इंडिया कार्यक्रम के अवसर पर गोयल ने कहा कि उन्होंने अब तक सात मुक्त व्यापार समझौते किए हैं और ये सभी विकसित देशों के साथ हुए हैं। भारत-ईयू एफटीए को उन्होंने इसलिए भी खास बताया क्योंकि दोनों अर्थव्यवस्थाओं के बीच सीधी प्रतिस्पर्धा बहुत कम है। उनके अनुसार यह समझौता भारत और यूरोपीय संघ, दोनों के लिए फायदे का सौदा साबित होगा। इससे एक दिन पहले वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने संकेत दिया था कि भारत और ईयू के बीच चल रही व्यापार वार्ता के संपन्न होने की घोषणा 27 जनवरी को की जा सकती है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के अनुसार, प्रस्तावित समझौते में व्यापार से जुड़े सभी प्रमुख पहलुओं को शामिल किया जाएगा, हालांकि कृषि से जुड़े कुछ संवेदनशील विषयों को बातचीत से बाहर रखा गया है। गोयल ने कार्बन बॉर्डर समायोजन प्रणाली (सीबीएएम) और डेरी जैसे मुद्दों पर सरकार के रुख को स्पष्ट करते हुए कहा कि इन सभी विषयों पर भारत के हितों की पूरी रक्षा की जाएगी। उन्होंने पूर्ववर्ती सरकारों की व्यापार नीति की आलोचना करते हुए कहा कि पहले कमजोर स्थिति में समझौते किए गए, जिनसे घरेलू उद्योगों और किसानों को नुकसान हुआ। उन्होंने यह भी कहा कि आरसीईपी जैसे समझौतों में शामिल होने का अर्थ चीन के साथ एफटीए होता, जो 'मेक इन इंडिया', लघु उद्योगों और किसानों के लिए नुकसानदेह होता। गौरतलब है कि 25 से 27 जनवरी तक यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो लुइस सैंटोस दा कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन भारत की राजकीय यात्रा पर रहेंगे। इस दौरान वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ 16वें भारत-ईयू शिखर सम्मेलन की सह-अध्यक्षता करेंगे और गणतंत्र दिवस परेड में मुख्य अतिथि भी होंगे।

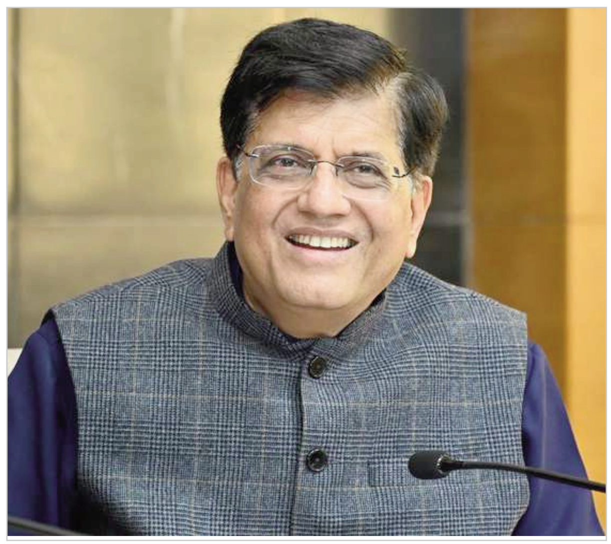

गौतमबुद्ध नगर में पेट्रोल 26 पैसे और डीजल 30 पैसे सस्ता

नई दिल्ली।

सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले में पेट्रोल 26 पैसे सस्ता होकर 94.90 रुपए प्रति लीटर और डीजल 30 पैसे गिरकर 88.01 रुपए प्रति लीटर बिक रहा है। पहाड़ी राज्य उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में भी पेट्रोल 26 पैसे घटकर 93.43 रुपए और डीजल 31 पैसे घटकर 88.33 रुपए प्रति लीटर हो गया। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 35 पैसे बढ़कर 105.58 रुपए और डीजल 33 पैसे बढ़कर 91.82 रुपए प्रति लीटर पहुंच गया है। देश के प्रमुख शहरों में दिल्ली में पेट्रोल 94.77 रुपए और डीजल 87.67 रुपए, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपए और डीजल 89.97 रुपए, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपए और डीजल 91.76 रुपए तथा चेन्नई में पेट्रोल 101.03 रुपए और डीजल 92.61 रुपए प्रति लीटर बिक रहे हैं।

आरबीआई की संशोधित लोकपाल योजना जारी, शिकायतों का होगा त्वरित निवारण

नई दिल्ली।

भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने संशोधित रिज़र्व बैंक- एकीकृत लोकपाल (ओंबड्समैन) योजना, 2026 जारी कर दी है। यह योजना 1 जुलाई, 2026 से लागू होगी और इसका उद्देश्य ग्राहकों की शिकायतों का तेज़, सरल और कम लागत वाला निवारण सुनिश्चित करना है। आरबीआई ने स्पष्ट किया है कि योजना के तहत शिकायतों की प्रक्रिया संक्षिप्त होगी और यह साक्ष्य के नियमों से बाध्य नहीं होगी। योजना का लक्ष्य ग्राहकों को तुरंत राहत और न्याय दिलाना है। आरबीआई अपने अधिकारियों को लोकपाल और उप-लोकपाल के रूप में नियुक्त करेगा। नियुक्ति अवधि सामान्यतः तीन साल होगी। लोकपाल और उप-लोकपाल बैंकिंग कानून, आरबीआई के नियम और दिशा-निर्देश ध्यान में रखते हुए शिकायतों का निवारण करेंगे। ग्राहक अपनी शिकायतें ऑनलाइन दर्ज करा सकते हैं। इसके अलावा, आरबीआई सेंट्रलाइज्ड रिसीप्ट एंड प्रोसेसिंग सेंटर के माध्यम से शिकायतों को प्राप्त और जांचेगा। लोकपाल के पास विवाद की राशि पर कोई सीमा नहीं है। वह समझौते की सुविधा दे सकता है या निर्णय पारित कर सकता है। सीधे हुए नुकसान के लिए 30 लाख रुपये तक और समय, खर्च या मानसिक पीड़ा के लिए 3 लाख रुपये तक क्षतिपूर्ति का प्रावधान है।

कच्चे जूट की बढ़ती कीमतों पर आजेएमए ने की सरकार से हस्तक्षेप की मांग

- दक्षिण बंगाल के टीडीएन-3 ग्रेड जूट की कीमतें अब तक का उच्चतम स्तर पर

कोलकाता।

इंडियन जूट मिल्स एसोसिएशन (आईजेएमए) ने केंद्र सरकार से कच्चे जूट की बढ़ती कीमतों को नियंत्रित करने और फाइबर की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। एसोसिएशन ने जूट आयुक्त अमृत राज को लिखे पत्र में कहा कि मिलों के पास कच्चे जूट की आपूर्ति में गंभीर कमी आ गई है। दिसंबर 2025 में भंडार में लगभग 1.25 लाख गांठों की गिरावट दर्ज की गई। वहीं, दक्षिण बंगाल के टीडीएन-3 ग्रेड जूट की कीमतें 13,000 रुपये प्रति क्विंटल तक पहुंच गई हैं, जो अब तक का उच्चतम स्तर है। आईजेएमए का कहना है` कि इस आपूर्ति संकट और कीमतों में तेजी के कारण कई जूट मिलें उत्पादन बंद करने या इसे घटाने पर मजबूर हुई हैं। इसके परिणामस्वरूप लगभग 75,000 श्रमिक बेरोजगार हो चुके हैं। मिलों की यह स्थिति उद्योग की स्थिरता और जूट उत्पादक क्षेत्र के रोजगार पर गंभीर असर डाल रही है। कीमतों में वृद्धि को रोकने और जूट फाइबर की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए आईजेएमए ने सुझाव दिया है कि व्यापारियों, डीलरों, स्टॉकिस्टों और एजेंसियों को अपने कच्चे जूट के भंडार को 31 मार्च तक बेचने की अनुमति दी जाए। इसके बाद निजी स्तर पर किसी भी प्रकार का जूट व्यापार अवैध माना जाएगा। एसोसिएशन का मानना है कि इससे मिलों को आवश्यक कच्चा माल मिलेगा और श्रमिकों की रोज़गार सुरक्षा बनी रहेगी।

अप्रैल से यपूीआई के जरिए ईपीएफ निकासी संभव

- ईपीएफ खाते की पूरी राशि निकालने की अनुमति नहीं होगी

नई दिल्ली।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के करोड़ों अंशधारकों के लिए एक बड़ी राहत भरी खबर है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार ईपीएफओ इस साल अप्रैल तक ऐसी व्यवस्था लागू करने की तैयारी कर रहा है, जिसके तहत सदस्य यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) के माध्यम से अपनी कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) से आंशिक निकासी कर सकेंगे। इस नई प्रणाली के जरिए निकाली गई राशि सीधे संबंधित सदस्य के बैंक खाते में जमा होगी। सूत्रों ने बताया कि इस सुविधा के अंतर्गत ईपीएफ खाते की पूरी राशि निकालने की अनुमति नहीं होगी। सदस्य अपनी पात्र राशि में से अधिकांश हिस्सा निकाल सकेंगे, जबकि न्यूनतम 25 प्रतिशत राशि भविष्य निधि खाते में सुरक्षित रखी जाएगी। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि अंशधारकों को ईपीएफ पर मिलने वाले उच्च ब्याज और चक्रवृद्धि लाभ का फायदा लगातार मिलता रहे। वर्तमान में ईपीएफ पर 8.25 प्रतिशत ब्याज दर लागू है। नई व्यवस्था के तहत ईपीएफओ सदस्य अपने यूपीआई पिन का उपयोग कर सुरक्षित लेनदेन कर सकेंगे। बैंक खाते में पैसा आने के बाद उसका उपयोग यूपीआई भुगतान, एटीएम निकासी या डेबिट कार्ड के जरिए किया जा सकेगा। ईपीएफओ इस प्रणाली के सुचारू क्रियान्वयन के लिए सॉफ्टवेयर से जुड़ी तकनीकी खामियों को दूर करने में जुटा हुआ है।

सेंसेक्स और निफ्टी में वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच सप्ताहभर उतार-चढ़ाव रहा

- सेंसेक्स 187 अंक बढ़कर 83,570 पर और निफ्टी 28 अंक बढ़कर 25,694.35 पर बंद हुआ

मुंबई।

बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार ने मिश्रित संकेत दिखाए, जिसमें ग्लोबल अनिश्चितताओं, जियोपॉलिटिकल तनाव और विदेशी निवेशकों के लगातार आउटफ्लो के दबाव के बीच सेंसेक्स और निफ्टी लगभग सपाट स्तर पर बंद हुए। हफ्ते की शुरुआत सोमवार को बाजार में कमजोरी के साथ हुई। विदेशी निवेशकों की लगातार निकासी, अमेरिकी टैरिफ बढ़ाने की आशंकाएँ और वैश्विक जियोपॉलिटिकल अनिश्चितताओं के कारण सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 455.35 अंक गिरकर 83,120.89 पर आ गया। निफ्टी भी 135.35 अंक की गिरावट के साथ 25,547.95 पर पहुंचा। हालांकि दिन के अंत तक सेंसेक्स और निफ्टी में सुधार देखा गया और दोनों इंडेक्स मजबूत बढ़त के साथ बंद हुए। मंगलवार को बाजार ने शुरुआती तेजी दिखाई, लेकिन विदेशी निधियों की निरंतर निकासी और ब्लू-चिप शेयरों में बिकवाली के कारण दिन के अंत में सेंसेक्स 250.48 अंक गिरकर 85,627.69 पर और निफ्टी 57.95 अंक गिरकर 26,732.30 पर बंद हुआ। बुधवार को भी शुरुआती कारोबार में उतार-चढ़ाव जारी रहा, और सेंसेक्स 244.98 अंक गिरकर 83,382.71 पर, निफ्टी 66.70 अंक गिरकर 25,665.60 पर बंद हुआ। गुरुवार को मुंबई महानगरपालिका चुनाव के कारण बाजार बंद रहा। शुक्रवार को बाजार ने सप्ताह के समापन पर हल्की बढ़त दर्ज की। सेंसेक्स 187.64 अंक बढ़कर 83,570.35 पर और निफ्टी 28.75 अंक बढ़कर 25,694.35 पर बंद हुआ। साप्ताहिक समीक्षा के मुतो बिक विदेशी निधियों की निकासी और वैश्विक बाजारों की अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय शेयर बाजार ने हफ्ते भर उतार-चढ़ाव के बीच स्थिरता बनाए रखी। निवेशक सतर्क रहे, लेकिन सप्ताह के अंत में बाजार ने मामूली सुधार दिखाया, जिससे संकेत मिलता है

शैडोफैक्स टेक्नोलॉजी का आईपीओ 20 जनवरी को आएगा

नई दिल्ली।

शैडोफैक्स टेक्नोलॉजी मेनबोर्ड आईपीओ के जरिए 1,907.27 करोड़ जुटाने जा रही है। कंपनी 8.06 करोड़ फ्रेश शेयर और 7.32 करोड़ ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) शेयर जारी करेगी। आईपीओ का प्राइस बैंड 118 से 124 रुपए प्रति शेयर तय किया गया है। एक लॉट में 120 शेयर हैं, इसलिए रिटेल निवेशकों को न्यूनतम 14,880 रुपए का निवेश करना होगा। क्वालीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 75 फीसदी शेयर आरक्षित हैं। रिटेल निवेशकों के लिए 10 फीसदी और नॉन-इंस्टिट्यूशनल निवेशकों (एनआईआई) के लिए 15 फीसदी रिजर्व रखा गया है। ग्रे मार्केट में आईपीओ मजबूती से ट्रेड कर रहा है। वर्तमान में 15 रुपए के प्रीमियम पर चल रहा है, जिससे अनुमानित लिस्टिंग गेन 12.10 फीसदी है। सबसे अधिक जीएमपी 16 रुपए दर्ज किया गया। ओएफएस में फ्लिपकार्ट, नोकिया ग्रोथ पार्टनर, इंटरनेशनल फाइनेंस कॉर्पोरेशन समेत अन्य प्रमोटर्स शेयर बेच रहे हैं। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज लीड मैनेजर और केफिन टेक्नोलॉजी रजिस्ट्रार के रूप में काम कर रहे हैं। आईपीओ 20 जनवरी से 22 जनवरी तक खुला रहेगा।

टाटा टेक्नोलॉजीज का मुनाफा 96 फीसदी गिरा

दिसंबर 2025 तिमाही में एकमुश्त ग्रेच्युटी प्रावधान से मुनाफे पर दबाव

नई दिल्ली।

टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने दिसंबर 2025 को समाप्त तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। चालू वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में कंपनी का शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर 96 प्रतिशत घटकर 6.64 करोड़ रुपये रह गया। पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में कंपनी ने 168.64 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था। कंपनी ने बताया कि मुनाफे में भारी गिरावट की मुख्य वजह नए लेबर कोड का सांविधिक असर है। टाटा टेक्नोलॉजीज ने विशिष्ट मद के तहत 114 करोड़ रुपये की ग्रेच्युटी का प्रावधान किया है। यह असर 21 नवंबर 2025 को सरकार द्वारा अधिसूचित चार नए लेबर कोड में वेतन की परिभाषा में बदलाव के कारण पड़ा। दिसंबर 2025 तिमाही में कंपनी कापरिचालन राजस्व 1,365.73 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल की समान तिमाही में 1,317.38 करोड़ रुपये था। वहीं, कंपनी का कुल खर्च बढ़कर 1,217.99 करोड़ रुपये हो गया, जो एक साल पहले 1,119.31 करोड़ रुपये था। कंपनी के एक वेरिष्ठ अेधिकारी ने कहा कि तीसरी तिमाही ने व्यवसाय की मजबूती को दर्शाया है। मौसमी नरमी और अल्पकालिक चुनौतियों के बावजूद कंपनी ने वृद्धि दर्ज की है।

इंडिगो ने दिसंबर में रद्द हुई उड़ानों के लिए यात्रियों के पैसे वापस किए~ डीजीसीए

- एयरलाइन ने या त्रियों को 5,000 के दो यात्रा वाउचर भी दिए

नई दिल्ली।

केन्द्रीय नागर विमानन मंत्री के राममोहन नायडू ने संसद में जानकारी दी कि घरेलू एयरलाइन इंडिगो को तुरंत रिफंड जारी करने का आदेश दिया गया था। मंत्री ने बताया कि 750 करोड़ रुपये से अधिक राशि प्रभावित यात्रियों तक पहले ही पहुंच चुकी है। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने भी कहा कि इंडिगो ने 3 से 5 दिसंबर के बीच रद्द हुई उड़ानों के यात्रियों का पैसा वापस कर दिया है। इंडिगो ने प्रभावित यात्रियों की मदद के लिए एक और कदम उठाया है। एयरलाइन ने उन्हें 5,000 रुपये के दो यात्रा वाउचर दिए हैं, जिनकी मान्यता 12 महीने तक है। यह कदम यात्रियों को भविष्य में यात्रा में मदद करने के लिए उठाया गया है।

डीजीसीए के नियमों के अनुसार, एयरलाइंस को उन सुविधाओं और मुआवजे का भुगतान करना आवश्यक है, जो बोर्डिंग से मना करने, उड़ान रद्द करने या देरी होने पर यात्रियों को प्रदान की जाती हैं। नियामक ने कहा कि वह इंडिगो के साथ लगातार बातचीत कर रहे हैं ताकि सभी यात्रियों को उचित रिफंड और मुआवजा सुनिश्चित किया जा सके। हालांकि, कुछ यात्रियों ने सोशल मीडिया पर शिकायत की है कि 2 से 9 दिसंबर के बीच अचानक रद्द हुई सैकड़ों उड़ानों का रिफंड उन्हें अभी तक नहीं मिला*। डीजीसीए ने इन मामलों पर भी ध्यान देने का आश्वासन दिया है।

एसबीआई ने एटीएम ट्रांजेक्शन शुल्क बढ़ाया

- फ्री लिमिट के बाद महंगा होगा कैश और बैलेंस चेक

नई दिल्ली।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने एटीएम से पैसे निकालने के शुल्क में वृद्धि की है।

अब फ्री ट्रांजेक्शन लिमिट खत्म होने के बाद दूसरे बैंक के एटीएम से कैश निकालना और नॉन-फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन करना पहले से महंगा हो गया है।

नए नियमों के अनुसार कैश विदड्रॉल पर प्रति ट्रांजैक्शन 23 रुपए जीएसटी से हित और बैलेंस चेक या मिनी स्टेटमेंट जैसे नॉन-फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन पर 11 रुपए जीएसटी से हित चार्ज देना होगा। इस बढ़ोतरी का असर सभी ग्राहकों पर नहीं होगा। बीएसबीडी अकाउंट एसबीआई एटीएम का इस्तेमाल करने वाले एसबीआई डेबिट कार्ड होल्डर्स और किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) अकाउंट पर नए चार्ज लागू नहीं होंगे। एसबीआई सेविंग्स अकाउंट धारकों को पहले की तरह दूसरे बैंक के एटीएम पर हर महीने 5 फ्री ट्रांजैक्शन मिलते रहेंगे।

इसके बाद कैश विदड्रॉल पर 23 रुपए और बैलेंस चेक/मिनी स्टेटमेंट पर 11 रुपए चार्ज लगेगा।

बैंक ने इंटरचेंज फीस में हालिया बढ़ोतरी और ऑपरेशनल लागत में इजाफे को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया है। एसबीआई का कहना है

कि एटीएम ट्रांजैक्शन से जुड़े खर्चों में वृद्धि के कारण चार्ज बढ़ाना जरूरी था।

बजट के दिन रविवार को भी खुलेगा शेयर बाजार

1 फरवरी को सामान्य दिनों की तरह ट्रेडिंग होगी, 9 साल बाद बनेगा वर्किंग संडे

मुंबई।

1 फरवरी को रविवार होने के बावजूद बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में सामान्य दिनों की तरह कामकाज होगा। एक्सचेंजों ने शनिवार को सर्कुलर जारी कर इसकी आधिकारिक घोषणा की है। सरकार के निर्देशों के बाद यह फैसला लिया गया है ताकि बजट घोषणाओं पर निवेशक रियल-टाइम में रिएक्ट कर सकें।

यह पिछले 9 सालों में पहला मौका होगा जब केंद्रीय बजट के लिए शेयर बाजार रविवार को खुलेगा। इससे पहले साल 2017 में भी 1 फरवरी को रविवार था और तब भी मार्केट में ट्रेडिंग हुई थी। आमतौर पर शनिवार और रविवार को बाजार बंद रहता है, लेकिन बजट जैसी बड़ी आर्थिक घटनाओं के लिए एक्सचेंज स्पेशल ट्रेडिंग डे घोषित करते हैं।

समय में कोई बदलाव नहीं

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की ओर से जारी जानकारी के मुताबिक, 1 फरवरी को इक्विटी, इक्विटी डेरिवेटिव्स, करेंसी और कमोडिटी समेत सभी सेगमेंट्स में ट्रेडिंग होगी। जानकारों का कहना है कि रविवार को शेयर मार्केट खोलने का फैसला इसलिए लिया गया है कि बजट में टैक्स स्लैब, कैपिटल एक्सपेंडिचर और सेक्टर से जुड़ी बड़ी घोषणाएं होती हैं। अगर रविवार को बाजार बंद रहता, तो निवेशकों को सोमवार का इंतजार करना पड़ता। इससे सोमवार को बाजार में भारी उतार-चढ़ाव होने का डर रहता है। रविवार को मार्केट खुला रहने से निवेशक बजट के हर पॉइंट पर तुरंत अपनी रणनीति बना सकेंगे।

सेटलमेंट साइकिल में कोई बदलाव नहीं

एक्सचेंजों ने साफ किया है कि भले ही रविवार को ट्रेडिंग हो रही है, लेकिन क्लियरिंग और सेटलमेंट की प्रक्रिया में कोई बदलाव नहीं होगा। यह विशेष ट्रेडिंग डे फरवरी 2026 के हॉलिडे कैलेंडर का इकलौता अपवाद होगा। ट्रेडर्स को सलाह दी गई है कि वे रविवार के सत्र के लिए अपने सिस्टम और फंड की तैयारी पहले से कर लें।

अशांति के कोलाहल में शांति का शंखनाद है मौन

ललित गर्ग

मौनी अमावस्या को अमावस्या का भी विशेष महत्व है। अमावस्या का अंधकार बाहरी रूप से भले ही रिक्तता का संकेत दे, परंतु आध्यात्मिक दृष्टि से यह भीतर की यात्रा का प्रतीक है। जब चंद्रमा अदृश्य होता है, तब मनुष्य के भीतर का चंद्र प्रकट होने की संभावना बनती है। मौन और अमावस्या का यह संयोग आत्मचिंतन को अत्यंत प्रभावशाली बना देता है। इस दिन किया गया मौन-व्रत केवल वाणी का संयम नहीं, बल्कि विचारों का परिष्कार भी है। विचारों की शुद्धि से ही कर्म शुद्ध होते हैं और कर्मों की शुद्धि से जीवन पवित्र बनता है।

मौन केवल शब्दों का अभाव नहीं है, वह आत्मा की सबसे सघन भाषा है। 18 जनवरी 2026 को आने वाली मौनी अमावस्या इसी मौन की महत्ता को जीवन के केंद्र में प्रतिष्ठित करने का पावन, सिद्ध एवं पवित्र अवसर है। भारतीय आध्यात्मिक परंपरा में मौन को जितना ऊँचा स्थान दिया गया है, उतना शायद किसी अन्य साधना को नहीं। ऋषियों ने कहा है कि जहाँ शब्द समाप्त होते हैं, वहीं से सत्य आरंभ होता है। मौन वही बिंदु है जहाँ मन की चंचल तरंगें थमती हैं और चेतना का निर्मल सरोवर प्रकट होता है। यह जीवन का सौंदर्य भी है और ऊर्जा का अक्षय भंडार भी। मौन में शक्ति संचित होती है, दिशा मिलती है और अध्यात्म को गति प्राप्त होती है। मौनी अमावस्या का संबंध केवल कैलेंडर की एक तिथि से नहीं, बल्कि जीवन के गहरे अनुशासन से है। यह दिन मनुष्य को बाहरी कोलाहल से हटाकर अंतमुर्खी होने का निमंत्रण देता है। मौन का अर्थ यह नहीं कि व्यक्ति निष्क्रिय हो जाए, बल्कि यह कि उसकी चेतना जाग्रत हो जाए। जब वाणी विश्राम करती है, तब विवेक बोलने लगता है। मनुष्य का मन, जो सामान्यतः अतीत और भविष्य के बीच भटकता रहता है, मौन में वर्तमान में टिकना सीखता है। यही एकाग्रता आत्मशुद्धि का द्वार खोलती है। मौन साधना है, तप है और जीवन की आध्यात्मिक ऊँचाई है।

मौनी अमावस्या को अमावस्या का भी विशेष महत्व है। अमावस्या का अंधकार बाहरी रूप से भले ही रिक्तता का संकेत दे, परंतु आध्यात्मिक दृष्टि से यह भीतर की यात्रा का प्रतीक है। जब चंद्रमा अदृश्य होता है, तब मनुष्य के भीतर का चंद्र प्रकट होने की संभावना बनती है। मौन और अमावस्या का यह संयोग आत्मचिंतन को अत्यंत प्रभावशाली बना देता है। इस दिन किया गया मौन-व्रत केवल वाणी का संयम नहीं, बल्कि विचारों का परिष्कार भी है। विचारों की शुद्धि से ही कर्म शुद्ध होते हैं और कर्मों की शुद्धि से जीवन पवित्र बनता है। मौनी अमावस्या का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पक्ष पितृ तर्पण और पिंडदान से जुड़ा है। भारतीय संस्कृति में पितरों को केवल अतीत की स्मृति नहीं माना गया, बल्कि वे हमारी चेतना की जड़ें हैं। जिनसे हमें जीवन मिला, जिनके संस्कार हमारे रक्त में प्रवाहित हैं, उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना आध्यात्मिक दायित्व है। इस दिन पवित्र नदियों के तट पर या श्रद्धा के साथ घर में किया गया तर्पण और पिंडदान पितरों की आत्मा को शांति प्रदान करता है। ऐसा माना जाता है कि मौनी अमावस्या के दिन किए गए तर्पण से पितृलोक में विशेष संतोष और तृप्ति का संचार होता है।

तर्पण केवल जल अर्पण की क्रिया नहीं है, वह स्मरण की साधना है। जब संतति अपने पूर्वजों को श्रद्धा से याद करती है, तो एक अदृश्य सेतु बनता है जो पीढ़ियों को जोड़ता है। पिंडदान के माध्यम से पितरों की अधूरी कामनाओं को पूर्णता की दिशा मिलती है और उन्हें मोक्ष की ओर अग्रसर होने में सहायता प्राप्त होती है। शास्त्रों में कहा गया है कि मौनी अमावस्या के दिन किया गया पिंडदान अनेक अमावस्याओं के फल के बराबर होता है, क्योंकि इस दिन मौन की ऊर्जा कर्म को कई गुना प्रभावशाली बना देती है। इस दिन मौन के साथ किया गया तर्पण साधक के भीतर भी गहरा परिवर्तन लाता है। जब व्यक्ति मौन रहकर पितरों का स्मरण करता है, तो उसका अहंकार स्वतः झुक जाता है। उसे यह बोध होता है कि वह अकेला नहीं है, बल्कि एक लंबी परंपरा की कड़ी है। यह बोध जीवन में विनम्रता, करुणा और संतुलन को जन्म देता है। मौन की शांति में किया गया स्मरण केवल पितरों को ही नहीं, स्वयं साधक को भी मुक्त करता है। वह अपने भीतर जमी अनेक ग्रंथियों को खोल पाता है।

मौनी अमावस्या पर मौन धारण करना मन को एकाग्र करने का सशक्त साधन है। मनुष्य का सबसे बड़ा संघर्ष अपने ही मन से है। वाणी जब निरंतर सक्रिय रहती है, तो मन भी बाहर की ओर दौड़ता रहता है। मौन उसे भीतर लौटने का अवसर देता है। इस दिन यदि व्यक्ति कुछ समय के लिए पूर्ण मौन रखे, ध्यान करे, जप करे या केवल श्वास के आवागमन को साक्षी भाव से देखे, तो आत्मा पर जमी धूल स्वतः झड़ने लगती है। यही आत्मशुद्धि है, यही साधना का सार है। मौन जीवन को सुंदर बनाता है क्योंकि वह अनावश्यक को हटाता है। जहाँ मौन है, वहाँ क्रोध, ईर्ष्या और द्वेष स्वतः क्षीण हो जाते हैं। मौन शक्ति का केंद्र इसलिए है क्योंकि वह ऊर्जा को व्यर्थ बिखरने नहीं देता। जो ऊर्जा शब्दों में नष्ट होती है, वही मौन में संचित होकर साधना बन जाती है। इसी संचित ऊर्जा से व्यक्ति अपने जीवन को ऊँचाई देता है। मौन अध्यात्म की गति है क्योंकि यह सीधे आत्मा से जुड़ता है, किसी माध्यम की आवश्यकता नहीं होती।

वस्तुतः आध्यात्मिक क्षेत्र में मौन का एक विशिष्ट और अपरिहार्य स्थान है। यह कोई साधारण चुप्पी नहीं, बल्कि एक अत्यंत व्यवस्थित और वैज्ञानिक साधना है, जिसे अपनाकर साधक अपनी चित्त-वृत्तियों को विक्षेप से बचा लेता है। मौन के अभ्यास से जीवनी शक्ति और प्राण शक्ति परिपुष्ट होती है। व्यक्ति अपने भीतर एक नई स्फूर्ति, नई ताजगी और आंतरिक ऊर्जा का अनुभव करता है। निरंतर बोलते रहने से न केवल वाणी की प्रभावशीलता क्षीण होती है, बल्कि उससे मस्तिष्क की सूक्ष्म शक्तियों का भी अनावश्यक क्षय होता है। मौन के द्वारा वाणी सुरक्षित होती है, परिष्कृत होती है और उसमें गहन प्रभाव उत्पन्न होता है। अध्यात्म क्षेत्र में जिस वाक्-सिद्धि की चर्चा की जाती है, उसका मूल आधार भी मौन-साधना ही है। कम बोलने वाला व्यक्ति जब बोलता है, तो उसके शब्दों में स्वतः ही वजन और प्रभाव आ जाता है।

महात्मा गांधी अपने जीवन में मौन को विशेष महत्व देते थे। उनकी आत्मकथा से ज्ञात होता है कि वे प्रति सप्ताह एक दिन मौन रखते थे। उनका अनुभव था कि मौन से उन्हें गहरा विश्राम मिलता है और कार्य करने के लिए नई शक्ति का संचार होता है। इसी प्रकार आचार्य तुलसी भी प्रायः प्रतिदिन नियमित रूप से मौन-साधना करते थे। वे कहा करते थे कि मौन से उन्हें अपूर्व आंतरिक आनंद की अनुभूति होती है। यह एक सुनिश्चित तथ्य है कि यदि मौन-साधना के साथ मनोवृत्तियों को आत्मचिंतन में लगा दिया जाए, तो आध्यात्मिक आनंद का निर्झर स्वतः प्रवाहित होने लगता है। महान संत महर्षि रमण के विषय में प्रसिद्ध है कि वे प्रायः मौन ही रहते थे, किंतु उस मौन में इतनी गहन संप्रेषण शक्ति थी कि उनके समीप आने वाले जिज्ञासुओं की जटिलतम समस्याओं का समाधान बिना शब्दों के ही हो जाता था। वस्तुतः मौन एक अंतभार्षा है-ऐसी भाषा जो शब्दों से परे होकर सीधे आत्मा से संवाद करती है। प्राचीन ऋषि-मुनि अपने शिष्यों को मौन के माध्यम से ही उपदेश देते थे। मौन-साधना से वे सभी सिद्धियाँ प्राप्त की जा सकती हैं, जिनकी प्राप्ति के लिए अन्य कठिन योग-साधनाओं का सहारा लेना पड़ता है। मौन, साधना का शिखर भी है और साधना का आधार भी।

मौनी अमावस्या हमें यह सिखाती है कि जीवन की वास्तविक प्रगति बाहरी उपलब्धियों से नहीं, भीतर की शांति से मापी जाती है। इस दिन का संदेश स्पष्ट है कि कुछ क्षण रुकिए, मौन में उतरिए और अपने मूल से जुड़िए। पितरों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त कर, उनके लिए तर्पण और पिंडदान कर, और स्वयं के लिए मौन साधना अपनाकर मनुष्य अपने जीवन को संतुलित और सार्थक बना सकता है। यह दिन हमें स्मरण कराता है कि मौन कोई रिक्तता नहीं, बल्कि पूर्णता है, कोई कमजोरी नहीं, बल्कि अपार शक्ति है। अंततः मौनी अमावस्या आत्मा का पर्व है। यह न केवल पितरों को मोक्ष की दिशा में ले जाने वाला अवसर है, बल्कि जीवित मनुष्य के लिए भी आंतरिक मुक्ति का द्वार है। मौन के माध्यम से मनुष्य अपने भीतर के शोर से मुक्त होता है, और जब भीतर शांति स्थापित होती है, तभी जीवन में सत्य, करुणा और चेतना का प्रकाश फैलता है। मौनी अमावस्या हमें इसी प्रकाश की ओर अग्रसर होने का मौन आमंत्रण देती है। अशांति के कोलाहल में शांति का शंखनाद है मौन।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

संपादकीय

ट्रंप से किसी रहम की उम्मीद नहीं

जब पूछा गया कि क्या उनकी वैश्विक शक्ति की कोई सीमा है, तो डॉनल्ड ट्रंप ने कहा- ह्यहां, एक चीज है- मेरी अपनी नैतिकता। मेरा अपना दिमाग। यही एक चीज है, जो मुझे रोक सकता है। जो बातें डॉनल्ड ट्रंप पर बतौर इल्जाम कही जाती थीं, अमेरिकी राष्ट्रपति ने अब खुद उसकी पुष्टि कर दी है। दो-टूक कहा है कि वे किसी अंतरराष्ट्रीय कानून से बंधे हुए नहीं हैं। उन्होंने सैनिक, आर्थिक या राजनीतिक ताकत का इस्तेमाल करने के मामलों में अपनी पूरी 'स्वतंत्रता' का एलान किया। कहा कि अपने मकसद को हासिल करने की राह में आने वाली किसी अंतरराष्ट्रीय संधि, कानून, समझौते आदि वे नहीं मानते। जब पूछा गया कि क्या उनकी वैश्विक शक्ति की कोई सीमा है, तो उन्होंने कहा- 'हां, एक चीज है- मेरी अपनी नैतिकता। मेरा अपना दिमाग। यही एक चीज है, जो मुझे रोक सकता है।' राजतंत्र के दौर में समझा जाता था कि राजा की सोच या वह जो कहता है, वही कानून है। ताजा टिप्पणियों से ट्रंप ने उस दौर की मान्यता के अनुरूप खुद को विश्व सम्राट के रूप में पेश किया है। इन बातों की रोशनी में वेनेजुएला में उनके प्रशासन ने क्या किया या ग्रीनलैंड में क्या करने का इरादा रखता है, उसे दूसरे विश्व युद्ध के बाद स्थापित हुई नियम आधारित एवं उदार विश्व व्यवस्था के तर्कों से समझने की कोशिश व्यर्थ हो जाती है। ट्रंप ने स्पष्ट कर दिया है कि उस समझ के आधार पर होने वाली आलोचनाओं का उनकी निगाह में कोई महत्त्व नहीं है। वे दुनिया को नए युग में ले गए हैं, जो शक्ति के सिद्धांत के प्रेरित है। ट्रंप के आचरण में यह बात पहले से ही साफ नजर आती रही है, मगर अब उन्होंने इनको सैद्धांतिक जामा भी पहना दिया है। संदेश यह है कि ट्रंप सिर्फ ताकत का सम्मान करना जानते हैं। संभवतः इसीलिए शी जिनपिंग या व्लादीमीर पुतिन का उल्लेख करते हुए वे उतना अपमानजनक लहजा नजरिया नहीं दिखाते, जैसा इजहार दूसरे नेताओं- जिनमें यूरोपीय नेता भी शामिल हैं- के प्रति करते हैं। भारत जैसे देशों को इसका अर्थ समझना चाहिए। उन्हें ट्रंप से किसी रहम की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। ट्रंप के दौर में अपने हित की रक्षा कैसे की जाए, यह यक्ष प्रश्न उनके सामने खड़ा है।

चिंतन-मनन

अपूर्णता से पूर्णता की ओर

मनुष्य का बाह्य जीवन वस्तुतः उसके आंतरिक स्वरूप का प्रतिबिम्ब मात्र होता है। जैसे ड्राइवर मोटर की दिशा में मनचाहा बदलाव कर सकता है। उसी प्रकार, जीवन के बाहरी ढर्रे में भारी और आश्चर्यकारी परिवर्तन हो सकता है। वाल्मीकि और अंगुलिमाल जैसे भयंकर डाकू क्षण भर में परिवर्तित होकर इतिहास प्रसिद्ध संत बन गये। गणिका और आम्रपाली जैसी वीरांगनाओं को सती-साध्वी का प्रातः स्मरणीय स्वरूप ग्रहण करते देर न लगी। वामित्र और भतृहरि जैसे विलासी राजा उच्च कोटि के योगी बन गये। नृशंस अशोक बौद्ध धर्म का महान प्रचारक बना। तुलसीदास की कामुकता का भक्ति भावना में परिणत हो जाना प्रसिद्ध है। ऐसे असंख्य चरित्र इतिहास में पढ़े जा सकते हैं। छोटी श्रेणी में छोटे-मोटे आश्चर्यजनक परिवर्तन नित्य ही देखने को मिल सकते हैं। इससे स्पष्ट है कि जीवन का बाहरी ढर्रा जो चिर प्रयत्न से बना हुआ होता है, विचारों में भावनाओं में परिवर्तन आते ही बदल जाता है। मित्र को शत्रु बनते, शत्रु को मित्र रूप में परिणत होते, दुष्ट को संत बनते, संत को दुष्टता पर उतरते, कंजूस को उदार, उदार को कंजूस, विषयी को तपस्वी, तपस्वी को विषयी बनते देर नहीं लगती। आलसी उद्योगी बनते हैं और उद्योगी आलस्यग्रस्त होकर दिन बिताते हैं। दुगरुणियों में सद्गुण बढ़ते और सद्गुणी में दुगरुण उपजते देर नहीं लगती। इसका एकमात्र कारण इतना ही है कि उनकी विचारधारा बदल गई, भावनाओं में परिवर्तन हो गया। संसार का जो भी भला-बुरा स्वरूप हमें दृष्टिगोचर हो रहा है, समाज में जो कुछ भी शुभ-अशुभ दिखाई पड़ रहा है, व्यक्ति के जीवन में जो कुछ उत्कृष्ट-निकृष्ट है, उसका मूल कारण उसकी अंतःस्थिति ही होती है। धनी-निर्धन, रोग-नीरोग, अकाल मृत्यु-दीर्घ जीवन, मूर्ख-विद्वान, घृणित-प्रतिष्ठत और सफल-असफल का बाहरी अंतर देखकर उसके व्यक्तित्व का मूल्यांकन किया जाता है। यह बाहरी भली-बुरी परिस्थितियां मनुष्य के मनोबल, आस्था और अंतःप्रेरणाओं की प्रतीक हैं। भाग्य यदि कभी कुछ करता होगा तो निश्चय ही उसे पहले मनुष्य की मनोरुचि में ही प्रवेश करना पड़ता होगा, जिसकी अंतःगतिविधियां सही दिशा में चलने लगीं हैं। किंतु जिसका मानसिक स्तर चंचलता, अवसाद, अवास, आलस्य, आवेश, दैन्य आदि से दूषित हो रहा है, उसके लिए अच्छी परिस्थितियां और अच्छे साधन उपलब्ध होने पर भी दुर्गति का ही सामना करना पड़ेगा।

ईरान एक सीख भी है और सबक भी

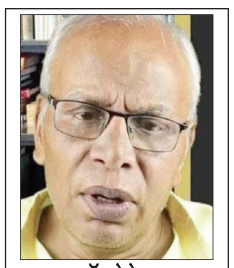

डॉ योगेन्द्र

दुनिया में अजीबोगरीब खेल हो रहे हैं। लोग अपने अपने तरीकों से इस खेल की व्याख्या करते हैं। बांग्लादेश, नेपाल और श्रीलंका में विद्रोह हुए और शांत हुए। ईरान में यह विद्रोह जारी है। 1979 में इस्लामी क्रान्ति के बाद अयातुल्ला खुमैनी शासक बने और ईरान को इस्लामिक देश बना दिया। उनके जाने के बाद खामेन ई ईरान पर काबिज हुए और पिछले 46 वर्षों से वे शासक बने हुए हैं। ईरान का एक रक्तरंजित इतिहास रहा है। पहले यह देश फारस के नाम से जाना जाता था, जो सातवीं सदी में इस्लाम के प्रवेश के बदलने लगा। सातवीं सदी में ही इस्लाम से डर कर कुछ लोग गुजरात आये, जो पारसी के रूप में पहचाने जाते हैं। 1979 के बाद भी यहां विद्रोह होते रहे, लेकिन 2022 में महसा अमीनी की हत्या हिरासत में कर दी गई तो स्त्रियों ने ह्य औरत, आजादी और जिंदगी ह्य के नाम से आंदोलन किया। वे हिजाब और औरतों पर ढाये जा रहे जुल्म के खिलाफ थी। अभी जो आंदोलन चल रहा है, उसके पीछे ईरान की मुद्रा रियाल में भारी गिरावट, महंगाई और बेरोजगारी है। लोग यह भी चाहते हैं कि लोकतांत्रिक व्यवस्था देश में कायम हो। इस विद्रोह में अनेक लोग मारे गए हैं। 28 दिसंबर 25 से शुरू हुए इस आंदोलन को अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप का पूरा समर्थन है।

1979 में जब ईरान को राजशाही से मुक्त किया गया तो जनता को बहुत सी उम्मीदें थीं। जिन्हें धार्मिक कट्टरता में विश्वास था, वे अतिरिक्त रूप से उत्साही थे। उन्हें लगता था कि इस्लाम सारी समस्याओं को खत्म कर देगा, लेकिन न ऐसा होना था, न हुआ। पाकिस्तान भी इस्लामिक देश है और समस्याओं से घिरा हुआ है। धर्म मनुष्य की एक कमजोर नस है, जिसे सहला कर सत्ता तो प्राप्त कर सकते हैं, लेकिन बुनियादी समस्याओं को सुलझा नहीं सकते। जो देश धार्मिक बन गये हैं, उस देश की जनता लोकतांत्रिक शासन चाहती है। और जो देश धार्मिक बन नहीं पाया, उस देश में धार्मिक कट्टरता सत्ता दिला रही है। उसके शासक धार्मिक चिह्न धारण कर जनता को भड़का रहे हैं। ईरान का विद्रोह एक चेतावनी भी है। सत्ता का काम जनता की बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा करना है, न कि धर्म प्रचार करना। ईरान की मुद्रा रियाल में अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भारी गिरावट आई। धार्मिक शासक कुछ नहीं कर पाया। स्त्रियां हिजाब नहीं पहनना चाहतीं, तो पुरुष सत्ता धर्म के नाम पर उसकी आजादी नहीं छीन सकती। अफगानिस्तान से भी इस तरह की डरावनी खबरें आती रहती हैं। आजादी के दौरान जिन्ना ने इस्लाम को हवा दी। उसे पाकिस्तान की सत्ता तो मिल गई, लेकिन आज भी न वहां शांति है, न यहां। जिन्ना को तो पाकिस्तान मिला, लेकिन सावरकरपंथी आज भी तरस रहे हैं। वे संविधान के दायरे में ही सत्ता पर काबिज हैं, लेकिन खुलेआम मनुस्मृति टाइप संविधान को लागू नहीं कर पा रहे। उनकी ख्वाहिश जरूर है। ऐसे लोग ईरान से सबक लें। ईरान में विद्रोह के जो कारण मौजूद हैं, वही कारण भारत में भी मौजूद हैं।? बेरोजगारी, महंगाई, रूपए के मूल्य में भारी गिरावट, भ्रष्टाचार और पूंजीपतियों से सरकार का अनूठा गठबंधन। राष्ट्रपति ट्रंप ईरान में जनता को उकसा रहा है तो भारत के प्रधानमंत्री को धमका रहा है। आसन्न खतरे को देखते हुए हमें आंतरिक रूप में

मजबूत होना है। धार्मिक कट्टरवाद देश को तबाह कर देगा , जैसे ईरान, पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान तबाह हो रहा है। भारत के प्रधानमंत्री और उनके समर्थकों को यह समझ लेना चाहिए कि जनता ने उन्हें सत्ता अच्छे दिन लाने के लिए सौंपी थी, न कि धार्मिक तांडव करने के लिए। दुनिया में वही देश तरक्की कर रहा है, जिस देश में धार्मिक हस्तक्षेप कम से कम है। चाहे अमेरिका हो, या चीन, जापान या रूस।

ग्लोबल वार्मिंग की चेतावनी अब हकीकत बन चुकी है

सुनील कुमार महला

यूरोपीय संघ की कोपरनिकस जलवायु परिवर्तन सेवा (सी3एस) द्वारा जलवायु परिवर्तन को लेकर आई हालिया रिपोर्ट में गंभीर चेतावनी...

धरती का तापमान लगातार बढ़ रहा है और इसके दुष्परिणाम अब पूरी दुनिया में स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगे हैं। इसी क्रम में यूरोपीय संघ की कोपरनिकस जलवायु परिवर्तन सेवा (सी3एस) ने 14 जनवरी 2026 को जलवायु परिवर्तन को लेकर गंभीर चेतावनी जारी की। रिपोर्ट के अनुसार, यह इतिहास में पहली बार हुआ है जब लगातार तीन वर्षों-2023, 2024 और 2025 के दौरान वैश्विक औसत तापमान पूर्व-औद्योगिक स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहा। वर्ष 2025 रिकॉर्ड में तीसरा सबसे गर्म वर्ष रहा, जो वर्ष 2023 से 0.01 डिग्री सेल्सियस और 2024 से 0.13 डिग्री सेल्सियस ठंडा था। गौरतलब है कि वर्ष 2024 सबसे गर्म और वर्ष 2023 दूसरा सबसे गर्म वर्ष रहा, जबकि पिछले 11 वर्ष अब तक के सबसे गर्म वर्षों की सूची में शामिल हैं।

रिपोर्ट में बताया गया है कि वर्ष 2025 में अंटार्कटिका ने अब तक का सबसे गर्म साल दर्ज किया, जबकि आर्कटिक क्षेत्र दूसरे स्थान पर रहा। तापमान में इस असामान्य वृद्धि के कारण दुनिया भर में भीषण तबाही देखने को मिली। भारत और पाकिस्तान में मानसूनी बारिश और बाढ़ से एक हजार से अधिक लोगों की जान गई। वैज्ञानिकों ने इस गर्मी के लिए दो प्रमुख कारण बताए हैं—पहला, ग्रीनहाउस गैसों जैसे कार्बन डाइऑक्साइड, मीथेन, नाइट्रस ऑक्साइड, जलवाष्प, ओजोन और फ्लोरोन युक्त गैसों का लगातार बढ़ता उत्सर्जन, और दूसरा, अल-नीनो की सक्रियता के साथ महासागरों की सतह का रिकॉर्ड स्तर तक गर्म होना।

अल-नीनो एक प्राकृतिक जलवायु घटना है, जिसमें प्रशांत महासागर के मध्य और पूर्वी हिस्से का समुद्री सतही तापमान सामान्य से अधिक बढ़ जाता है, जिससे वैश्विक मौसम प्रणाली प्रभावित होती है। भारत में अल-नीनो के दौरान मानसून कमजोर पड़ सकता है, जिससे कम वर्षा, सूखा और अत्यधिक गर्मी की स्थिति बनती है, जबकि दुनिया के अन्य हिस्सों में भारी वर्षा और बाढ़ जैसी आपदाएँ देखने को मिलती हैं।

धरती के बढ़ते तापमान का ताजा उदाहरण उत्तराखंड का ओम पर्वत है, जो आमतौर पर जनवरी महीने में मोटी बर्फ की चादर से ढका रहता है। वर्ष 2026 में, लगभग 15,700 फीट की ऊँचाई पर स्थित यह पवित्र पर्वत शीतकाल के बीचों-बीच भी लगभग बर्फविहीन नजर आ रहा है। ऊँचे हिमालयी क्षेत्रों में पर्याप्त बर्फबारी न होने के कारण पर्वत का निचला और मध्य हिस्सा काला दिखाई दे रहा है। पहले अगस्त-सितंबर में बर्फ का न होना असामान्य माना जाता था, लेकिन अब जनवरी में भी यही स्थिति सामने आना जलवायु परिवर्तन की गंभीर चेतावनी है।

वर्ष 2025 में बढ़ते वैश्विक तापमान के कारण पृथ्वी पर भारी तबाही देखी गई। औद्योगिक क्रांति से पहले के स्तर की तुलना में औसत वैश्विक तापमान लगभग 1.47 से 1.48 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा, जिससे यह वर्ष अब तक का तीसरा सबसे गर्म साल बन गया। इसके परिणामस्वरूप हीटवेव, बाढ़, तूफान और सूखे जैसी आपदाओं से वैश्विक आर्थिक नुकसान 120 बिलियन डॉलर से अधिक पहुँच गया। अकेले कैलिफोर्निया की जंगल की आग से लगभग 60 बिलियन डॉलर का नुकसान हुआ और 400 से अधिक लोगों की जान चली गई।

एशिया में भारत और पाकिस्तान की बाढ़ ने लगभग 1,860 से अधिक लोगों की मौतें दर्ज कीं और करीब 5.6 बिलियन डॉलर का आर्थिक नुकसान हुआ, जबकि पाकिस्तान में 70 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए। एक प्रतिष्ठित पत्रिका के अनुसार, भारत में 2025 के पहले 11 महीनों में 334 में से 331 दिनों पर कहीं न कहीं चरम मौसम की घटनाएँ दर्ज की गईं। इन घटनाओं में लगभग 4,419 लोगों की मौत हुई, 1.74 करोड़ हेक्टेयर फसल बर्बाद हुई और 1.81 लाख से अधिक घरों को नुकसान पहुँचा।

भारत के पर्वतीय क्षेत्रों में ग्लोबल वार्मिंग का असर और भी तेजी से दिखाई दे रहा है। हिंदू कुश हिमालय क्षेत्र में तापमान वृद्धि की दर वैश्विक औसत से अधिक है, जिसके कारण ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, लद्दाख के जांस्कर क्षेत्र में स्थित डुरुंग-द्रुंग ग्लेशियर 2015 से 2023 के बीच लगभग 165 मीटर पीछे हट चुका है। डाउन टू अर्थ पत्रिका के अनुसार, हिंदू कुश हिमालय क्षेत्र के ग्लेशियर 2011 से 2020 के दौरान पिछले दशक की तुलना में 65 प्रतिशत तेजी से सिकुड़े हैं, और यदि तापमान 2 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ता है तो सदी के अंत तक लगभग 45 से 50 प्रतिशत बर्फ समाप्त हो सकती है।

ग्लेशियर और बर्फ पहाड़ों में जल का प्राकृतिक भंडार होते हैं। सर्दियों की बर्फ धीरे-धीरे पिघलकर साल भर नदियों को पानी देती है, लेकिन बढ़ते तापमान के कारण अब बर्फ कम गिर रही है और जल्दी पिघल भी रही है। बर्फ की जगह बारिश हो रही है, जो तुरंत बह जाती है, जिससे बारिश और बर्फ का संतुलन बिगड़ रहा है। डाउन टू अर्थ के अनुसार, वर्ष 2100 तक सर्दियों में बर्फबारी लगभग 25.8 प्रतिशत और वसंत में लगभग 54.1 प्रतिशत तक कम हो सकती है, जिससे भविष्य में जल संकट, सूखा और अचानक बाढ़ जैसी समस्याएँ और गंभीर होंगी।

हिमालयी ग्लेशियरों से निकलने वाला पानी गंगा, ब्रह्मपुत्र और सिंधु जैसी प्रमुख नदियों का आधार है। बर्फ में कमी का सीधा अर्थ है गर्मियों में नदियों में कम पानी, गिरता भूजल स्तर और कृषि पर बढ़ता संकट। आज उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और लद्दाख जैसे क्षेत्रों में जलस्त्रोत सूख रहे हैं, जिससे गाँवों का परित्याग, कृषि संकट और आजीविका पर खतरा बढ़ रहा है।

ग्लोबल वार्मिंग का प्रभाव अब केवल पर्वतीय क्षेत्रों तक सीमित नहीं रहा है। भारत के मैदानी, तटीय और शहरी इलाकों में भी इसके दुष्परिणाम स्पष्ट हैं। वर्ष 2025 में देशभर में 270 से अधिक दिनों तक चरम मौसम की घटनाएँ दर्ज की गईं। फरवरी 2025 पिछले 124 वर्षों में सबसे गर्म महीना रहा, जबकि गर्मी के मौसम में भारत-पाकिस्तान क्षेत्र में कई स्थानों पर तापमान 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुँच गया। एक अध्ययन के अनुसार, भारत के 85 प्रतिशत से अधिक जिले अब बाढ़, सूखा और चक्रवात जैसी चरम जलवायु घटनाओं के जोखिम में हैं।

इन लगातार बढ़ते प्रभावों के चलते ग्लोबल क्लाइमेट रिस्क इंडेक्स-2026 में भारत को दुनिया के सबसे अधिक प्रभावित देशों में नौवाँ स्थान मिला है। संक्षेप में, यह स्पष्ट है कि ग्लोबल वार्मिंग अब केवल तापमान वृद्धि तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह मानव जीवन, कृषि, जल संसाधन, बुनियादी ढाँचे और अर्थव्यवस्था पर गहरा और विनाशकारी प्रभाव डाल रही है। वर्ष 2025 इस बात का स्पष्ट संकेत है कि यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो यह संकट भविष्य में और अधिक भयावह रूप ले सकता है।

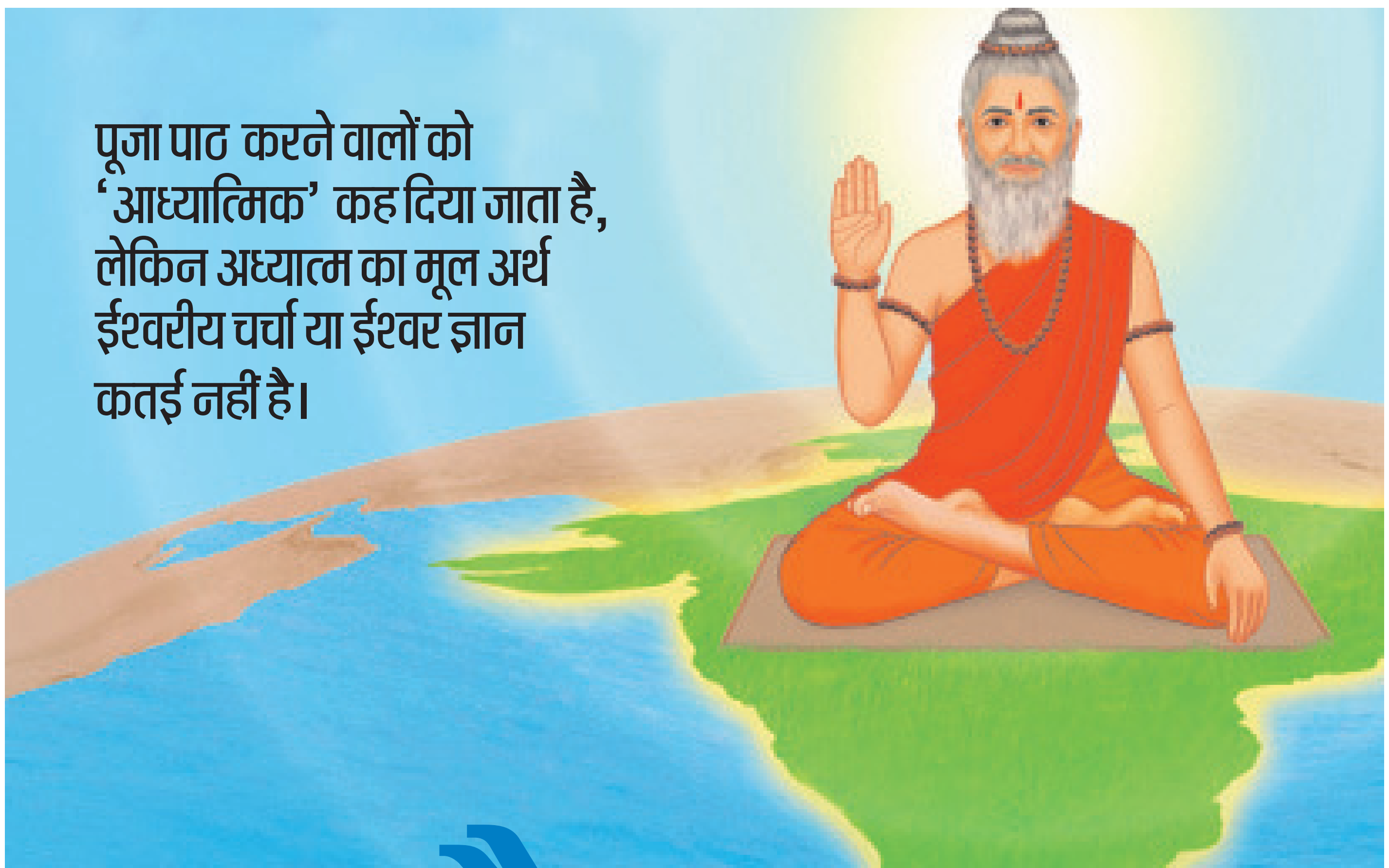

पूजा पाठ करने वालों को 'आध्यात्मिक' कह दिया जाता है, लेकिन अध्यात्म का मूल अर्थ ईश्वरीय चर्चा या ईश्वर ज्ञान कतई नहीं है।

क्या है अध्यात्म

गीता के अध्याय 8 की शुरुआत अर्जुन के प्रश्नों से होती है, पूछते है 'हे पुरुषोत्ताम! वह ब्रह्म क्या है? अध्यात्म क्या है? और कर्म के माने क्या है?

(अध्याय 8 श्लोक1, लोकमान्य तिलक का अनुवाद, गीता रहस्य पृष्ठ 489)

मूल श्लोक है ' किं तद् ब्रह्मं किम् अध्यात्मं किं कर्म पुरूषोत्ताम'।

प्रश्न सीधा है। यहां ब्रह्म की जिज्ञासा है, ब्रह्म ईश्वरीय जिज्ञासा है।

अध्यात्म ईश्वर या ब्रह्म चर्चा से अलग है। इसीलिए अध्यात्मक का प्रश्न भी अलग है।

कर्म भी ईश्वरीय ज्ञान से अलग एक विषय है। इसलिए कर्म विषयक प्रश्न भी अलग से पूछा गया है। श्रीकृष्ण कहते हैं

'अक्षरं ब्रह्म परमं, स्वभावों अध्यात्म उच्यते '

परम अक्षर अर्थात् कभी भी नष्ट न होने वाला तत्व ब्रह्म है और प्रत्येक वस्तु का अपना मूलभाव (स्वभाव) अध्यात्म है।

'परम अक्षर (अविनाशी) तत्व ही ब्रह्म है। स्वभाव अध्यात्म कहा जाता है।' (गीता नवनीत, पृष्ठ 175)

पारलौकिक विश्लेषण या दर्शन नहीं

अध्यात्म का शाब्दिक अर्थ है ' 'स्वयं का अध्ययन-अध्ययन-आत्म।

विद्वतजनों ने अध्यात्म की सुसंगत व्याख्या की है, 'इसका तात्पर्य यह है कि जो अपना भाव अर्थात् प्रत्येक जीव की एक-एक शरीर में पृथक पृथक सत्ता है, वही अध्यात्म है।

समस्त सृष्टिगत भावों की व्याख्या जब मनुष्य शरीर के द्वारा (शारीरिक संदर्भ लेकर) की जाती है तो उसे ही अध्यात्म व्याख्या कहते हैं।

गीता में श्रीकृष्ण कहते हैं

'स्वभावो अध्यात्म उच्यते'

स्वभाव को अध्यात्म कहा जाता है।

बड़ा प्यारा है 'स्व '

स्व शब्द से कई शब्द बने हैं। 'स्वयं' शब्द इसी का विस्तार है। स्वार्थ भी इसी का हितैषी है। स्वानुभूति अनुभव विषयक 'स्व' है। सभी प्राणी मरणशील हैं, जब तक जीवित हैं, तब तक स्व हैं, तभी तक सुख हैं, संसार है, जिज्ञासाएं हैं, प्रश्न हैं। विज्ञान और दर्शन के अध्ययन है। प्रत्येक 'स्व' एक अलग इकाई है।

स्व की अपनी काया देह है, अपना मन है, बुध्दि है, विवेक है, दृष्टि है विचार हैं। इन सबसे मिलकर भीतर एक नया जगत् बनता है। इस भीतरी जगत् की अपनी निजी अनुभूति है, प्रीति और रीति भी है।

अपने प्रियजन हैं, अपने इष्ट हैं। इन सबसे मिलकर बनता है 'एक भाव' इसे 'स्वभाव' कहते हैं।

स्वभाव नितांत निजी वैयक्तिक अनुभूति होता है लेकिन स्वभाव की निर्मिति में मां, पिता, मित्र परिजन और सम्पूर्ण समाज का प्रभाव पड़ता है। स्वभाव निजी सत्ता और प्रभाव बाहरी। जब स्वभाव प्रभाव को स्वीकार करता है, प्रभाव घुल जाता है, स्वभाव का हिस्सा बन जाता है। इसका उल्टा भी होता है, लेकिन बहुत कम होता है।

निजता को बचाने की इच्छा होती है स्वभाव में

निजता की रक्षा के प्रति अतिरिक्त सुरक्षा भाव भी होता है। निजता की रक्षा, निजता के प्रति विशेष संरक्षण सतर्क भाव ही 'स्वाभिमान' कहलाता है।

स्वाभिमान, स्वभाव, स्वार्थ और स्वयं की विशिष्टता के कारण ही स्वभाव पर प्रभाव की जीत नहीं होती। बेशक स्वभाव पर दबाव के कारण प्रभाव पड़ते है, स्वभाव तो भी बना रहता है।

'स्वभाव' अजर और अमर नहीं

स्वभाव वह एक इकाई है, एक दैहिक सत्ता (शरीर) है। विकास के क्रम में स्वभाव, स्वार्थ और स्वाभिमान का भी विकास होता है। कोरे निजी हित के स्वभाव वाले 'स्वार्थी' भी परिवार हित में निज स्वार्थ छोड़ते हैं।

'स्व' का भौगोलिक क्षेत्र

पहली परिधि और सीमा यह शरीर है। इसका स्वभाव, स्वार्थ और स्वाभिमान होता है। इसी का विस्तार ग्राम, राष्ट्र, विश्व के मनुष्य हैं। फिर सभी कीट पतंगो और वनस्पतियों को भी शामिल किया जा सकता है।

यहां स्व का भौगोलिक क्षेत्र बढ़ा है। फिर सूर्य, चन्द्र, पृथ्वी, अग्नि, जल, वायु और आकाश सहित समूचे ब्रह्माण्ड तक विस्तार होता है।

तुलसीदास ने 'परहित' को धर्म कहा- परहित सरिस धर्म नहि भाई।

यहां परहित स्वहित से बड़ा है। इसी तरह परहित से राष्ट्रहित, राष्ट्र हित से विश्वहित बड़ा है। लेकिन स्वार्थ तो भी है। स्व की सीमांए विश्व तक व्याप्त हो गई है, लेकिन अंतिम समूची मंजिल में ब्रह्माण्ड भी शामिल होता है। यहां स्व की सीमांए टूट जाती हैं।

यही स्व चरम पर पहुंचा और परम हो गया। इसी स्वार्थ का नाम अब परमार्थ होगा। स्वभाव भी अब परमभाव कहलाएगा।

कोरी ईश्वरीय चर्चा नहीं है अध्यात्म

अध्यात्म 'स्वभाव' को जानने की कैमिस्ट्री है। यह मानव मन की परतों का अजब गजब रासायनिक विश्लेषण है।

वृहदारण्यक उपनिषद् (2.3.4) में कहते हैं 'अध्यात्म का वर्णन किया जाता है 'अथ अध्यात्म मिदमेव'।

अर्थात् जो प्राण से और शरीर के भीतर आकाश से भिन्न है, यह मूर्त के, मर्त्य के इस सत् के सार हैं।

यहां अध्यात्म का विषय प्राण और आकाश को छोड़कर बाकी देह है।

शंकराचार्य के भाष्य के अनुसार 'आध्यात्मिक शरीराम्भकस्य कार्यस्यैष रस: सार: '

आध्यात्मिक शरीराम्भकस्य कार्यस्यैष रस: सार: ' अर्थात् आध्यात्मिक।

कहीं आपका पैसा न बहा ले जाए

घर के नल का टपकता पानी

इस युग में जहां हर कोई अपने घर का निर्माण और साज- सज्जा आधुनिक तौर पर करता है, वहीं इस बात का भी ध्यान रखता है कि किस चीज को कहां व्यवस्थित करनी है और किस वस्तु को कैसे उपयोग करना है। आइए जानते हैं कि किन -किन वस्तुओं का कैसे रखना है-

टपकते नल को ठीक कराएं- फेंगशुई में जल को संपत्ति माना गया है। यदि आपके घर का कोई भी नल लगातार टपक रहा हो तो उसकी तुरंत मरम्मत कराएं, क्योंकि ऐसा लगातार होना आपको आर्थिक क्षति पहुंचा सकता है।

घर में उत्तर दिशा को फूलों से सजाएं - आपके घर में उत्तर दिशा का क्षेत्र आपके जीवन की प्रगति और सुअवसरों से संबंधित है। इस क्षेत्र में सफेद रंग के कृत्रिम फूलों से भरा हुआ लोहे अथवा स्टील का फूलदान रखिए। इससे यह क्षेत्र समृद्ध होगा।

लाल रंग के बॉर्डर में फोटो मढ़वाएं- दक्षिण दिशा का तत्व अग्नि है और उससे जुड़ी है प्रसिद्धि। लाल रंग अग्नि का प्रतीक है। आप लाल रंग के बॉर्डर में अपना कोई अच्छा सा फोटो मढ़वाएं और दक्षिण क्षेत्र में लगाएं। आपकी प्रतिष्ठा और साख बढ़ाने का यह अच्छा उपाय है।

उत्तर-पूर्व दिशा में ग्लोब रखें- अपने घर की उत्तर-पूर्व दिशा में समूची पृथ्वी के प्रतीकस्वरूप ग्लोब रखें। इससे शिक्षा व ज्ञान में वृद्धि होती है। इस क्षेत्र का तत्व पृथ्वी है।

चीनी सिक्कों का करें उपयोग- धन संबंधी भाग्य को सक्रिय करने के लिए चीनी सिक्कों का उपयोग बहुत प्रभावशाली है। तीन सिक्कों को लाल रिबन में या लाल धागे में बांधकर अपने पर्स में रख सकते हैं। यह आपकी होने वाली आय का प्रतीक है। इन सिक्कों को उपहार में देना बहुत अच्छा माना जाता है। लाल धागा इन सिक्कों को सक्रिय करता है और उसमें से यांग ऊर्जा उत्पन्न होती है।

इच्छा और शक्ति

जीवन-ऊर्जा का मूल तत्व है और इसी से जीवन द्वारा ज्ञान और प्रेम की सर्वोच्चता स्वीकार नहीं करने का औचित्य व्यक्त होता है। प्रेम और ज्ञान दिव्य चेतना के एकमात्र आयाम नहीं हैं, बल्कि शक्ति भी उसका एक आयाम है। जिस तरह से मन ज्ञान के प्रति जिज्ञासा करता है, जिस प्रकार हृदय में प्रेम की अनुभूति होती है, उसी प्रकार जीवन-ऊर्जा भी, चाहे वह जितनी क्षीण या मंद हो, शक्ति की खोज और उसके द्वारा प्रदत्त नियंत्रण क्षमता हासिल करने के लिए अभिमुख होती है। किसी अस्वीकार्य वस्तु अथवा स्वभावत: भ्रष्ट करने वाली और बुराई की ओर ले जाने वाली चीज के रूप में शक्ति की निन्दा करना संस्कारबद्ध या धार्मिक मन की गलती है। भले ही बहुत से उदाहरण देकर इस मान्यता का औचित्य स्थापित करने का प्रयास किया जाता है, लेकिन वास्तव में यह एक अंधविश्वास और अविवेकपूर्ण मान्यता ही है। शक्ति का भ्रष्ट तरीके से इस्तेमाल और दुरुपयोग भले ही किया जाता हो, जैसा कि प्रेम और ज्ञान का भी किया जाता है, लेकिन वह दिव्य है और यहां उसे दिव्य उपयोग के लिए ही प्रदान किया गया है। शक्ति, इच्छा-शक्ति संसार को गतिशील रखने वाला दिव्य तत्व है और चाहे वह ज्ञान-शक्ति हो या प्रेम-शक्ति, जीवन-शक्ति हो या कर्म-शक्ति अथवा शारीरिक-शक्ति, अपने उद्गम में यह हमेशा आध्यात्मिक है और इसका चरित्र दिव्य है। अज्ञान में उसका उपयोग करने की बजाय अंत:प्रेरणा, जो कि अनंत और शाश्वत सत्ता की लय में कार्य करती है, के मार्गदर्शन में उसका उच्चतर सहज कर्म अथवा विशिष्ट कर्म के लिए उपयोग किया जाना चाहिए।

महर्षि अरविन्द के सत्य विचार हमें सतही बौद्धिकता से परे चेतना के दिव्य आध्यात्मिक लोक में ले जाते हैं। उनके विचार उपनिषद के सूत्रों की तरह सघन अर्थों से भरे होते हैं। प्रत्यक्ष और गहन अनुभूति से उत्पन्न होने के कारण उनके कथन अमूल्य रहे हैं।
आइए जानते हैं ऑरोविला के नायक इस महान दार्शनिक के सुविचार ...

दुनिया को चाहिए सच्चा मनुष्य

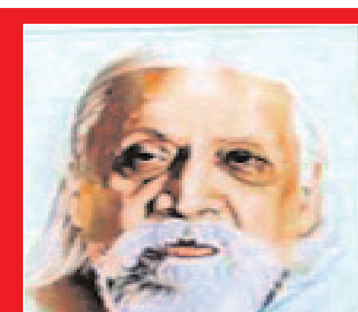

प्रेम और ज्ञान दिव्य चेतना के एकमात्र आयाम नहीं हैं, बल्कि शक्ति भी उसका एक आयाम है। जिस तरह से मन ज्ञान के प्रति जिज्ञासा करता है, जिस प्रकार हृदय में प्रेम की अनुभूति होती है, उसी प्रकार जीवन-ऊर्जा भी, चाहे वह जितनी क्षीण या मंद हो, शक्ति की खोज और उसके द्वारा प्रदत्त नियंत्रण क्षमता हासिल करने के लिए अभिमुख होती है।

श्री अरविन्द

- उच्च स्तर की अनुभूति हासिल करने के लिए मन के पार चेतना का उत्कर्ष होना आवश्यक है। इस उत्कर्ष के साथ अथवा इसके परिणामस्वरूप स्वयंभू सत्य का गतिशील अवतरण होना भी जरूरी है, जो कि मन से ऊपर सदा ही स्वयमेव प्रकाशित, शाश्वत रूप से, जीवन एवं पदार्थ की अभिव्यक्ति से पूर्व की स्थिति में विद्यमान रहता है।
- मन केवल खंडों में प्राप्त सत्य के अंशों को एक साथ जोड़कर उसे एक इकाई के रूप में सामने ला सकता है। मन का सत्य केवल अर्ध-सत्य अथवा किसी पहेली का एक अंश भर है। मानसिक ज्ञान हमेशा ही तुलनात्मक, आंशिक एवं अपूर्ण होता है और उससे प्रेरित कर्म और सृजन तो उससे भी अधिक दुविधापूर्ण और सीमित दायरे में आबद्ध रहता है और वह अपूर्ण अंशों के जोड़ से निर्मित होता है। जब हम इस सीमा को पार कर अधिक व्यापक प्रकाशमान चेतना एवं आत्म-ज्ञान के जगत में प्रवेश करते हैं, जहां दिव्य सत्य हमेशा ही स्थित रहता है, तब ही हमें अपने परम अस्तित्व और उसकी शक्तियों एवं कार्यों के अविनाशी एकीकृत सत्य के रहस्य का पता चल पाता है।
- अंत: प्रज्ञा की शक्ति अविकसित अवस्था में अधिकांशत: अस्पष्ट एवं आसक्त रूप से कार्य करती है अथवा तर्क एवं सामान्य बुद्धि के कार्य से प्राय: आच्छादित रहती है। जब तक यह स्पष्ट और स्वतंत्र रूप से कार्य करने नहीं लगती है, तब तक यह अनियमित, आंशिक, खंडित और आकस्मिक रूप से ही कार्य करती है। यह द्रुत प्रकाश की तरह अचानक कौंध कर कोई सुस्पष्ट सुझाव दे जाती है अथवा अत्यंत उपयोगी संकेत कर जाती है अथवा उससे संबंधित सहज बोध, द्युतिमान विवेक, अंत:प्रेरणा अथवा इलहाम को जगा जाती है और तर्क, इच्छा, मानसिक बोध या बुद्धि को हमारे अस्तित्व की गहराइयों या ऊंचाइयों से आए इस मदद के बीज का समुचित उपयोग करने के लिए छोड़ देती है।
- मन की उच्चतर स्थिति तब तक संपूर्ण अथवा निर्विकार नहीं हो सकती, जब तक कि क्षुद्र बुद्धि का विसर्जन नहीं हो जाता अथवा यह अपने ही अंतर्विकारों से मुक्त नहीं हो जाता। हमें बुद्धि और बौद्धिक कामना तथा अन्य क्षुद्र-क्रिया व्यापारों को पूरी तरह से नि:स्वर कर देना पड़ेगा और केवल अंत:प्रज्ञा से प्रेरित कर्म को ही सक्रिय होने का अवसर देना होगा अथवा अपने निकृष्ट कर्मों पर नियंत्रण रखते हुए उन्हें अंत:प्रज्ञा की सतत निगरानी में रूपांतरित करना होगा।
- वह शक्ति हासिल करने की कामना नहीं करनी चाहिए, जो तुम्हें अपने अधीन रखे, जो सब कुछ अपने मन के प्रयास से करने के बजाय किसी बाहरी शक्ति के द्वारा करवाने की क्षमता पर तुमको निर्भर बनाए।
- प्रज्ञावान मानस पहले की तुलना में केवल अधिक शक्तिशाली और अधिक दैदीप्यमान ही नहीं होगा, बल्कि वह उसी व्यक्ति के सामान्य मन के विकास से पूर्व की क्षमता से बहुत अधिक व्यापक संचालन शक्तियों से संपन्न भी होगा। इसलिए विकासशील अथवा विकसित सहज मन को बाह्य कुप्रभावों एवं अंतर्विकारों से हो सकने वाली किसी क्षति से बचाने के लिए सतत् सजग रहना होगा और मन को धीरे-धीरे संपूर्णत: अंत:प्रज्ञा से ओतप्रोत कर लेना होगा।
- प्रेम और ज्ञान दिव्य चेतना के एकमात्र आयाम नहीं हैं, बल्कि शक्ति भी उसका एक आयाम है। जिस तरह से मन ज्ञान के प्रति जिज्ञासा करता है, जिस प्रकार हृदय में प्रेम की अनुभूति होती है, उसी प्रकार जीवन-ऊर्जा भी, चाहे वह जितनी क्षीण या मंद हो, शक्ति की खोज और उसके द्वारा प्रदत्त नियंत्रण क्षमता हासिल करने के लिए अभिमुख होती है।
- हमारा व्यक्तिगत मानस वास्तविक आत्मा नहीं है। व्यक्तिगत मानस तो केवल एक रूप, एक आकृति भर है। जबकि हमारी वास्तविक आत्मा विराट, अनंत, सर्वव्यापी और सर्वाधार है। हमारे मन, जीवन एवं शरीर के मूल में जो आत्मा है, वही आत्मा सभी जीवों के मन, जीवन एवं शरीर के मूल में भी है। जब कभी हम उसके साथ एकरूप होते हैं तो उसके बाद पुन: जब हम उन जीवों की ओर देखते हैं तो चेतना के धरातल पर सभी एकाकार नजर आते हैं। यह सच है कि मन इस तरह की एकरूपता में बाधा डालता है। लेकिन सत्य को सीमित और खण्डित रूप में देखने की मन की प्रवृत्ति के बावजूद उसको एकात्मकारी सत्य की लय में सोचने के लिए प्रशिक्षित किया जा सकता है। इसलिए हमें ध्यान और एकाग्रता के द्वारा वस्तुओं एवं जीवों को भिन्न-भिन्न समझने की प्रवृत्ति को रोकने तथा सर्वत्र सभी चीजों की एकात्मकता के बोध का अभ्यास करना चाहिए।
- मानव का हृदय और मानस जीवन-उद्दीपनों के तंतुओं से गुंथी भावनाओं एवं आत्मा की तरंगों के मिले-जुले रंगों से बनी एक अनोखी चीज है, जिसमें अच्छी-बुरी, सुखद-दुखद, संतोषजनक, असंतोषजनक, कोलाहल, शांति, उद्वेलन-उदासीनता सभी समाए रहते हैं। जब तक यह बाह्य प्रभावों के कारण विक्षुब्ध और तरंगायित होता रहता है, तब तक वास्तविक शांति और शक्तियों की पूर्णता से यह अपरिचित रहता है। पवित्रता के द्वारा, समत्व के द्वारा, ज्ञान के प्रकाश के द्वारा और कामनाओं की समरसता के द्वारा उसे घनीभूत शांति एवं परिपूर्णता की स्थिति में लाया जा सकता है। इस परिपूर्णता के दो आयाम होते हैं। एक तरफ यह मधुर, मुक्त, मृदु, शांत और स्पष्ट होता है तो दूसरी तरफ उसमें दृढ़ता, प्रबलता और तीव्रता जैसे गुण भी होते हैं। दिव्यावस्था में सामान्य मानव के चरित्र और कर्म में भी हमेशा ये दो आयाम उभर कर सामने आ जाते हैं — मधुरता और दृढ़ता, मृदुता और शक्ति, सौम्य और रौद्र, सहनशीलता और समरसता, चेतना और प्रेरणा।
- हम जो हैं और हो सकते हैं, वह हमारे उस तरह के विश्वास और वैसा होने की इच्छा के कारण है, क्योंकि विश्वास महानतर सत्य की ओर अग्रसर एक इच्छामात्र है और वह हमारी संभावनाओं की कोई सीमा नहीं बांधता अथवा हमारी आत्मा के सर्वशक्तिमान होने की संभावना, जो मानव शरीर में क्रियाशील दिव्य शक्ति है, से इन्कार नहीं करता।

हेल्थ प्लस

व्यायाम से लौट सकती है चेहरे की कोमलता

हर किसी केजीवन में एक समय ऐसा जरूर आता है जब त्वचा की कुदरती चमक और लचीलापन धीरे-धीरे खत्म होने लगता है। इसके कई कारण हो सकते हैं- अचानक वजन घटाना, आपकी जीवन शैली, आपकी उम्र, आहार में पोषक तत्वों की कमी आदि। इन सभी कारणों में से अपने कारण को जानकर आप अपनी त्वचा की उचित देखभाल कर सकती हैं। दरअसल त्वचा के कोश उम्र बढने के साथ-साथ निस्तेज और निष्क्रिय होते जाते हैं, लेकिन उचित देखभाल और व्यायाम से ये कोश दोबारा सक्रिय और जीवित हो उठते हैं।

चेहरे और गले की झुर्रियां उचित और नियमित व्यायाम से दूर हो सकती हैं, लेकिन उचित देखभाल के लिए जरूरी है त्वचा को सही पोषण देना और उसकी कुदरती नमी लौटाना। इसके लिए दिन में दो बार त्वचा पर मॉयस्चराइजिंग क्रीम लगाना जरूरी होता है। इसके अलावा कुछ आवश्यक व्यायाम भी त्वचा की कोमलता और कसाव बनाए रखने में मदद करते हैं।

एक्सरसाइज करें

यहां बताई जा रहीं एक्सरसाइज डबल चिन, गले की ढीली त्वचा और झुर्रियों को दूर करने में मददगार साबित होंगी। इतना ही नहीं, ये त्वचा की मांसपेशियों की टोनिंग भी करेंगी।

- जमीन या कुर्सी पर सीधी बैठ जाएं। अपना सिर पीछे ले जाकर आसमान की ओर देखें। अपने होंठ बंद रखें और अपने मुंह को इस प्रकार चलाएं जैसे च्विंगम चबा रही हों। आप महसूस करेंगी कि आपके गले की और उसके आसपास की मांसपेशियां काम कर रहीं हैं। इस क्रिया को बीस बार दोहराएं। ऐसा करने से आपको बेहतर परिणाम मिलेंगे।
- जमीन या कुर्सी पर सीधी बैठ जाएं। अपना सिर पीछे की ओर ले जाएं और आसमान की ओर देखें। अपने होंठों को बंद रखें और आराम की मुद्रा में रहें। बहुत ज्यादा खिंचाव या कसाव न महसूस करें। अब अपने होंठों को इस प्रकार सिकोडें और फिर खींचें जैसे आप छत या आसमान को चूमना चाहती हैं। अपने होंठों को सिकोड कर मन में दस तक गिनें, फिर आराम की मुद्रा में आएं और अपना सिर वापस सीधा करें। ऐसा पांच बार करें।
- बेड पर सीधी लेट जाएं। अपना सिर बेड के किनारे पर जमीन की ओर लटकाएं। अब धीरे-धीरे अपना सिर ऊपर उठाएं और दस तक गिनते हुए अपने पंजों को देखने की कोशिश करें। फिर आराम की मुद्रा में आएं और अपना सिर फिर उसी अवस्था में लाएं। इस प्रक्रिया को पांच बार दोहराएं।
- सीधी बैठ जाएं अपना चेहरा सामने रखें। अपने होंठ खोलते हुए अपने दांतों को एक-दूसरे से सटाकर रखें और अपने जबडों को फैलाएं, ताकि आपके दांत जबडों से अलग होते हुए महसूस हो। एक बार जबडों को फैलाएं और एक बार उन्हें सिकोडने की कोशिश करें।

अपने रूप और लावण्य को अधिक समय तक कायम रखने के लिए शारीरिक व्यायाम की भांति नियमित रूप से फेशियल एक्सरसाइज की भी जरूरत होती है। इन्हें करने के लिए बहुत ज्यादा समय या मशक्कत की जरूरत भी नहीं पडती और ये आपकी त्वचा को टोन करने में मदद करते हैं। इनसे शरीर को जरूरी पोषण देने के लिए रक्त संचार भी बढता है और शरीर के हानिकारक पदार्थ बाहर निकल जाते हैं। एक माह के लिए यह फेशियल नियमित रूप से करने पर बेहतर परिणाम प्राप्त हो सकते हैं और चेहरे पर चमक और त्वचा का लचीलापन बरकरार रखने के लिए आप बाद में यह एक्सरसाइज हफ्ते में तीन बार भी कर सकती हैं। ये व्यायाम सिर्फ प्रौढ स्त्री के लिए ही नहीं हैं, इन्हें युवतियां भी कर सकती हैं ताकि उनके चेहरे पर उम्र का असर काफी समय बाद हो।

फल-सब्जियां खाएं मोटापा घटाएं

मोटापे से परेशान लोगों को सब्जियां और फल ज्यादा खाना चाहिए, क्योंकि इनमें प्रचुर मात्रा में पानी और फाइबर पाया जाता है। इससे पेट भी जल्दी भर जाता है और शरीर में कैलॉरी भी ज्यादा नहीं जा पाती। जबकि चीज, फ्रेंच फ्राइज, छोले-भटूरे, बर्गर, सैंडविच, समोसा, कचौरी और तली-भुनी चीजों की थोड़ी सी भी मात्रा लेने से शरीर को बहुत ज्यादा कैलॉरी मिलती है। डॉ. बारबरा रोल्स ने 20 बर्षो तक मेयोक्लिनिक (अमरीका) में भोजन की मात्रा और मोटापे पर अध्ययन किया। अध्ययन में शामिल लोग जब उनकी 'वाल्यूमैट्रिक्स लैब' में भोजन कर रहे होते हैं तब वे चुपके से उनकी फिल्म उतार लेती है। बाद में अध्ययन कर निष्कर्ष निकालती है कि खान-पान में शामिल किन वस्तुओं का भूख और वेट लॉस पर क्या प्रभाव पड़ता है।

बारबरा के अनुसार साग-सब्जियां और फल ज्यादा खाने वालों का वजन घटता है। अत: अपना वजन घटाना है, तो फल-सब्जियां ज्यादा खाइए और तली-भुनी चीजों पर कंट्रोल करिए।

गुणों से भरपूर अंगूर

अंगूर पौष्टिक, स्वादिष्ट और रक्तशोधक फल होता है। शारीरिक रूप से निर्बल लोगों के लिए अंगूर वरदान है। स्वस्थ स्त्री-पुरूष भी अगर अंगूर खाते हैं, तो उनमें शक्ति का विकास होता है। चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार अंगूर अनेक रोगों को नष्ट करता है। संस्कृत में अंगूर को 'द्राक्षा' कहा जाता है।

महर्षि चरक के मतानुसार अंगूर मे तृष्णा, ज्वर, श्वास, रक्तपित्त, क्षय, उदावर्त, स्वरभंग, उल्टी, सूजन, पीलिया, वातरक्त तथा वायु को नष्ट करने की क्षमता होती है। अंगूर के खाने से सभी स्त्री-पुरूष और बच्चों को भरपूर शक्ति मिलती है। किसी रोग से निर्बल हुए व्यक्ति के लिए तो अंगूर अत्यंत गुणकारी है, क्योंकि इसका पाचन भी शीघ्र ही हो जाता है। शारीरिक रूप से निर्बल स्त्री-पुरूष को थोड़े-थोड़े अंगूर खाने चाहिए, क्योंकि अधिक खा लेने से अतिसार (दस्त) होने का भय रहता है।

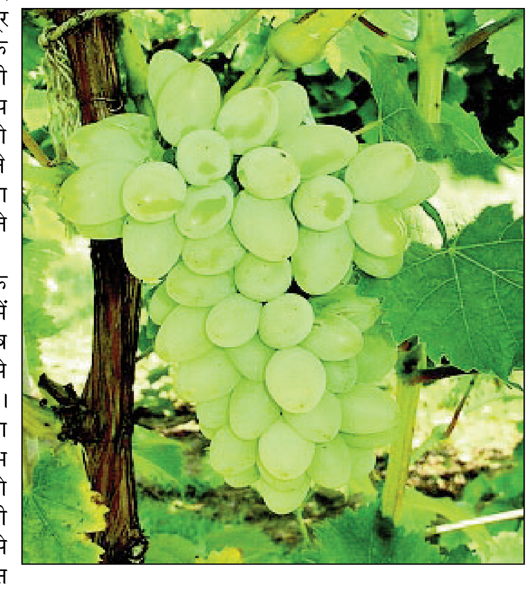

अंगूर अधिक विरेचक फल होता है। गर्भावस्था में युवतियां अंगूर का खूब उपयोग कर सकती है। इससे काफी शक्ति मिलती है। अंगूरों के सेवन से रक्ताल्पता (एनीमिया) में बहुत लाभ होता है। अंगूर गाढ़े रक्त को पतला करके शरीर के सभी अंगों में पहुंचाता है। इससे सभी मांसपेशियों को पर्याप्त रक्त मिलता है।

द्राक्ष में लौह की मात्रा कम होने पर भी पाण्डु रोग में यह बहुत ही उपयोगी है। इसमें अवस्थित मैलिक एसिड, साइट्रिक एसिड और टार्टारिक एसिड जैसे तत्त्व रक्त शुद्धि करते हैं। रक्त शोधक गुण के कारण अंगूर त्वचा के अनेक रोगों को दूर करके त्वचा को कोमल एवं सुंदर बनाता है। इसके सेवन से फोड़े-फुंसियों से मुक्ति मिलती है।

अंगूर के सेवन से वक्षस्थल के अनेक रोग नष्ट होते हैं। अंगूर सुपाच्य और रक्तवर्द्धक होने के साथ ही शीतवीर्य भी होता है। इस गुण के कारण अंगूर पित्त को भी शांत करता है। अंगूर मस्तिष्क को शीतलता प्रदान करता है तथा स्मरण शक्ति भी तेज बनाता है। अंगूर से नेत्रों को भी लाभ मिलता है। अंगूर के सेवन से स्त्रियों के सौंदर्य एवं आकर्षण में वृद्धि होती है।

विशेष रूप से दुबली-पतली व शारीरिक रूप से निर्बल लड़कियां अगर अंगूर का सेवन करती हैं तो उनके शरीर में रक्त के विकास से चेहरे पर लालिमा आ जाती है। प्रसव के बाद अंगूर का सेवन करने से गर्भावस्था की निर्बलता और रक्त की कमी नष्ट होती है। अजीर्ण, अग्निमाद्य और भोजन में अरूचि होने के स्थिति में अंगूरों के सेवन से पाचन किया तीव्र होकर भूख लगती है। अंगूरों (द्राक्षा) को सुखाकर बनाए गए मुनक्का को हल्का गर्म करके काला नमक और मिर्च लगाकर खाने से भूख बढ़ती है।

अमरीका की सुप्रसिद्ध चिकित्सक जोहाना ब्राण्ट ने अपनी पुस्तक 'दि ग्रेप क्योर' में लिखा है कि अंगूर के रस से मात्र डेढ़ माह में ही 'द्राक्षाकल्प' के माध्यम से आमाशय कैंसर के रोगी को रोगमुक्त करने में सफलता प्राप्त हुई।५० ग्राम मुनक्का को जल में डालकर रात में रख दें। सुबह उठकर उन्हें थोड़ा-सा मसलकर नमक डालकर खाने से उदर संबंधी अनेक विकार दूर होते हैं। पुरूषों में वीर्य शक्ति के साथ ही स्तम्भन शक्ति भी बढ़ती है।

दस ग्राम मुनक्का को दूध में उबालकर पीने से कब्ज नष्ट होता है। बार-बार चक्कर आने पर २० ग्राम मुनक्का को घी में भूनकर हल्का-सा सेंधा नमक मिलाकर खाने से लाभ होता है।

मधुमेह रोगियों को अंगूर नहीं खाना चाहिए, क्योंकि इसमें शर्करा की मात्रा अधिक होती है। ज्वर की अवस्था में भी अंगूर नहीं रोगी को अतिसार का रोगी भी बना सकता है। अंगूर के बेल की मोटी लकड़ी को जलाकर इस्तेमाल करने से वायु विकार नष्ट होते हैं। मूत्राशय की जलन और अवरोध भी नष्ट होता है। संधिशूल और अंडकोश की सूजन भी नष्ट होती है। स्त्रियों में ऋतुस्त्राव की अनेक विकृतियां भी इससे दूर हो जाती है। अंगूर के पत्ते, बेल, छाल आदि सभी गुणकारी होते हैं। बेल के पत्ते से अर्श (बवासीर) में बहुत लाभ मिलता है। बसंत के मौसम में बेल को काटने से जो रस निकलता है, उसे त्वचा पर लगाने से बहुत लाभ मिलता है।

कैसे बढ़ता है कैंसर

कोशिकाओं में ऊर्जा उत्पादन के लिए ग्लूकोज का उपयोग करने के दो तरीके हैं। एक में ऑक्सीजन का उपयोग होता है और भरपूर ऊर्जा पैदा होती है। दूसरे तरीके में ऑक्सीजन का उपयोग नहीं होता और ऊर्जा भी कम पैदा होती है। हाल के अनुसंधान से पता चला है कि कैंसर कोशिकाएं इस दूसरे अकार्यक्षम तरीके का उपयोग करती हैं। इसके लिए वे एक ऐसे एंजाइम को पुन: जागृत कर लेती हैं, जो आम तौर पर भ्रूणावस्था में सक्रिय होता है तथा बाद में निष्क्रिय पड़ा रहता है।

आमतौर पर हमारे शरीर की कोशिकाओं में ग्लूकोज के दहन का यह काम कोशिका के एक विशेष उपांग माइटोकॉण्ड्रिया में किया जाता है। सामान्य कोशिकाएं ग्लूकोज का उपयोग नई कोशिका के निर्माण के लिए पदार्थ (जैसे वसा या डीएनए) बनाने में नहीं करती। मगर कैंसर कोशिकाएं उल्टा काम करती है। वे ग्लूकोज प्राप्त होने पर ऊर्जा तो प्राप्त करती है मगर उसका ज्यादा उपयोग नई कोशिकाओं के लिए जरूरी है कि इसके लिए कोई एंजाइम मौजूद हो। अब हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के लुइम कैटली और उनके सहयोगियों ने इस एंजाइम का पता लगा लिया है-इसका नाम है पीकेएम-2 और यह वयस्क एंजाइम पीएमके-1 का भ्रूण रूप है।

कैंसर कोशिकाओं में यह पीएमके-2 पदार्थों के विघटन को रोक देता है। इस प्रकार से नई कोशिकाओं के निर्माण के लिए पदार्थ उपलाब्ध हो जाते हैं। कैंसर कोशिकाओं की यही तो विशेषता होती है- वे लगातार अनियंत्रित ढंग से नई कोशिकाएं बनाती चली जाती है। दरअसल कैंसर कोशिकाओं की इस विचित्रता को आज से करीब 80 साल पहले एक रसायन शास्त्री ओटो वार्बर्ग ने पहचाना था।

उन्होंने देखा था कि सामान्य कोशिकाओं के विपरीत कैंसर कोशिकाएं ऊर्जा उत्पादन का काम एक अकार्यक्षम तरीके ग्लायकोलिसिस के जरिए करती हैं। इस प्रक्रिया में ऑक्सीजन का उपयोग नहीं होता (आम कोशिकाएं ऑक्सीजन की अनुपस्थिति में कभी-कभार ग्लायकोलिसिस का उपयोग करती हैं मगर कैंसर कोशिकाएं पर्याप्त ऑक्सीजन होने पर भी इसी तरीके का उपयोग करती हैं)। वार्बर्ग का मत था कि यही फेरबदल कैंसर की शुरूआत करता है। अलबत्ता, इस वार्बर्ग प्रभाव को उस समय अनदेखा कर दिया गया था। अधिकांश लोगों का मत था कि वार्बर्ग प्रभाव कैंसर का कारण नहीं हैं बल्कि कैंसर का परिणाम है, मगर पिछले साल एक दवा विकसित की गई थी- डाईक्लोरोएसिटेट। यह दवा देने पर कोशिका का ऊर्जा उत्पादन वापिस सामान्य रूपसे माइटोकॉण्ड्रिया में होने लगता है। इससे चूहों में कैंसर को पलटने में मदद मिली है। अब डाईक्लोरोएसिटेट के इंसानी परीक्षण चल रहे हैं।

सिरदर्द

आपने कभी अपने सुबह अपने माथे को रगड़ते हुए बिताई है? जी हां, हम सिरदर्द की ही बात कर रहें है। डाक्टरों का मानना है। कि इस के पीछे चाहे जो भी कारण हो पर सब से बड़ी वजह है। शरीर में पानी की कमी से मस्तिष्क में पानी की कमी। हमारे मस्तिष्क का 3/4 हिस्सा पानी है। डिहाइड्रेशन की वजह से शरीर में साडियम व पोटाशियम का संतुलन गड़बड़ा जाता है।जिस से शरीर के दूसरे अंगों पर दबाव बढ़ता है और फिर सारा मैसेज मस्तिष्क तक पहुंचता है। मगर जब मस्तिष्क में पानी की कमी की वजह से सारी क्रि याएं ठीक ढंग से नहीं हो पातीं तो मस्तिष्क पर दबाव बढ़ जाता है। और आप सिरदर्द के शिकार हो जाते है। इस से बचने का एक तरीका है। कि ज्यादा से ज्यादा पानी पीया जाए। चायकौफी वगैरह कुछ देर तो सिरदर्द से आराम देंगे मगर ये शरीर में पानी की और कमी कर देंगे। पर्याप्त मात्रा में पानी पीना एकाग्रता भी बढ़ाता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): किसी से कहासुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजनो के सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान रहेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभांक-5-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-2-5

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-1-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मनोरथ सिद्धि का योग है। सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-5-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-6-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-4-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। शुभांक-5-6-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-6-7-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-5-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। स्वविवेक से कार्य करे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 1954

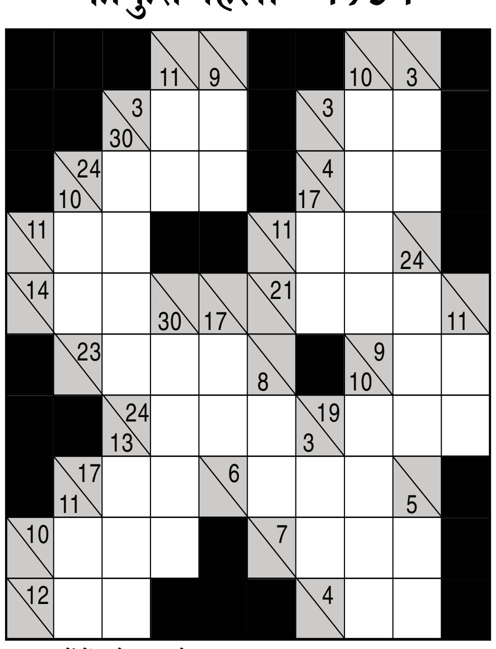

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुन: उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

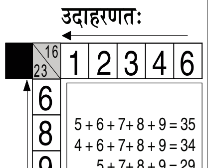

5 + 6 + 7 + 8 + 9 = 35
4 + 6 + 7 + 8 + 9 = 34
5 + 7 + 8 + 9 = 29
6 + 7 + 8 + 9 = 30

काकुरो - 1953 का हल

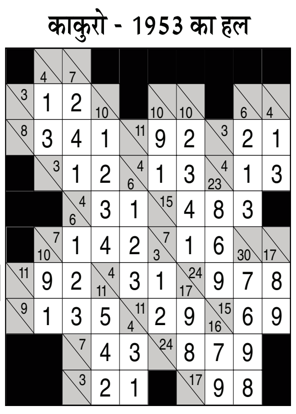

लॉफिंग ज़ोन

न्यायाधिश (चोर से)- एक ही रात में छह चोरियाँ करने का आरोप है। इस पर तुम्हें क्या कहना है?

चोर मुस्कुराते हुआ बोला- जी हुजूर! मेरे पूज्य ससुरजी कहा करते थे कि मेहनत से कभी भी जी नहीं चुराना चाहिए।

□ □ □

पिछले दिनों सड़क पर धूमधाम से बारात जा रही थी। घोड़े पर दूल्हे मियाँ के मुँह पर पट्टी बँधी थी।

एक राहगीर ने यह देखकर एक बाराती से पूछा : भैया, दूल्हे के मुँह पर पट्टी क्यों बँधी है?

बाराती ने मुस्कुराते हुए कहा- भाई साहब दूल्हा मोहल्ले का नेता है। वह भीड़ देखते ही भाषण देने लगता है।

□ □ □

एक बार प्रेमी और प्रेमिका डेटिंग पर गए। बहुत देर घूमने-फिरने के बाद वे एक नितांत स्थान पर बैठ गए। अपने आसपास किसी को न पाकर प्रेमी ने मौके का फायदा उठाना चाहा और प्रेमिका की गाल की ओर अपना मुँह बढ़ाते हुए बोला- चुम्बन क्या है?

शरारत भरे अंदाज में प्रेमिका बोली- चुम्बन! प्यार के गुप्त समझौते पर हस्ताक्षर है।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 1954

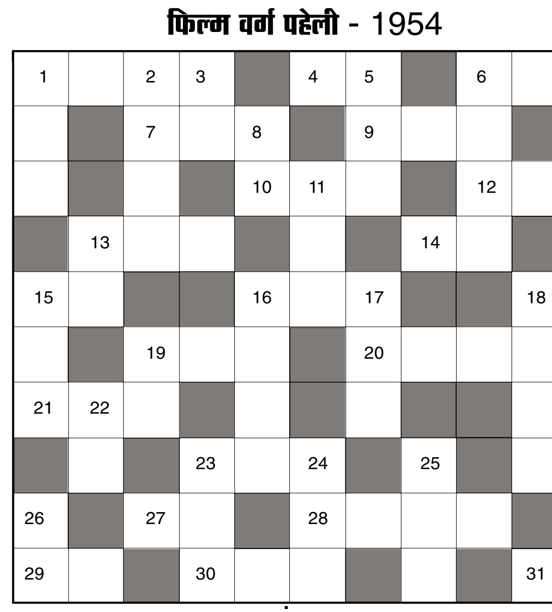

बायें से दायें:-

१. ऋषिकपूर, मनीषा की 'दिल की कही ना जाए' गीत वाली फिल्म-४
४. 'मैं नाचूँ बिन पायल' गीत वाली रितिक, करिश्मा, नेहा की फिल्म-२
६. कृतिका, सोनू की 'सुबह सुबह जब खिड़की' गीत वाली फिल्म-२
७. 'तेरी गलियों में ना' गीत वाली अनिल धवन, नीतूसिंह की फिल्म-३
९. फिल्म 'चोरी चोरी' में राजकपूर के साथ नायिका कौन थी-३
१०. फिल्म 'रणभूमि' में ऋषिकपूर के साथ नायिका कौन थी-३
१२. ऋषिकपूर, डिम्पल की 'मैं शायर तो नहीं' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'पिया तू अब तो आजा' गीत वाली फिल्म 'कारवाँ' का नायक-३
१४. प्रशांत, ऐश्वर्या की 'कोलंबस कोलंबस' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली मनोज वाजपेयी, तब्बू की फिल्म-२
१६. जैकी, जूही, अमृता की 'गोरिया रे गोरिया रे' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'दम भर जो उधर मुँह फेरे' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-३
२०. धर्मेन्द्र, हेमा की 'ए बी सी डी छोड़ो' गीत वाली फिल्म-२,२
२१. 'यादें' में रितिक की नायिका -३
२३. अमिताभ, मौसमी की 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'मेरी जाँ प्यार करो' गीत वाली मिथुन, पद्मिनी, रंजीता की फिल्म-२
२८. शत्रुध्न, मिथुन, हेमा, अनिल राज की 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली फिल्म-४
२९. 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली देवआनंद, माला की फिल्म-२
३०. 'अगर जिंदगी हो तेरे संग हो' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'चंदा ने दी चाँदनी' गीत वाली जीतेंद्र, जयाप्रदा की फिल्म-१

ऊपर से नीचे:-

१. 'हँसदे हँसदे' गीत वाली कमल हासन, रवीना, मनीषा की फिल्म-३
२. अमिताभ, शाहरूख, उदय चोपड़ा, ऐश्वर्या, किम शर्मा, प्रीति की फिल्म-४
३. 'आजा आजा गिव मी ए' गीत वाली सलमान, रेवती की फिल्म-२
५. 'दिल क्यों धड़कता है' गीतवाली फिल्म-३
६. 'सुनिये तो रूकिये तो' गीत वाली शाहरूख, जूही चावला की फिल्म-२,२
८. फिल्म 'सवेरे वाली गाड़ी' में नायक-२
११. मिथुन, आदित्य, रेखा की 'मेरा नाम बिल्लू' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'अभी साँस लेने की' गीत वाली सलमान, सनी, करिश्मा की फिल्म-२
१५. सनी, मीनाक्षी, ममता की 'कोई जाए तो ले' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मेरे सपनों की रानी' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-४
१७. मिथुन, अतुल, पूजाभट्ट की 'तेरे बिन मैं कुछ' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'जीवन के सफर में राही' गीत वाली देवआनंद, नूतन की फिल्म-४
१९. 'कभी हाँ कभी ना' में सुचित्रा कृष्णामूर्ति के चरित्र का नाम-२
२२. 'सनम तेरी कसम' में नायिका कौन-२
२३. सनी, अमृता की 'तेरी तसवीर मिल गई' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'प्यार कोई खेल नहीं' की नायिका-३
२५. 'रूके रूके से' गीत वाली फिल्म जिसमें संजीव, शर्मिला थे-३
२६. फिल्म 'संन्यासी' में नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली - 1953

सूडोकु -1954

		4			9			
	2			8	4			
8						3		
							9	4
	3						7	
5	6							
		7						9
			2	5			8	
			6			2		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1953 का हल

5	9	1	2	8	4	3	6	7
6	4	2	3	5	7	9	1	8
8	3	7	9	6	1	4	2	5
4	7	5	8	2	6	1	9	3
3	6	9	7	1	5	8	4	2
1	2	8	4	3	9	7	5	6
7	5	6	1	9	8	2	3	4
9	8	3	5	4	2	6	7	1
2	1	4	6	7	3	5	8	9

शब्द पहेली - 1954

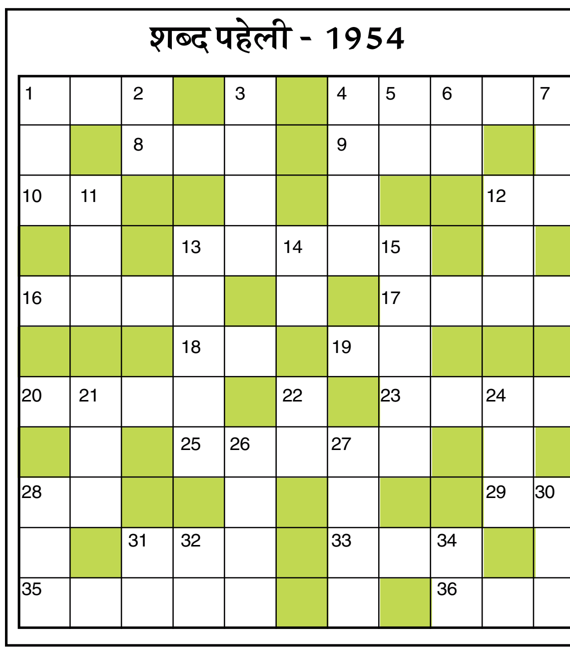

बाएँ से दाएँ

1.नियंत्रण,घोड़े की रास-3
4.पानी से सराबोर-5
8.अंधकार-3
9.आक्रमण-3
10.दम, सुट्टा-2
12.समय, वक्त-2
13.कहानी लेखक-5
16.अपराधी, गुंडा-4
17.आलोकित होना-4
18.उद्देश्य, मंजिल-2
19.छाती, सिलना-2
20.जागरण-4
23.सफल, उत्तीर्ण-4
25.पत्नी का नाना-2,3
28.मार्ग, रास्ता-2
29.जरा, थोड़ा-2
31.वैमनस्य-3
33.पाजेब-3
35.जरुरतमंद-3,2
36.गदर, क्रांति-3

ऊपर से नीचे

1.उत्साह-3
2.वोट,राय-2
3.हथियार, गोला-बारूद-4
4.सनसनी, रोमांच-4
5.एक विदेशी शराब-2
6.आफत, मुसीबत-2
7.उपपत्नी-3
11.बलिदानी-3
12.कार्य करने वाला-3
13.सिगरेट का सुट्टा मारना-2,3
14.पानी, जल-2
15.निर्माण करने वाला-5
21.प्रकार-3
22.उम्मीद, आशा-2
24.भिखारी-3
26.ख्यात,प्रसिद्ध-4
27.मदिरापान-4
28.मदद,आराम-3
30.इससे कच्ची शराब बनती है-3
31.उस समय-2
32.नागालैंड की एक जाति-2
34.अधर, होठ-2

शब्द पहेली - 1953 का हल

फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' पर विदेश मंत्रालय ने कहा- हमारा विषय नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। सलमान खान की आगामी फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' पर चीनी सरकारी मीडिया की आपत्ति पर विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि ऐसे मामलों में उसकी कोई भूमिका नहीं होती है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि हम समझते हैं कि इस तरह की फिल्म बनाने की योजना बनाई जा रही है। भारत में फिल्म बनाने से जुड़े मामलों को संबंधित अधिकारी देखते हैं। ऐसे मामलों में विदेश मंत्रालय की कोई भूमिका नहीं होती है। उल्लेखनीय है कि चीन के सरकारी मीडिया ने फिल्म पर आपत्ति जताई है। एक लेख में कहा गया है कि दोनों देशों के बीच रिश्तों में हो रहे सुधार के बीच इस तरह की फिल्में आना सही नहीं है। साथ ही, फिल्म में तथ्यों को सही तरीके से पेश नहीं किया गया है। सलमान खान की फिल्म 2020 में गलवान घाटी में भारत और चीन के बीच हुई सैन्य झड़प पर आधारित है। इसके चलते दोनों देशों के रिश्तों में करीब पांच साल तक खटास रही।

भारत में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी से लोकतंत्र में मजबूती आई : हरिवंश

नई दिल्ली। राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने कहा है कि भारत में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी से लोकतंत्र मजबूत हुआ है और शासन व्यवस्था अधिक पारदर्शी बनी है। उन्होंने यह बात संसद भवन के सेंट्रल हॉल में आयोजित राष्ट्रमंडल देशों के संसदों के अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों की 28वें सम्मेलन के दौरान कही। उपसभापति ने बताया कि भारत की तीन-स्तरीय शासन व्यवस्था- केंद्र, राज्य और स्थानीय निकाय में महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। खासतौर पर पंचायतों और नगर निकायों में महिलाओं की मौजूदगी से कामकाज में सुधार देखने को मिला है। उन्होंने कहा कि आज देश में करीब 15 लाख महिलाएं पंचायतों और नगर निकायों में निर्वाचित प्रतिनिधि के रूप में काम कर रही हैं, जो दुनिया में महिलाओं के राजनीतिक प्रतिनिधित्व का सबसे बड़ा उदाहरण है। हरिवंश ने कहा कि महिला नेतृत्व वाले स्थानीय निकायों में पारदर्शिता, जवाबदेही और निगरानी बेहतर हुई है। सरकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों तक सही तरीके से पहुंच रहा है। महिलाएं खासतौर पर पेयजल, स्वच्छता, स्वास्थ्य, शिक्षा और पोषण जैसे मुद्दों पर ज्यादा ध्यान दे रही हैं। उन्होंने बताया कि 73वें और 74वें संविधान संशोधन के तहत स्थानीय निकायों में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिया गया, जिसे कई राज्यों ने बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया है। हाल ही में पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम के तहत संसद और राज्य विधानसभाओं में भी महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है।

दिल्ली-एनसीआर में फिर बिगड़ी आबोहवा, ग्रैप 3 की पाबंदियां लागू

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर की आबोहवा एक बार खराब श्रेणी में पहुंच गई है। दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 354 पहुंच गया और आने वाले दिनों एक्यूआई 400 के पार होने की संभावना है। इसे देखते हुए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने ग्रैप तीन की पाबंदियां तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया है। ग्रैप तीन की पाबंदियों में बीएस-III पेट्रोल/बीएस-IV डीजल वाहनों पर बैन, निर्माण एवं विध्वंस कार्यों पर रोक, स्टोन क्रशर बंद, और डीजल जनरेटर के उपयोग पर पाबंदी शामिल है। साथ ही, प्राइमरी स्कूलों को बंद करने एवं दफ्तरों को वर्क फ्रॉम होम की सलाह दी जा सकती है। सीएक्यूएम ने ग्रैप तीन की पाबंदियां लागू करते हुए मीडिया को जारी एक बयान में कहा कि 15 जनवरी को शाम 4 बजे दिल्ली का एक्यूआई 343 था, जो 16 जनवरी को शाम 4 बजे बढ़कर 354 हो गया है। मौसम विभाग के अनुसार हवा की रफ्तार बहुत कम है और मौसम ऐसा है कि प्रदूषण फैल नहीं पा रहा, इसलिए आने वाले दिनों में एक्यूआई 400 से ऊपर जा सकता है, जो 'गंभीर ' श्रेणी में आता है। इसी को देखते हुए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने पूरे एनसीआर में ग्रैप के चरण-3 के सभी नियम तुरंत लागू करने का फैसला किया है। यह फैसला हवा को और ज्यादा खराब होने से रोकने के लिए एहतियातन लिया गया है। पहले से लागू स्टेज-1 और स्टेज-2 के नियम भी जारी रहेंगे।

दिल्ली विधानसभा ने पंजाब के एफएसएल डायरेक्टर को भेजा नोटिस

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा सचिवालय ने नेता प्रतिपक्ष आतिशी से जुड़े वीडियो मामले में पंजाब फॉरेंसिक साइंस लैबोरेटरी (एफएसएल) के डायरेक्टर को नोटिस जारी किया है। इसके अलावा आतिशी को कथित विशेषाधिकार उल्लंघन के संबंध में भी नोटिस जारी किया गया है और उनसे 19 जनवरी तक लिखित जवाब देने का अनुरोध किया गया है। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने अपने आवास पर पत्रकार वार्ता में कहा, विधानसभा सचिवालय द्वारा आज पंजाब एफएसएल के डायरेक्टर को नोटिस जारी किया गया है, जिसमें रिपोर्ट के आधार सहित विस्तृत उत्तर मांगा गया है। इसके लिए उन्हें 22 जनवरी तक का समय दिया गया है। इस मामले की विधिक प्रक्रिया में दिल्ली विधानसभा सदन किसी भी प्रकार के हस्तक्षेप की अनुमति नहीं देगा। उन्होंने कहा कि पूरे मामले की गंभीरता, दिल्ली विधानसभा की गरिमा तथा लोकतांत्रिक जवाबदेही को बनाए रखने की आवश्यकता को देखते हुए सदन का विशेष सत्र भी बुलाया जा सकता है।

घने कोहरे के कारण दिल्ली में उड़ानों में देरी, 177 ट्रेनें चल रही है लेट

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तर भारत में जारी शीतलहर के कारण शनिवार सुबह राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के बड़े हिस्से में छाए घने कोहरे ने रेल और हवाई यातायात को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। इंदिरा गांधी इंटरनेशनल (आईजीआई) एयरपोर्ट पर विजिबिलिटी कम होने से कई फ्लाइट्स में देरी हुई। वहीं, कोहरे और कम विजिबिलिटी के कारण कुल 177 ट्रेनें लेट चल रही हैं। दिल्ली एयरपोर्ट ने सुबह फ्लाइट ऑपरेशंस में देरी को लेकर एक एडवाइजरी जारी की है। एयरपोर्ट ने यात्रियों से कहा है कि यात्रियों को सलाह दी जाती है कि एयरपोर्ट जाने से पहले अपनी-अपनी एयरलाइंस से फ्लाइट के स्टेटस को चेक कर लें, क्योंकि कोहरे की वजह से ऑपरेशन पर बीच-बीच में असर पड़ सकता है। रेलवे की ट्रेन रनिंग

लिस्ट से प्राप्त जानकारी के मुताबिक कई ट्रेनें के दो से 8 घंटे तक लेट चल रही है। दिल्ली-एनसीआर में विजिबिलिटी कम होने के कारण दिल्ली आने-जाने वाली सभी प्रमुख ट्रेनों पर असर पड़ा है। प्रयागराज, लखनऊ, कानपुर, गाजियाबाद, मेरठ, आगरा और झांसी डिवीजन की ट्रेनों में भारी देरी दर्ज की गई। रेल अधिकारियों के अनुसार कोहरे की वजह से सिग्नलिंग और लोकेशन विजिबिलिटी प्रभावित होने से ट्रेनें नियंत्रित गति से चल रही हैं।भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने शीतलहर और घने कोहरे के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। हालांकि, आईएमडी ने बताया कि न्यूनतम तापमान में थोड़ी सुधार हुआ है, जो 16 जनवरी को 4°C था, वह 17 जनवरी की सुबह 7°C हो गया। इस बीच, दिल्ली की हवा की गुणवत्ता एक बड़ी चिंता बनी हुई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी में सुबह करीब 7 बजे एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 368 था, जो इसे बहुत खराब श्रेणी में रखता है।

सरकार ने सट्टेबाजी-जुआ से जुड़े 242 अवैध वेबसाइट लिंक किए प्रतिबंधित

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुआ खेलने के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। सरकार ने इससे संबंधित 242 गैर-कानूनी वेबसाइट लिंक को प्रतिबंधित कर दिया है। आधिकारिक सूत्रों ने दी जानकारी में बताया कि सरकार ने सट्टेबाजी और जुआ खेलने से संबंधित 242 अवैध वेबसाइट के लिंक को ब्लॉक कर दिया है। केंद्र का ये आदेश पिछले साल अगस्त में पैसे के इस्तेमाल वाले गेमिंग ऐप पर लगाए गए सरकारी प्रतिबंध के बाद आया है। जानकारी के मुताबिक ऑनलाइन गेमिंग अधिनियम पारित होने के बाद से अब तक 7,800 से अधिक अवैध सट्टेबाजी और जुआ से संबंधी वेबसाइट को बंद किया जा चुका है और प्रवर्तन कार्रवाइयों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।'' ये कार्रवाई उपयोगकर्ताओं, खासकर युवाओं की सुरक्षा और अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी एवं जुआ खेलने वाले मंचों से होने वाले वित्तीय और सामाजिक नुकसान को रोकने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को बताती है।

प्रयागराज माघ मेला: मौनी अमावस्या पर तीन दिन रहेगा रूट डायवर्जन

एजेंसी

प्रयागराज। विश्व प्रसिद्ध प्रयागराज माघ मेला के तीसरे प्रमुख स्नान पर्व मौनी अमावस्या पर शनिवार से तीन दिन तक वाहनों के आवागमन पर पूरी तरह से प्रतिबंध रहेगा। यह जानकारी पुलिस अधीक्षक (माघ मेला) नीरज कुमार पांडेय ने दी। उन्होंने बताया कि मौनी अमावस्या पर्व पर स्नान को लेकर यातायात पुलिस ने शनिवार से रूट डायवर्जन किया है। यह डायवर्जन रात 12 बजे से लेकर सोमवार दोपहर 12 बजे तक रहेगा। वहीं, शहर की सीमाओं पर भारी वाहनों के लिए नो-इंट्री लागू की गई है। सिर्फ माघ मेला से संबंधित वाहनों को ही शहर में प्रवेश दिया जाएगा, जबकि अन्य वाहनों को दूसरे मार्गों की तरफ मोड़ दिया जाएगा। दिल्ली एवं कानपुर से आने वाले भारी वाहन दिल्ली से आने वाले वाहनों को कानपुर थाना कल्यानपुर (फतेहपुर) अंतर्गत बक्सर मोड़ (शुक्ला ढाबा के पास), बक्सर गंगापुल चंद्रिका देवी मंदिर बक्सर गंगापुल लालगंज (रायबरेली), गुरुबक्शगंज-ढकिया चौराहा थाना हरचंदपुर मुंशीगंज थाना भदोखर सलोन रोड रायबरेली, लालगंज अझारा प्रतापगढ़-

भोपियामऊ, रानीगंज मुंगरा बादशाहपुर मछली शहर जौनपुर, जलालपुर फूलपुर, बाबतपुर एयरपोर्ट हरहुआ से रिंग रोड वाराणसी की तरफ जाने दिया जाएगा। वापसी में इसी मार्ग से होगी। बांदा एवं रीवा की तरफ जाने वाले वाहन फतेहपुर स्थित चौडगरा चौराहा से बिंदकी से बंधवा तिराहा, ललौली से चिल्ला होते हुए बांदा की ओर वाहन भेजे जाएंगे। वाहनों की वापसी भी इसी मार्ग से होगी। लखनऊ, रायबरेली, प्रतापगढ़, वाराणसी जाने वाले वाहन फतेहपुर से डलमऊ रायबरेली से ऊंचाहार सलोन लालगंज, भूपियामऊ चौराहा, रानीगंज, मुंगराबादशाहपुर, जौनपुर होते हुए वाराणसी भेजा जाएगा। वापसी का मार्ग भी यही रहेगा। कौशाम्बी कोखराज से भारी वाहन: कौशाम्बी कोखराज नवाबगंज बाईपास सोरांव बाईपास, हंडिया बाईपास औराई होते हुए वाराणसी में प्रवेश करेंगे।

महाराष्ट्र चुनाव में भाजपा की जीत मोदी की नीतियों पर जनता की मुहर : तरुण

एजेंसी

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के नगर निगम चुनावों में मिली अभूतपूर्व सफलता पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने प्रसन्नता व्यक्त की है। भाजपा ने कहा है कि इस जनादेश ने यह स्पष्ट कर दिया है कि जनता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीतियों, उनके राष्ट्रवाद और विकसित भारत के संकल्प को अपना आशीर्वाद दिया है। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग ने पार्टी मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में कहा कि जनता ने इंडी गठबंधन को वोट के माध्यम से नकार दिया है। उन्होंने कहा कि 26 मई 2014 से लेकर लगातार प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन निरंतर ऊंचाइयों की ओर बढ़ा है और आज भी भरपूर मात्रा में जनता का आशीर्वाद मिला है। आज महाराष्ट्र के भीतर नगर निकाय के चुनावों में मिले जनादेश ने यह स्पष्ट कर दिया है कि जनता ने प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों, उनके राष्ट्रवाद और विकसित भारत के संकल्प को अपना आशीर्वाद दिया है। उन्होंने कहा कि यह परिणाम राष्ट्रवादी

शक्तियों की जीत है और परिणाम आने से पहले ही राहुल गांधी ने पुराने राग को नए तरीके से अलापना शुरू कर दिया है। कभी कहते हैं ईवीएम गलत है, कभी चुनाव आयोग गलत है और कभी वोटर लिस्ट गलत है। राहुल गांधी के लिए संदेश साफ है कि गलत ईवीएम नहीं, बल्कि उनकी राजनीति गलत है, उनका इतिहास गलत है, उनकी हिमालयन मिस्टेक्स और उनकी नीतियां गलत हैं। चुग ने कहा कि भारत की जनता बहुत समझदार है और वह पहाड़ से लेकर सागर तक, चाहे गोविंदपुरम हो, मुंबई हो, पुणे की पहाड़ियां हों या भारत का कोई भी हिस्सा, हर जगह कांग्रेस और उसके गठबंधनों को लगातार सजा दे रही है। राहुल गांधी को आईना साफ करने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि आईना साफ करने से भी चेहरे पर लगे कालिख के निशान नहीं मिट सकते। वास्तव में वे अपनी हार का ठीकरा दूसरों पर फोड़ने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि उनके काले कारनामों पर देश की जनता, विशेषकर महाराष्ट्र की जनता उन्हें वोट की चोट से सजा दे रही है। यह यात्रा 26 मई 2014 से शुरू हुई, जो अब भी जारी है।

सभी पाठक नेता हों यह जरूरी नहीं लेकिन सभी नेता पाठक होते हैं : नौसेना प्रमुख

एजेंसी

नई दिल्ली। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने विश्व पुस्तक मेला में कहा कि सभी पाठक नेता हों यह आवश्यक नहीं है, लेकिन सभी नेता निश्चित रूप से पाठक होते हैं। उन्होंने युवाओं, विशेषकर 'किंडल पीढ़ी', को बड़ी संख्या में पुस्तक स्टॉलों की ओर उमड़ते देख प्रसन्नता व्यक्त की और इसे पठन संस्कृति के प्रति बढ़ते रुझान का सकारात्मक संकेत बताया।

नौसेना प्रमुख ने शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत द्वारा आयोजित इस मेले की सराहना की। उन्होंने कहा कि पुस्तकों और नेतृत्व के बीच गहरा संबंध है और पढ़ना केवल युद्धकालीन परिस्थितियों में ही नहीं बल्कि दैनिक जीवन की चुनौतियों से निपटने में भी मार्गदर्शक की भूमिका निभाता है। एडमिरल

त्रिपाठी ने लोगों से पढ़ने की आदत विकसित करने की अपील करते हुए कहा कि सोने से पहले केवल दो पन्ने पढ़ना भी व्यक्ति को बेहतर बना सकता है और किसी भी परिस्थिति का आत्मविश्वास के साथ सामना करने के लिए तैयार करता है।

मेला भ्रमण करने वाले विशिष्ट अतिथियों में केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, मिजोरम के राज्यपाल जनरल वीके सिंह और पंजाब के पूर्व राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित शामिल रहे। राजधानी के सर्द मौसम के बावजूद पुस्तक प्रेमियों की भारी भीड़ देखने को मिली। मेले के सातवें दिन अन्य दिनों की तुलना में अधिक भीड़ नजर आई और पुस्तकों की खरीदारी भी खूब हुई।

थीम पवेलियन में कमांडर कलेश मोहनन, लेफ्टिनेंट कमांडर अनुपमा थपलियाल और लेफ्टिनेंट जीवितेश सहारन द्वारा लिखित पुस्तक फोर्जड बाय द सी: द इंडियन नेवी स्टोरी का लोकार्पण नौसेना प्रमुख की उपस्थिति में किया गया। यह पुस्तक भारतीय नौसेना, नेवल हिस्ट्री डिवीजन, नेवल फाउंडेशन और राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के सहयोग से प्रकाशित की गई है। बारह अध्यायों में विभाजित इस पुस्तक में भारत की समुद्री विरासत से लेकर आधुनिक भारतीय नौसेना की संरचना, प्रमुख अभियानों, मानवीय सहायता और आपदा राहत कार्यों का विस्तृत विवरण दिया गया है। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के निदेशक युवराज मलिक ने सशस्त्र बलों को समर्पित इस पुस्तक के प्रकाशन को राष्ट्र-निर्माण से जुड़ा कार्य बताया। उन्होंने कहा कि भारतीय नौसेना के बलिदान, पराक्रम और पेशेवर अनुशासन का दस्तावेजीकरण आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगा।

विहिप ने केजीएमयू परिसर में बनी अवैध मजारें हटाने की मांग की

एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ स्थित किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) में लव जिहाद व धर्मान्तरण का मामला ठण्डा नहीं पड़ा है कि विश्व हिन्दू परिषद ने लैंड जिहाद का मुद्दा उठा दिया है। विहिप के प्रान्त संगठन मंत्री विजय प्रताप ने हिन्दुस्थान समाचार से कहा कि केजीएमयू लैंड जिहाद की चपेट में है। यह चिकित्सा शिक्षा का परिसर है। केजीएमयू को लव जिहाद एवं लैंड जिहाद का अड्डा नहीं बनने दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि केजीएमयू परिसर में बनी आधा दर्जन से अधिक अवैध मजारें सुरक्षा के लिए खतरा बनी हुई हैं। प्रान्त संगठन मंत्री ने कहा कि केजीएमयू के लव जिहाद के विषय को सबसे पहले विहिप ने उजागर किया एवं कार्यवाही की। आने वाले समय में विहिप शासन प्रशासन के सहयोग से इन मजारों को भी हटवाने का काम करेगा। विगत अप्रैल 2025 में केजीएमयू के नेत्र रोग विभाग के पीछे बनी मजार के पास से अतिक्रमण हटाने गयी टीम पर मुस्लिम समाज के लोगों ने हमला कर दिया था। इस हमले में कई चिकित्सक चोटिल भी हुए थे। इसके बाद पुलिस प्रशासन के सहयोग से नेत्र रोग विभाग के पीछे बनी मजार के पास बनी दर्जनों दुकानों को ध्वस्त किया गया था लेकिन मजार अभी भी खड़ी है। उस मजार पर अभी भी गतिविधियां संचालित हैं। इस मजार का परिसर 20 हजार स्क्वायर फिट का है। यहां गाड़ियां खड़ी होती हैं। केजीएमयू इस मजार को शिफ्ट कराने के प्रयास में है। ट्रामा सेन्टर एवं क्वीनमेरी में भी है मजार केजीएमयू के ट्रामा सेन्टर के बगल में दाहिनी ओर एक मजार बनी है। इसी तरह क्वीनमेरी परिसर में पीर ए मुर्शिद हाजी हरमैन शाह की मजार है।

मप्र में नक्सलियों का पूरी तरह सफाया करना असंभव को संभव करने जैसा : मोहन यादव

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश से नक्सलियों का पूरी तरह सफाया करना असंभव को संभव करने जैसा था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस उपलब्धि पर संतोष व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आईपीएस सर्विस मीट का शुभारंभ कर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रदेश से नक्सल उन्मूलन के लिए पुलिस अधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि पुलिस की ड्यूटी में कई तरह की चुनौतियां होती हैं, लेकिन पुलिस बल हर समय अपने कर्तव्य पर उत्साह और उमंग के साथ डटा रहता है। सभी पुलिसकर्मी अभिनंदन के पात्र हैं, पुलिस का अनुशासन सराहनीय और अनुकरणीय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार के लिए वर्ष 2025 उपलब्धियों से भरा रहा है। राष्ट्र विरोधी ताकतों को मध्य प्रदेश पुलिस जड़ से खत्म कर रही है। राज्य में संगठित अपराध के लिए कोई स्थान नहीं है। नशा विरोधी अभियान में प्रदेश पुलिस निरंतर सराहनीय उपलब्धियां हासिल कर रही है। राज्य सरकार और पुलिस नए अनुभवों के साथ आगे बढ़ रही है। देशभक्ति और जन सेवा की भावना को और

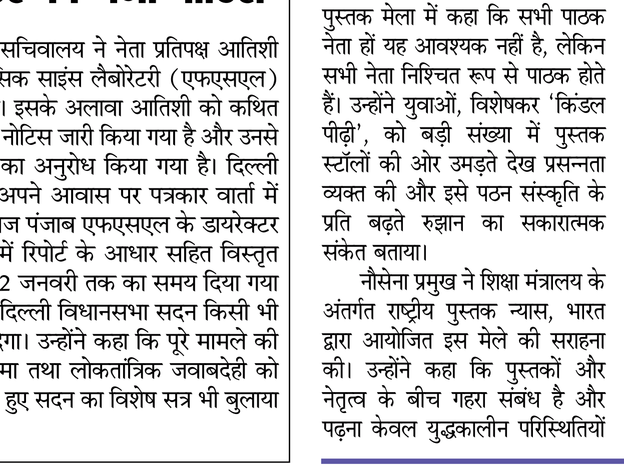

मजबूत करते हुए मध्य प्रदेश को आंतरिक सुरक्षा का आदर्श प्रदेश बनाए रखना हम सबका लक्ष्य हो। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव का पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना तथा भारतीय पुलिस सेवा संघ के अध्यक्ष चंचल शेखर ने पुष्पगुच्छ और पौधा भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम स्थल पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सलामी ली और भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारियों के साथ उनका ग्रुप फोटो हुआ। पुलिस महानिदेशक मकवाना तथा आईपीएस ऐसोसिएशन के अध्यक्ष चंचल शेखर द्वारा मुख्यमंत्री को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र और कानून-व्यवस्था की मजबूती में पुलिस का महत्वपूर्ण योगदान है। जल्द ही प्रदेश पुलिस को पदोन्नति की स्वीकृति का समाचार मिलेगा। इसके साथ ही पुलिस विभाग में पर्याप्त भर्तियां भी होंगी। नए कानून लागू करने में प्रदेश पुलिस देश के लिए आदर्श उदाहरण है।

हज यात्रा के लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि बढ़ी

नई दिल्ली। हज यात्रा संबंधी प्रक्रिया पूरी करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 25 जनवरी कर दी गई है। अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय ने साफ किया है कि इसके बाद कोई अतिरिक्त समय नहीं दिया जाएगा अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय ने हज यात्रियों से हज बुकिंग और अन्य कागजी प्रक्रिया 25 जनवरी 2026 तक पूरा कर लेने का अनुरोध किया है।हज यात्रियों को अपना वैध पासपोर्ट अपने चुने हुए एचजीओ (हज ग्रुप ऑर्गनाइजर) या संबंधित कार्यालय में जमा करने, नुसुक पोर्टल पर अपना पंजीकरण विवरण दर्ज करने को कहा गया है। मंत्रालय ने हज यात्रियों से कहा है कि बुकिंग करने से पहले यह जरूर जांच लें कि हज ग्रुप ऑर्गनाइजर सरकार द्वारा अधिकृत है या नहीं। उनका कोटा और रजिस्ट्रेशन स्टेटस चेक करना न भूलें। सरकार ने स्पष्ट किया है कि 25 जनवरी के बाद अब तिथि आगे नहीं बढ़ाई जाएगी।

रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने सरायकेला में एमएसएमई डिफेंस कॉन्क्लेव-2026 का किया शुभारंभ

एजेंसी

सरायकेला। आत्मनिर्भर भारत अभियान को मजबूती देने और झारखंड के लघु, मध्यम एवं सूक्ष्म उद्योगों (एमएसएमई) को रक्षा उत्पादन से जोड़ने की दिशा में सरायकेला-खरसावां जिले के आदित्यपुर ऑटो क्लस्टर में 'एमएसएमई डिफेंस कॉन्क्लेव-2026' का भव्य शुभारंभ हुआ। दो दिवसीय इस राज्य स्तरीय सम्मेलन का उद्घाटन रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने दीप प्रज्वलित कर किया। यह झारखंड में अपनी तरह का पहला डिफेंस कॉन्क्लेव है, जिसका उद्देश्य उद्योग, रक्षा क्षेत्र और सरकार के बीच सीधा संवाद स्थापित करना है।

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि झारखंड खनिज संसाधनों, मजबूत औद्योगिक आधार और कुशल मानव संसाधन से समृद्ध राज्य है। ऐसे में यहां डिफेंस कॉरिडोर की स्थापना की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि जिन राज्यों में डिफेंस कॉरिडोर सफलतापूर्वक विकसित हुए हैं, वहां राज्य सरकार की इच्छाशक्ति और केंद्र सरकार के साथ बेहतर समन्वय निर्णायक साबित हुआ है। यदि झारखंड सरकार केंद्र के साथ मिलकर आगे

बढ़े, तो राज्य रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में नई पहचान बना सकता है।

संजय सेठ ने रांची में आयोजित एस्टेक कार्यक्रम और अन्य रक्षा संबंधी आयोजनों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन आयोजनों में बड़ी संख्या में स्टॉल और उद्योगों की भागीदारी झारखंड की औद्योगिक क्षमता को दर्शाती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि डिफेंस कॉन्क्लेव में मुख्यमंत्री को आमंत्रित करना किसी प्रकार का राजनीतिक संकेत नहीं, बल्कि राज्य के औद्योगिक विकास के लिए साझा प्रयास का प्रतीक है। रक्षा उत्पादन में भारत की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि आजादी के बाद कई दशकों तक भारत रक्षा उपकरणों के लिए आयात पर निर्भर रहा, लेकिन बीते कुछ वर्षों में स्थिति तेजी से बदली है। आज भारत 92 से अधिक देशों को रक्षा उपकरणों का निर्यात कर रहा है। सरकार ने रक्षा उत्पादन के लिए तीन लाख करोड़ रुपये का लक्ष्य निर्धारित किया है, जबकि चालू वित्त वर्ष में रक्षा बजट लगभग दो लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि इस बजट का सबसे बड़ा लाभ एमएसएमई और स्टार्टअप सेक्टर को मिल सकता है। एमएसएमई और स्टार्टअप की भूमिका पर जोर देते हुए संजय सेठ ने कहा कि भारत युवाओं का देश है और वर्ष 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करना है। देश में करीब चार करोड़ एमएसएमई हैं, जो लगभग 14 करोड़ लोगों को रोजगार दे रहे हैं, लेकिन इनमें से केवल 16 हजार एमएसएमई ही सीधे तौर पर डिफेंस सेक्टर से जुड़े हैं। इस संख्या को बढ़ाने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि स्टार्टअप के मामले में भारत दुनिया में तीसरे स्थान पर पहुंच चुका है, जो देश की नवाचार क्षमता को दर्शाता है। रक्षा राज्य मंत्री ने आदित्यपुर को डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में विकसित करने की अपील करते हुए कहा कि यहां मौजूद ऑटोमोबाइल और रेलवे सेक्टर से जुड़े उद्योग रक्षा क्षेत्र में भी आसानी से प्रवेश कर सकते हैं।

लोकतांत्रिक संस्थाओं की प्रासंगिकता समावेशी और जवाबदेह होने पर निर्भर : लोकसभा अध्यक्ष

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रमंडल के अध्यक्षों एवं पीठासीन अधिकारियों का 28वां सम्मेलन (सीएसपीओसी) लोकतांत्रिक संस्थाओं को और अधिक जन-केंद्रित बनाने की नवीकृत प्रतिबद्धता के साथ संपन्न हुआ। दो-दिवसीय सम्मेलन के समापन सत्र में लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने समापन संबोधन दिया। समापन सत्र के दौरान लोक सभा अध्यक्ष ने 29वें सीएसपीओसी की अध्यक्षता यूनाइटेड किंगडम के हाउस ऑफ कॉमन्स के अध्यक्ष सर लिंडसे होयल को सौंपी तथा लंदन में आयोजित होने वाले अगले सीएसपीओसी की सफलता के लिए उन्हें शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर बिरला ने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाएं तभी सशक्त और प्रासंगिक बनी रह सकती हैं जब वे पारदर्शी, समावेशी, उत्तरदायी और जनता के प्रति जवाबदेह हों। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता निर्णय-प्रक्रिया में खुलेपन को सुनिश्चित कर जनता के विश्वास को बढ़ाती है, जबकि समावेशन यह सुनिश्चित करता है कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया में प्रत्येक आवाज़, विशेषकर समाज के हाशिये पर खड़े लोगों की सुनी जाए और उसका सम्मान हो। उनके अनुसार, ये सिद्धांत मिलकर लोकतांत्रिक संस्थाओं की वैधता को बनाए रखते हैं और नागरिक तथा राज्य के बीच स्थायी संबंध को सुदृढ़ करते हैं। बिरला ने कहा कि 28वें सीएसपीओसी ने सीएसपीओसी की विरासत को नई ऊर्जा और सार्थकता के साथ आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि यह व्यापक और समावेशी प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करेगा कि यह दिल्ली सम्मेलन को राष्ट्रमंडल संसदीय सहयोग के इतिहास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में स्मरण किया जाए। उन्होंने कहा कि चर्चाओं से यह स्पष्ट हुआ कि संसदों को अधिक जन-केंद्रित, जवाबदेह और प्रभावी बनाने पर सामूहिक चिंतन के लिए सीएसपीओसी एक अद्वितीय मंच के रूप में आज भी प्रासंगिक है। सम्मेलन के सत्रों पर चर्चा करते हुए बिरला ने कहा कि संसदों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जिम्मेदार उपयोग, सोशल मीडिया के प्रभाव, चुनावों से परे नागरिक सहभागिता तथा सांसदों और संसदीय कर्मचारियों के स्वास्थ्य एवं कल्याण जैसे विषयों पर हुई चर्चाएँ विशेष रूप से विचारोत्तेजक रहीं। पीठासीन अधिकारी समकालीन आवश्यकताओं के अनुरूप लोकतांत्रिक संस्थाओं को ढालें : लोक सभा अध्यक्ष इससे पहले विशेष पूर्णाधिवेशन की अध्यक्षता करते हुए बिरला ने कहा कि आधुनिक लोकतंत्र अभूतपूर्व अवसरों के साथ-साथ जटिल, बहुआयामी चुनौतियों का भी सामना कर रहे हैं। उन्होंने जोर दिया।

इंदौर में निर्णायक जंग, भारत-न्यूजीलैंड वनडे सीरीज का फाइनल मुकाबला आज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेली जा रही तीन मैचों की वनडे सीरीज अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई है। पहले दो मुकाबलों में दोनों टीमों ने एक-एक मैच जीतकर सीरीज 1-1 से बराबर कर ली है। अब तीसरा और अंतिम वनडे रविवार को इंदौर के होलकर स्टेडियम में खेला जाएगा, जहां सीरीज का विजेता तय होगा। दोनों ही टीमें मुकाबले के लिए इंदौर पहुंच चुकी हैं और अहम मैच से पहले तैयारियों में जुट गई हैं।

सीरीज का पहला वनडे वडोदरा में खेला गया था, जहां भारत ने 4 विकेट से जीत दर्ज कर मजबूत शुरुआत की। हालांकि दूसरे वनडे में न्यूजीलैंड ने शानदार वापसी करते हुए राजकोट में 7 विकेट से मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ कीवी टीम ने सीरीज को बराबरी पर ला दिया और निर्णायक मुकाबले की जमीन तैयार कर दी। दूसरे मैच में डैरिल मिशेल का प्रदर्शन न्यूजीलैंड की जीत का सबसे बड़ा आधार रहा। उन्होंने नाबाद 131 रन की बेहतरीन पारी खेली और विल यंग के साथ 162 रनों की अहम साझेदारी की, जिससे 285 रन के लक्ष्य का पीछा करना आसान हो गया। भारतीय टीम के लिए अब सबसे बड़ी चिंता बल्लेबाजों का निरंतर प्रदर्शन रहा है। अब तक बल्लेबाजी उम्मीदों पर पूरी तरह खरी नहीं उतर सकी है, ऐसे में निर्णायक मुकाबले में टॉप और मिडिल ऑर्डर से बेहतर प्रदर्शन की अपेक्षा होगी। दूसरी ओर गेंदबाजी, खासकर स्पिन विभाग, भी भारत के घेरे में रहा। घरेलू मैदान पर भारतीय स्पिन गेंदबाज प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे हैं। दूसरे वनडे में कुलदीप यादव और रवींद्र जडेजा महंगे साबित हुए। कुलदीप ने 10 ओवर में 82 रन देकर एक विकेट लिया, जबकि जडेजा ने आठ ओवर में 44 रन खर्च किए। दोनों ने मिलकर 18 ओवर में 126 रन लुटाए, जो टीम के लिए भारी पड़ा। इसके विपरीत न्यूजीलैंड के डेब्यू स्पिनर जेडन लेनॉक्स ने भारतीय बल्लेबाजों पर अच्छा नियंत्रण दिखाया। उन्होंने 10 ओवर में 42 रन

देकर एक विकेट लिया और मध्यक्रम को बांधे रखा। न्यूजीलैंड की इस जीत ने एक बार फिर उस समस्या को उजागर किया है, जिससे भारत पिछले कुछ समय से घरेलू क्रिकेट में जूझ रहा है, जहां मेहमान टीम के स्पिनर भारतीय स्पिन आक्रमण के मुकाबले अधिक प्रभावी नजर आ रहे हैं। इंदौर का होलकर स्टेडियम बल्लेबाजों के लिए जाना जाता है। छोटी बाउंड्री और सपाट पिच के कारण यहां बड़े स्कोर देखने को मिलते हैं। ऐसे में दोनों टीमों के बल्लेबाजों पर एक बार फिर निगाहें रहेंगी। शुक्रवार को दोनों टीमों ने नेट अभ्यास किया, जहां खिलाड़ियों ने पिच और परिस्थितियों को परखा। अब देखना दिलचस्प होगा कि निर्णायक मुकाबले में कौन सी टीम दबाव में बेहतर प्रदर्शन कर सीरीज अपने नाम करती है।

टीम इस प्रकार है

भारत की वनडे टीम
शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, केएल राहुल (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), वॉशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), नितीश कुमार रेड्डी, अर्शदीप सिंह, यशस्वी जायसवाल

न्यूजीलैंड की वनडे टीम
माइकल ब्रेसवेल (कप्तान), आदि अशोक, क्रिस्टियन क्लार्क, जोश क्लार्कसन, डेवोन कॉनवे, ज़ैक फॉल्क्स, मिच हे, काइल जैमीसन, निक केली, जेडन लेनॉक्स, डेरिल मिचेल, हेनरी निकोल्स, ग्लेन फिलिप्स, माइकल रे, विल यंग।

ओलंपिक हीरो विजेंदर एशियाई मुक्केबाजी परिषद के सदस्य बने

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय मुक्केबाजी के दिग्गज विजेंदर सिंह को एशियाई मुक्केबाजी परिषद (एशियन बॉक्सिंग काउंसिल) का सदस्य नियुक्त किया गया है। यह उपलब्धि एक शीर्ष खिलाड़ी से वैश्विक खेल प्रशासक बनने की दिशा में उनके सफर का एक और अहम पड़ाव मानी जा रही है।

विजेंदर भारत के पहले ओलंपिक मुक्केबाज हैं और उनके पास एमेच्योर व पेशेवर मुक्केबाजी-दोनों स्तरों पर करीब दो दशकों का अनुभव है। एशियाई मुक्केबाजी परिषद में उनकी नियुक्ति खेल की गहरी समझ और पूरे एशियाई महाद्वीप में मुक्केबाजी के विकास के प्रति उनकी निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

विजेंदर बोले - यह मेरे लिए सम्मान की बात

अपनी नियुक्ति पर प्रतिक्रिया देते हुए विजेंदर सिंह ने कहा, 'एशियाई मुक्केबाजी परिषद के सदस्य के रूप में नियुक्त होना मेरे लिए गर्व और सम्मान की बात है। यह जिम्मेदारी मुझे सौंपने के लिए मैं भारतीय मुक्केबाजी महासंघ और उसके नेतृत्व का आभार व्यक्त करता हूं।'

उन्होंने आगे कहा, 'मुझे उम्मीद है कि मैं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पूरी क्षमता से इस भूमिका को निभाऊंगा। जिस तरह हमने बीजिंग ओलंपिक में इतिहास रचा, उसी तरह मैं एशिया में मुक्केबाजी के विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हूं। मेरा विशेष फोकस भारतीय मुक्केबाजों पर रहेगा, ताकि भविष्य में हमारे खिलाड़ी और अधिक सफलता हासिल कर सकें।'

एशियाई मुक्केबाजी परिषद की अहम भूमिका

एशियाई मुक्केबाजी परिषद पूरे क्षेत्र में खेल के प्रतिस्पर्धी ढांचे और विकासात्मक योजनाओं को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। ऐसे में विजेंदर जैसे अनुभवी खिलाड़ी की मौजूदगी परिषद को तकनीकी और रणनीतिक रूप से मजबूत करने में मदद करेगी।

विजेंदर का सुनहरा खेल करियर

विजेंदर सिंह भारत की सबसे चर्चित और सफल खेल हस्तियों में से एक हैं। 2008 बीजिंग ओलंपिक में ऐतिहासिक कांस्य पदक, राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों में कई पदक, इसके बाद पेशेवर मुक्केबाजी में भी प्रभावशाली सफलता, उनकी यह नई भूमिका भारतीय मुक्केबाजी के लिए अंतरराष्ट्रीय मंच पर नई संभावनाओं के द्वार खोल सकती है।

महिला क्रिकेट में कई सुधारों की जरुरत : सोफी डिवाइन

नवी मुम्बई (एजेंसी)। महिला प्रीमियर लीग क्रिकेट (डब्लयूपीएल) के लिए भारत आयीं न्यूजीलैंड की कप्तान सोफी डिवाइन ने कहा है कि आजकज जिस तेजी से महिला क्रिकेट बदल रहा है। उसको देखते हुए उसमें कई सुधार किये जाने की जरुरत है। सोफी के अनुसार फील्डिंग नियमों और बाउंड्री के आकार में बदलाव किये जाने की जरुरत है। इस ऑलराउंडर का मानना है कि वर्तमान नियमों से खेल में बल्लेबाज हावी हो रहे हैं। वहीं गेंदबाजों को परेशानी हो रही है। ऐसे में खेल में गेंद और बल्ले के बीच बराबरी के लिए इनमें संतुलन बनाना जरुरी है। अभी महिला क्रिकेट में नॉन-पावरप्ले ओवरों के दौरान अंदरुनी घेरे के बाहर केवल चार फील्डर रखने का नियम है। यह इसलिए लगाया गया है जिससे की अधिक बाउंड्री लगें और रन बने पर सोफी का मानना है कि खेल अब उस स्तर तक पहुंच चुका है जहां इस नियम की समीक्षा जरूरी हो गई है। डिवाइन के अनुसार, बल्लेबाजों की बड़े शॉट खेलने की क्षमता जिस तेजी से बढ़ी है। उसे देखते हुए घेरे के बाहर बाहर पांच फील्डर रखने की दिया जाना चाहिये।

साथ ही उन्होंने छोटी बाउंड्री पर भी सवाल उठाये और कहा कि लीग में बाउंड्री की अधिकतम लंबाई 60 मीटर तय की गई है। इस छोटी बाउंड्री और सीमित फील्डिंग विकल्पों से गेंदबाजों के लिए रन रोकान कठिन हो गया है। उन्होंने कहा कि खासकर सपाट पिचों पर गेंदबाजों के पास अवसर कम हो जाते है और हल्की सी गलत से भी आसानी से बाउंड्री लग जाती है। डिवाइन ने स्वीकार किया कि आज के खेल में बल्लेबाजों की ताकत और आक्रामकता बढ़ी है पर इससे खेल एकतरफा हो रहा है। उनके अनुसार अगर गेंदबाजों को मुकाबले में बनाए रखना है तो फील्डिंग सेटअप और बाउंड्री के आकार पर फिर से विचार करना होगा। गुजरात टाइटंस से खेल रही सोफी ने इस सत्र में जबरदस्त खेल दिखाया है। वह टूर्नामेंट में सबसे अधिक रन और विकेट लेने वालों में शामिल हैं।

टी20 में डेविड वॉर्नर का नया कीर्तिमान, शतकों के मामले में विराट कोहली को छोड़ा पीछे

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के आक्रामक सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने टी20 क्रिकेट में एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। बिग बैश लीग (बीबीएल) में सिडनी थंडर्स की ओर से खेलते हुए उन्होंने सिडनी सिक्सर्स के खिलाफ धमाकेदार शतक जड़कर टी20 क्रिकेट में अपने शतकों की संख्या 10 तक पहुंचा दी। इसके साथ ही वॉर्नर ने इस फॉर्मेट में भारतीय स्टार विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया और सबसे ज्यादा टी20 शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में तीसरा स्थान हासिल कर लिया। इस मुकाबले में डेविड वॉर्नर ने दबाव भरी स्थिति में बेहतरीन बल्लेबाजी का नमूना पेश किया। टीम के लगातार विकेट गिरने के बावजूद उन्होंने एक छोर संभाले रखा और रनों की गति को भी बनाए रखा। वॉर्नर ने सिर्फ 65 गेंदों में 110 रन की शानदार पारी खेली, जिसमें दमदार शॉट्स के साथ अनुभव और संयम का बेहतरीन संतुलन देखने को मिला। उनकी इस शतकीय पारी की बदौलत सिडनी थंडर्स ने 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 189 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया।

टी20 क्रिकेट में यह डेविड वॉर्नर का 10वां शतक रहा। इस आंकड़े के साथ उन्होंने विराट कोहली के 9 टी20 शतकों को पीछे छोड़ दिया। टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के दिग्गज बल्लेबाज क्रिस गेल के नाम है, जिन्होंने इस फॉर्मेट में 22 शतक लगाए हैं। इस सूची में दूसरे स्थान पर पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम हैं, जिनके नाम 11 शतक दर्ज हैं। वॉर्नर अब 10 शतकों के साथ तीसरे, जबकि कोहली 9 शतकों के साथ चौथे स्थान पर हैं। बिग बैश लीग की बात करें तो वॉर्नर के नाम अब तीन शतक दर्ज हो चुके हैं। इसके साथ ही वह बीबीएल के इतिहास में सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में बेन मैकडरमॉट और स्टीव स्मिथ के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष स्थान पर पहुंच गए हैं। खास बात यह भी है कि वॉर्नर का यह शतक बीबीएल के मौजूदा सीजन का आठवां शतक था। इससे पहले किसी एक सीजन में बल्लेबाजों द्वारा इतने शतक नहीं लगाए गए थे, जिससे यह सीजन रिकॉर्डतोड़ साबित हो रहा है।

अगर टी20 करियर के आंकड़ों की तुलना की जाए तो विराट कोहली और डेविड वॉर्नर दोनों ही इस फॉर्मेट के सबसे सफल बल्लेबाजों में गिने जाते हैं। कोहली ने 414 टी20 मैचों में 41.92 की औसत से 13,543 रन बनाए हैं, जिसमें 9 शतक और 105 अर्धशतक शामिल हैं। वहीं वॉर्नर ने 431 टी20 मैचों में 36.82 की औसत से 13,918 रन बनाए हैं और उनके नाम 10 शतक तथा 115 अर्धशतक दर्ज हैं।

कोच को नेमार के विश्वकप फुटबॉल तक फिट होने की उम्मीद

साओ पाउलो । ब्राजील के स्टार स्ट्राइकर नेमार आजकल घुटने की सर्जरी से उबर रहे हैं। टीम प्रबंधन और कोच कार्लो एंसेलोटी को उनके अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होने वाले फुटबॉल विश्व कप में खेलने की उम्मीद जतायी जा रही है। नेमार के क्लब सैंटोस ने ककहा है कि उनकी सर्जरी गंभीर नहीं थी। साथ ही उम्मीद जतायी कि ये स्टार खिलाड़ी अब जल्द ही फिटनेस हासिल करने में सफल रहेगा। वहीं नेमार ने कहा, मुझे अब भी उम्मीद है कि मैं विश्व कप में खेलूंगा और ब्राजील की तरफ से फाइनल में गोल करूंगा। उन्होंने अपनी टीम और देश के लिए खेलने के सभी प्रयास करने की भी बात कही। वहीं ब्राजील के कोच कार्लो एंसेलोटी को भी उम्मीद है कि नेमार विश्वकप से पहले फिट हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि अभी नेमार का नाम टीम में शामिल नहीं है पर फिट होते ही उन्हें शामिल कर लिया जाएगा। जिस प्रकार से वह उत्साह से भरे हैं उससे साफ है कि वह खेलना चाहते हैं। वहीं नेमार ने कहा, हम इस बार कप को ब्राजील लाने के लिए पूरी ताकत लगा देंगे। कोच इसमें हमारी सहायता करेंगे। वहीं माना जा रहा है कि नेमार की वापसी टीम के लिए बेहद जरुरी है। इसी कारण सभी की नजरें उनकी फिटनेस पर लगी हैं।

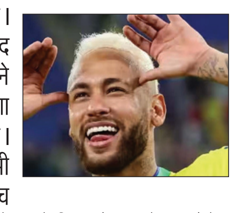

एशेज चयन पर रिकी पोंटिंग ने उठाए सवाल, ब्यू वेबस्टर को नजरअंदाज करने पर जताई हैरानी

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज रिकी पोंटिंग ने एशेज सीरीज के दौरान टीम चयन को लेकर राष्ट्रीय चयनकर्ताओं की रणनीति पर सवाल खड़े किए हैं। पोंटिंग का कहना है कि वह अब तक यह समझ नहीं पाए हैं कि शानदार फॉर्म में चल रहे ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर को नजरअंदाज कर विकेटकीपर बल्लेबाज जोश इंग्लिस को प्राथमिकता क्यों दी गई। उनके मुताबिक यह फैसला न सिर्फ चौंकाने वाला था, बल्कि टीम संतुलन के लिहाज से भी पूरी तरह तार्किक नहीं लगता। पोंटिंग ने कहा कि ब्यू वेबस्टर ने अपने छोटे से टेस्ट करियर में ही यह साबित कर दिया है कि वह बड़े मंच पर प्रदर्शन करने की क्षमता रखते हैं। उन्होंने पिछले साल बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के फाइनल में टेस्ट डेब्यू करते हुए मैच जिताने वाला योगदान दिया था। इसके बावजूद नवंबर में पर्थ में खेले गए एशेज के पहले टेस्ट में उन्हें अंतिम एकादश में शामिल नहीं किया गया। उनकी जगह कैमरन ग्रीन को खिलाया गया, जबकि ब्रिस्बेन और एडिलेड में हुए अगले दो टेस्ट मैचों में भी वेबस्टर को बाहर ही रखा गया। इन मुकाबलों में चयनकर्ताओं ने विकेटकीपर जोश इंग्लिस को टीम में शामिल किया, जिन्होंने नंबर सात पर बल्लेबाजी करते हुए क्रमशः 23, 32 और 10 रन बनाए। पोंटिंग के अनुसार यह चयन कई मायनों में हैरान करने वाला था, क्योंकि वेबस्टर न केवल बल्लेबाजी में भरोसेमंद विकल्प हैं, बल्कि जरूरत पड़ने पर गेंदबाजी से भी टीम को संतुलन प्रदान कर सकते हैं। एक बातचीत में पोंटिंग ने कहा कि वह जानते हैं कि चयनकर्ता आज के दौर में आंकड़ों और डेटा को काफी महत्व देते हैं और संभव है कि कुछ मेट्रिक्स में इंग्लिस आगे रहे हों, लेकिन फिर भी यह फैसला उन्हें समझ से परे लगता है। पोंटिंग का मानना है कि वेबस्टर भले ही बहुत आकर्षक या स्टाइलिश खिलाड़ी न हों, लेकिन वे हालात को बखूबी समझते हैं और टीम की जरूरत के अनुसार योगदान देते हैं। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि उस्मान ख्वाजा की अनुपस्थिति में भविष्य में नंबर पांच पर वेबस्टर के लिए एक मजबूत अवसर बन सकता है। उधर, ब्यू वेबस्टर ने भी एशेज के शुरुआती चार टेस्ट मैचों में मौका न मिलने पर अपनी निराशा जाहिर की थी। हालांकि नए साल में सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर उन्हें आखिरकार खेलने का मौका मिला, जहां उन्होंने नाबाद 71 रन की अहम पारी खेली।

अजिंक्य रहाणे निजी कारणों से रणजी ट्रॉफी के बाकी मैचों से बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई के अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे इस सीजन की रणजी ट्रॉफी में मुंबई के लिए खेलते नहीं नजर आएंगे। रहाणे ने मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) को जानकारी दी है कि वे निजी कारणों से इस सीजन के बचे हुए दो लीग मैचों में हिस्सा नहीं लेंगे। मुंबई अपनी अगली दो लीग मुकाबलों में पहला हैदराबाद के खिलाफ 22 से 25 जनवरी तक और दूसरा दिल्ली के खिलाफ 29 जनवरी से 1 फरवरी तक एमसीए-बीकेसी ग्राउंड पर खेलेगी।

एक अंग्रेजी अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, रहाणे ने स्पष्ट किया है कि वे इस सीजन के बाकी रेड-बॉल मैचों के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे। टीम का हैदराबाद मैच के लिए ऐलान किया जाना हैं। रहाणे पिछले दो सीज़न से मुंबई का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, लेकिन जुलाई 2023 के बाद से भारत के लिए खेलते नहीं दिखे। इस रणजी सीजन में उनका प्रदर्शन औसत रहा है, उन्होंने चार मैचों में केवल एक शतक बनाया। 37 वर्षीय रहाणे आगामी आईपीएल सीजन में कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम का हिस्सा होंगे। इससे पहले उन्होंने मुंबई की कप्तानी भी छोड़ दी थी और शार्दुल ठाकुर को नया कप्तान बनाया गया था। कप्तानी छोड़ने के बावजूद रहाणे ने बतौर खिलाड़ी टीम में योगदान देने की प्रतिबद्धता जताई थी।

रणजी ट्रॉफी की वर्तमान पॉइंट्स टेबल में मुंबई ग्रुप डी में पांच मैचों में तीन जीत और दो ड्रॉ के साथ 24 अंकों के साथ शीर्ष पर है। अब टीम के दो लीग मैच बाकी हैं, जिनमें रहाणे की अनुपस्थिति को ध्यान में रखा जाएगा। अजिंक्य रहाणे ने भारत के लिए आखिरी टेस्ट मैच 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेला था। उन्होंने 85 टेस्ट में कुल 5077 रन बनाए हैं, जिसमें 12 शतक और 26 अर्धशतक शामिल हैं। रहाणे वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2023 के फाइनल में भी खेले थे, जिसमें उन्होंने दो पारियों में कुल 135 रन बनाए थे। हालांकि, उस मैच में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 209 रन से हराकर जीत हासिल की थी। रहाणे की अनुपस्थिति में मुंबई की टीम के लिए युवा

खिलाड़ियों को मौके मिल सकते हैं और टीम प्रबंधन को बचे हुए लीग मैचों में रणनीति बदलने की आवश्यकता पड़ सकती है।

विश्व कप हॉकी में भारतीय टीम से मिलेगी कड़ी टक्कर : डोरेन

कोपनहेगन । बेल्जियम के अनुभवी हॉकी खिलाड़ी आर्थर वैन डोरेन ने कहा है कि भारतीय टीम का प्रदर्शन पिछले कुछ समय में लगातार बेहतर हुआ है ओर वह 2026 में होने वाले विश्व कप में विरोधी टीमों को कड़ी टक्कर देगी। डोरेन का मानना है कि भारतीय टीम को किसी भी प्रकार से कमजोर नहीं माना जा सकता है। डोरेन ने कहा, 'भारत को जीत बड़ा दावेदार न मानना बड़ी भूल होगी। इसका कारण है कि भारतीय टीम ने पिछले कुछ समय में लगातार सफलता हासिल की है। उसने ओलंपिक में भी पिछली बार कांस्य पदक जीता था। इससे साफ है कि टीम का स्तर पहले से बेहतर हुआ है। डोरेन के अनुसार भारतीय टीम का संतुलन अच्छा है। उन्होंने कहा, ''उनके पास हर विभाग में अच्छे खिलाड़ी हैं। उनके पास एक अच्छा कोच है, युवा वह अनुभवी खिलाड़ी हैं। भारतीय टीम को पिछले कुछ समय में किसे प्रयासों का लाभ मिला है। डोरेन ने कहा कि विश्व कप में किसी भी टीम को हल्के में नहीं लिया सकता है और खिताबी दौड़ बेहद कड़ी होने की संभावना है। उन्होंने कहा, 'भारत और बेल्जियम जैसी टीमों के लिए राह आसान नहीं होगी क्योंकि पांच, छह या सात और टीमें हैं जो हमारी तरह ही बढ़े हुए मनोबल से उतरेंगी हैं। इससे साफ है कि मुकाबला आसान नहीं रहेगा। डोरेन ने भारत के उभरते खिलाड़ियों की तकनीकी क्षमता की भी जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा, 'भारतीय हॉकी टीम विश्व की किसी भी अन्य टीम की तुलना में अधिक व्यस्त हैं। वे सीखना चाहते हैं, खेलना चाहते हैं और प्रगति करना चाहते हैं। उसके पास कई युवा प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं। उनके खिलाड़ी कम उम्र में ही अपने कौशल को अगले स्तर पर पहुंचा देते हैं।

टी20 टीम में श्रेयस अय्यर की अचानक वापसी: बीसीसीआई के फैसले के पीछे ये तीन बड़ी वजहें

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारत और न्यूजीलैंड के बीच होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए टीम में कुछ अहम बदलावों का ऐलान किया। चोट के कारण वॉशिंगटन सुंदर पूरे सीरीज से बाहर हो गए हैं, उनकी जगह लेग स्पिनर रवि बिश्नोई को टीम में शामिल किया गया है। इसके अलावा तिलक वर्मा सर्जरी के चलते शुरुआती तीन टी20 मुकाबले नहीं खेल पाएंगे, जिसके बाद चयनकर्ताओं ने उनकी जगह श्रेयस अय्यर को पहले तीन मैचों के लिए स्क्वॉड में शामिल करने का फैसला किया है। श्रेयस अय्यर की यह वापसी कई लोगों के लिए चौंकाने वाली रही, क्योंकि उन्होंने भारत के लिए आखिरी टी20

मैच साल 2023 में खेला था।

दरअसल, श्रेयस अय्यर की वापसी के पीछे पहला बड़ा कारण उनका नेतृत्व कौशल माना जा रहा है। चयनकर्ता और टीम मैनेजमेंट अब अय्यर को भविष्य के लीडर के तौर पर देख रहे हैं। उन्हें हाल ही में वनडे टीम का उप-कप्तान बनाया गया है और आईपीएल व घरेलू क्रिकेट में कप्तान के रूप में उनका रिकॉर्ड काफी प्रभावशाली रहा है। मौजूदा समय में टी20 टीम की कमान सूर्यकुमार यादव के हाथों में है, जबकि उप-कप्तान अक्षर पटेल हैं। सूर्यकुमार यादव की उम्र 35 साल है और आगामी टी20 वर्ल्ड कप के बाद भारत नए नेतृत्व विकल्पों की ओर बढ़ सकता है। ऐसे में श्रेयस अय्यर एक मजबूत और भरोसेमंद विकल्प के रूप में उभरते नजर आ रहे हैं।

दूसरा अहम कारण तिलक वर्मा की गैरमौजूदगी से मिडिल ऑर्डर में पैदा हुआ खालीपन है। तिलक के बाहर होने से भारत के मध्यक्रम पर असर पड़ सकता था, जिसे संतुलित करने के लिए श्रेयस अय्यर को चुना गया। अय्यर मिडिल ऑर्डर में बल्लेबाजी के अनुभवी खिलाड़ी हैं और नंबर तीन व चार पर खेलने का उन्हें लंबा अनुभव है। वह तिलक वर्मा के लाइक-टू-लाइक रिप्लेसमेंट साबित हो सकते हैं। इसके अलावा, यदि किसी वजह से तिलक वर्मा टी20 वर्ल्ड कप तक पूरी तरह फिट नहीं हो पाते, तो अय्यर को उनके बैकअप के तौर पर तैयार किया जा सकता है।

तीसरा और सबसे अहम कारण श्रेयस अय्यर की मौजूदा शानदार फॉर्म है। चाहे वनडे हो या टी20, वह लगातार रन बना रहे हैं। घरेलू क्रिकेट से लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर तक उनका प्रदर्शन प्रभावशाली रहा है। आईपीएल 2025 में भी अय्यर बेहतरीन लय में नजर आए थे, जहां उनकी कप्तानी में पंजाब किंग्स फाइनल तक पहुंची थी। उन्होंने उस सीजन में 50 से अधिक की औसत से 604 रन बनाए थे।

छह साल बाद रॉड लेवर एरिना में लौटे रोजर फेडरर, कैस्पर रूड के साथ किया अभ्यास

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलियन ओपन में अपनी आखिरी प्रतिस्पर्धी उपस्थिति के करीब छह साल बाद स्विस टेनिस लीजेंड रोजर फेडरर एक बार फिर मेलबर्न के प्रतिष्ठित कोर्ट पर नजर आए। फेडरर ने रॉड लेवर एरिना में नॉर्वे के स्टार खिलाड़ी कैस्पर रूड के साथ प्रैक्टिस सेशन किया। यह 2020 के बाद पहली बार था, जब फेडरर ऑस्ट्रेलियन ओपन के दौरान इस ऐतिहासिक कोर्ट पर उतरे। हालांकि उन्होंने 2022 में प्रोफेशनल टेनिस से संन्यास ले लिया था, लेकिन उनकी मौजूदगी ने दर्शकों और टेनिस प्रेमियों में जबरदस्त उत्साह भर दिया। फेडरर और कैस्पर रूड का आमना-सामना करियर में सिर्फ एक बार हुआ है। दोनों के बीच एकमात्र मुकाबला 2019 में फ्रेंच ओपन के चौथे राउंड में खेला गया था, जहां फेडरर ने सीधे सेटों में जीत दर्ज की थी। अब वर्षों बाद दोनों खिलाड़ियों का साथ अभ्यास करना टेनिस जगत के लिए एक खास पल बन गया। 44 वर्षीय फेडरर ऑस्ट्रेलियन ओपन के सबसे सफल खिलाड़ियों में शामिल रहे हैं। उन्होंने अपने करियर के 20 ग्रैंड स्लैम खिताबों में से छह खिताब मेलबर्न में ही जीते हैं। इस टूर्नामेंट में उनका जीत-हार का रिकॉर्ड 102-15 का शानदार रहा है। फेडरर ने आखिरी बार 2020 में ऑस्ट्रेलियन ओपन खेला था, जहां सेमीफाइनल में उन्हें अंततः चैंपियन बने नोवाक जोकोविच के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद चोटों और फिटनेस समस्याओं के चलते वह धीरे-धीरे प्रतिस्पर्धी टेनिस से दूर होते चले गए। फेडरर रॉड लेवर एरिना में एक विशेष प्रदर्शनी मैच का भी हिस्सा बनेंगे, जो टूर्नामेंट के पहले उद्घाटन समारोह में आयोजित किया जा रहा है। इस प्रदर्शनी मुकाबले में उनके साथ आंद्रे अगासी, पैट्रिक राफ्टर और लेटन हेविट जैसे पूर्व एटीपी नंबर-1 खिलाड़ी भी शामिल होंगे। फेडरर की यह वापसी भले ही प्रतिस्पर्धी न हो, लेकिन टेनिस प्रेमियों के लिए यह यादगार पल साबित हो रहा है।

आईपीएल विवाद के बाद अब अंडर 19 विश्व कप में तल्खी, भारत - बांग्लादेश के कप्तानों ने नहीं मिलाया हाथ

बेंगलुरु (एजेंसी)। शनिवार को आईसीसी अंडर 19 विश्व कप 2026 के ग्रुप स्टेज मैच में भारत और बांग्लादेश के बीच टॉस के दौरान पारंपरिक हाथ मिलाने की रस्म नहीं हुई। भारतीय कप्तान आयुष म्हात्रे टॉस के लिए आए और बांग्लादेश की ओर से उप-कप्तान ज़ावाद अबरार उपस्थित थे। आईसीसी अंडर 19 विश्व कप में भारत का यह दूसरा मैच है, जबकि बांग्लादेश का यह पहला मैच है। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की घटनाओं को लेकर भारत और बांग्लादेश के संबंधों में कुछ तनाव है।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने खिलाड़ियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से अपने मैच भारत से बाहर आयोजित करने का आग्रह किया है। यह अनुरोध तब आया जब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 की टीम से बाहर करने को कहा था, और यह कदम बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ अत्याचारों के बीच उठाया गया था।

आईसीसी सूत्रों ने सोमवार को कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सुरक्षा विशेषज्ञों द्वारा किए गए स्वतंत्र जोखिम आकलन से यह निष्कर्ष नहीं निकलता कि बांग्लादेश भारत में अपने निर्धारित टी20 विश्व कप मैच नहीं खेल सकता। सूत्रों ने बताया कि भारत में टूर्नामेंट के लिए समग्र सुरक्षा जोखिम को निम्न से मध्यम श्रेणी का माना गया है, जो कई प्रमुख वैश्विक खेल आयोजनों के अनुरूप है।

सूत्रों ने कहा कि स्वतंत्र जोखिम आकलन में बांग्लादेश टीम, उसके अधिकारियों या भारत में मैच स्थलों के लिए किसी विशिष्ट या प्रत्यक्ष खतरे की पहचान नहीं की गई है।

उन्होंने कहा कि प्राप्त पेशेवर सलाह के आधार पर, कोलकाता और मुंबई में बांग्लादेश के निर्धारित मैचों से जुड़ा जोखिम निम्न से मध्यम श्रेणी का है, और ऐसे किसी जोखिम का कोई संकेत नहीं है जिसे स्थापित सुरक्षा योजना और शमन उपायों के माध्यम से प्रभावी ढंग से प्रबंधित नहीं किया जा सकता है। सूत्रों ने कहा कि आईसीसी हाल के दिनों में आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 में बांग्लादेश की भागीदारी के संबंध में की गई सार्वजनिक टिप्पणियों से अवगत है, जिसमें आईसीसी के सुरक्षा जोखिम आकलन का चुनिंदा उल्लेख भी शामिल है।

पेड नेगेटिव पीआर पर भड़कीं सोनल चौहान

बॉलीवुड में पेड नेगेटिव पीआर और सोशल मीडिया ट्रोलिंग अब एक बड़ी समस्या बन चुकी है। कई एक्टर्स इस तरह की जानबूझकर फैलाई जा रही नकारात्मकता से परेशान हैं। इसी बीच अभिनेत्री सोनल चौहान ने इस मुद्दे पर खुलकर बात की और कहा कि किसी को नीचा दिखाकर कोई खुद ऊपर नहीं उठ सकता। सोनल का मानना है कि बॉलीवुड में कॉम्पिटिशन तो होनी चाहिए, लेकिन वह सकारात्मक और रचनात्मक हो। ट्रोलिंग और पेड नेगेटिविटी से न सिर्फ एक्टर्स की मानसिक शांति प्रभावित होती है, बल्कि उनके काम और मेहनत पर भी बुरा असर पड़ता है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर किए पोस्ट के जरिए अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, एक्टर्स के खिलाफ चल रही ये पेड पीआर अब बंद होनी चाहिए। इतनी नेगेटिविटी की कोई जरुरत नहीं है। किसी को बुरा दिखाकर कोई अच्छा नहीं बन सकता। हम एक-दूसरे के लिए खुश क्यों नहीं हो सकते? सब बहुत मेहनत करते हैं, अगर हम सपोर्ट करें, तो इंडस्ट्री का माहौल बहुत बेहतर हो सकता है। हमें बस थोड़ा सकारात्मक रहना है।

सोनल से पहले कई एक्टर्स पेड नेगेटिव पीआर के खिलाफ आवाज उठाते दिखे। तारा सुतारिया ने हाल ही में बताया कि उनके खिलाफ पेड नेगेटिव पीआर चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि झूठी अफवाहें और ट्रोलिंग से उनका मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। वे चाहती हैं कि लोग उनके काम पर फोकस करें, न कि बनाई हुई कहानियों पर। यामी गौतम ने भी पेड हाइप और नेगेटिव कैंपेन को इंडस्ट्री के लिए खतरनाक बताया। उन्होंने कहा कि यह एक तरह की वसूली है, जो धीरे-धीरे दीमक की तरह पूरी इंडस्ट्री को खा जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने इंडस्ट्री से इस कल्चर को खत्म करने की अपील की। ऋतिक रोशन ने पेड पीआर पर गहरा बयान दिया। उन्होंने बताया कि सबसे कीमती चीज जो खो जाती है, वह है पत्रकारों की सच्ची आवाज। पैसे के दबाव में उनकी कलम बंध जाती है, सच बोलने की आजादी छिन जाती है। सच्ची राय ही असली फीडबैक है, जो हमें बेहतर बनाती है। लेकिन, पेड पीआर के चक्कर में वह चीज खत्म हो जाती है।

द ब्लफ से पहले बर्फी से लेकर मैरी कॉम तक, इन फिल्मों में प्रियंका चोपड़ा ने निभाए दमदार किरदार

प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म द ब्लफ को लेकर सुर्खियों में हैं। यह फिल्म 25 फरवरी को रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में वह एक अलग किरदार में नजर आएंगी, जहां वह अपने परिवार की रक्षा करती हुई नजर आएंगी। ऐसे में हम आपको प्रियंका चोपड़ा के उन किरदारों से मिलवा रहे हैं जिनके लिए उनकी काफी तारीफ हुई है।

द स्काई इस पिंक

द स्काई इस पिंक (2019) में प्रियंका चोपड़ा ने अदिति चौधरी नाम की एक मां का किरदार निभाया। इसमें वह खुश, दुखी और बहादुर दिखी हैं। फिल्म में वह अपनी बेटी के साथ सुखी और दुखी दोनों हुई हैं। उनकी दिल को छू लेने वाली अदाकारी की वजह से यह फिल्म उनकी सबसे भावुक फिल्मों में से एक बन गई है।

बाजीराव मस्तानी

बाजीराव मस्तानी (2015) में प्रियंका चोपड़ा ने काशीबाई नाम की महिला का किरदार निभाया। प्रियंका का यह किरदार गरिमा और सम्मान से भरा था। वह अपने प्यार को खोने का दुख चुपचाप सह रही थी। फिल्म में उन्होंने ऐसा अभिनय किया कि सिर्फ चेहरे के हाव-भाव से गहरा दुख जताया। फिल्म की कहानी में उनकी अदाकारी का बड़ा योगदान है।

मैरी कॉम

फिल्म मैरी कॉम (2014) में प्रियंका चोपड़ा ने बॉक्सर मैरी कॉम का किरदार निभाया है। इस किरदार को निभाने के लिए उन्होंने अपने अंदर कई बदलाव किए थे। उन्होंने जो किरदार निभाया वह एक एथलीट की मजबूती, लगन और मानसिक ताकत को दिखाती थी। इस किरदार को निभाते हुए उन्होंने एक मां और एक पत्नी का भी किरदार बखूबी निभाया।

बर्फी

साल 2012 में रिलीज हुई फिल्म बर्फी में प्रियंका चोपड़ा ने झिलमिल नाम की लड़की का किरदार निभाया। इसमें दिखाया गया है कि प्रियंका ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर से पीड़ित होती हैं। इसमें उन्होंने शांत लेकिन दमदार अदाकारी की है। इसमें उन्होंने बिना बोले रणबीर कपूर से प्यार जताया है। दर्शकों को उनके हाव-भाव और चेहरे के एक्सप्रेशन पसंद आए।

फैशन

फिल्म फैशन (2008) में प्रियंका चोपड़ा ने मेघना माथुर नाम की एक ऐसी लड़की का किरदार निभाया जो किसी भी कीमत पर फैशन की दुनिया में एक सफल मॉडल बनना चाहती हैं। वह चमक-धमक की दुनिया में आकर अपना रास्ता भटक जाती है। फिल्म में उनके काम की खूब तारीफ हुई।

आठवीं बार डायरेक्शन की तैयारी में करण जौहर

बालीबुड के मशहा डायरेक्टर कराया जौहर एक बार फिर लीवुड के मशहूर डायरेक्टर करण जौहर एक बार फिर डायरेक्टोरियल फिल्म एक ग्रैंड स्केल फैमिली ड्रामा होगी, जो 2001 की सुपरहिट फिल्म कभी खुशी कभी गम के स्पेस में बनेगी। नए साल की शुरुआत में ही करण ने इसकी स्क्रिप्ट लॉक कर ली है। बताया जा रहा है कि यह धर्मा प्रोडक्शंस की थिएट्रिकल रिलीज के लिए सबसे बड़ी फिल्म साबित हो सकती है। करण जौहर रॉकी और रानी की प्रेम कहानी की सफलता के बाद फैमिली ड्रामा में वापसी कर रहे हैं। यह उनकी अब तक की सबसे भव्य फिल्म होगी, जिसमें हाई-ऑक्टेन ड्रामा के साथ रोमांस और इमोशनल कोर मजबूत रहेगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक... साल 2026 के मध्य में फिल्म का प्री-प्रोडक्शन शुरू होगा और 2026 के अंत तक फिल्म फ्लोर पर जाएगी। फिल्म के टाइटल को लेकर भी खासी चर्चा है। फिल्म का टाइटल कभी खुशी कभी गम 2 हो सकती है। करण ने अपने डायरेक्टोरियल सफर की शुरुआत फिल्म कुछ कुछ होता है से की थी। अब तक वो कभी खुशी कभी गम, कभी अलविदा ना कहना, माई नेम इज खान, स्टूडेंट ऑफ द ईयर, ऐ ऐ दिल है मुश्किल और रॉकी और रानी की प्रेम कहानी का निर्देशन कर चुके हैं।

बोमन ईरानी ने शुरू की खोसला का घोंसला 2 की शूटिंग

साल 2006 में रिलीज हुई अनुपम खेर की फिल्म 'खोसला का घोंसला' का सीक्वल की तैयारी शुरू हो चुकी है। हाल ही में इस फिल्म के दूसरे पार्ट की शूटिंग पर फिल्म की स्टार कास्ट नजर आई। बोमन ईरानी ने भी एक तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा की है। साथ ही फिल्म से जुड़ा एक अपडेट भी शेयर किया है।

बोमन ईरानी ने अपनी पोस्ट में क्या लिखा?

बोमन ईरानी ने मंगलवार को एक इंस्टाग्राम पोस्ट साझा करते हुए फिल्म 'खोसला का घोंसला' फिल्म का डायलॉग शेयर किया। यह उनके किरदार का कहा हुआ पॉपुलर डायलॉग है। जिसमें वह कहते हैं, 'आप पार्टी कर रहे हैं या ब्रोकर।' आगे अपनी पोस्ट में बोमन ईरानी लिखते हैं, 'खोसला का घोंसला 2 के सेट पर कमल खोसला और बंटी के साथ किशन खुराना के रूप में वापसी।'

अनुपम खेर ने भी शेयर की शूटिंग की बीटीएस पिक्चर्स

बोमन ईरानी से पहले अनुपम खेर ने फिल्म 'खोसला का घोंसला 2' की शूटिंग से जुड़ी बीटीएस फोटो शेयर की थीं। इन फोटोज में रणवीर शौरी, किरण जुनेजा और परवीन डब्बास और तारा शर्मा नजर आ रहे हैं। अनुपम खेर ने बीटीएस फोटो शेयर करते हुए एक कैपशन भी लिखा, 'खोसला लौट आए हैं। मैं लगभग चार दशक से फिल्मों का हिस्सा रहा हूं लेकिन कभी भी मैंने किसी फिल्म के लिए इतना पागलपन नहीं देखा, जैसा खोसला का घोंसला के पार्ट 2 के लिए देखा है।'

अनुपम खेर की 550वीं फिल्म होगी 'खोसला का घोंसला'

कुछ दिन पहले जब फिल्म 'खोसला का घोंसला 2' के बनने की बात अनुपम खेर ने शेयर की थी तो बताया था कि यह उनकी 550 वीं फिल्म है। फिल्म खोसला का घोंसला की बात करें तो इस दिबाकर बैनर्जी ने डायरेक्ट किया था। फिल्म की कहानी में एक खोसला परिवार होता है, जिसको एक जमीन कब्जा करने वालों के बीच फंस जाते हैं। कैसे वह अपनी जमीन वापस हासिल करते हैं, इस कहानी को बड़े ही मजेदार और कॉमिक ढंग से दिखाया गया था।

'तान्हाजी' का सेकेंड पार्ट बनाएंगे अजय देवगन?

अजय देवगन की साल 2020 में आई सुपरहिट फिल्म 'तान्हाजी- द अनसंग वॉरियर' को रिलीज हुए आज छह साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर अजय देवगन ने एक पोस्ट साझा की है। अब अजय की इस पोस्ट ने लोगों में ये उत्सुकता जगा दी है कि क्या 'तान्हाजी' का सेकंड पार्ट भी आ रहा है? क्या अजय देवगन एक बार फिर किसी मराठा योद्धा की कहानी को लेकर आने वाले हैं? अजय देवगन ने 'तान्हाजी' के छह साल पूरे होने पर अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा की है। इस पोस्ट में अजय ने फिल्म के अलग-अलग सीन के ऑयल पेंटिंग वाले पोस्टर साझा किए हैं। इनमें अजय के साथ काजोल, सैफ अली खान और शरद केलकर के भी पोस्टर नजर आ रहे हैं। लेकिन इसके साथ ही अजय देवगन के कैप्शन ने सबका ध्यान खींचा है। अजय ने मराठी में कैप्शन लिखा, जिसका अर्थ है 'किला तो आ गया लेकिन शेर चला गया।' इसके साथ ही अजय ने कैप्शन में लिखा, 'लेकिन कहानी अभी पूरी नहीं हुई।' अजय के इस कैप्शन के बाद ही फिल्म के दूसरे पार्ट को लेकर कयास लगने लगे हैं।

साल 2020 में रिलीज हुई 'तान्हाजी- द अनसंग वॉरियर' का निर्देशन भी ओम राउत ने किया है। जबकि फिल्म को अजय देवगन फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म 17वीं सदी के मराठा योद्धा सूबेदार तानाजी मालुसरे की कहानी पर आधारित है। फिल्म में काजोल ने तान्हाजी की पत्नी सावित्रीबाई की भूमिका निभाई है। जबकि सैफ अली खान फिल्म में निगेटिव किरदार में नजर आए हैं। उन्होंने महाराजा उदयभान सिंह राठौर की भूमिका निभाई है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी।

राजू हिरानी की स्क्रिप्ट में इम्प्रोवाइजेशन की गुंजाइश ही नहीं होती

झ्रस्टाइल के बंटू बनकर हंसी गुदगुदाने वाले, तो कभी 3 इडियट्स के राजू रस्तोगी बनकर दर्शकों की आंखें नम करने वाले शरमन जोशी एक सशक्त अभिनेता हैं। इस बातचीत में शरमन ने अपने करियर से जुड़े किस्से साझा किए।

स्टाइल कैसे बनी थी?

उस दौर में इस तरह की यूथफुल कॉमेडी फिल्में बहुत कम बनती थीं। इसका सबसे बड़ा श्रेय निर्देशक एन. चंद्रा साहब को जाता है। उस समय वे अपने करियर के शिखर पर थे और उन्होंने इस फिल्म में पूरी जान लगा दी थी। हमारे लिए यह बहुत बड़ी बात थी कि हमें उनके साथ काम करने का मौका मिला, क्योंकि वे अंकुश और प्रतिघात जैसी गंभीर फिल्मों के लिए जाने जाते थे। वहां से कॉलेज कॉमेडी की ओर मुड़ना उनके लिए एक बड़ा बदलाव था। उन्होंने हमें बाकायदा एक महीने की ट्रेनिंग दी थी। हम रोज उनके ऑफिस जाते थे और थिएटर प्ले की तैयारी की तरह अभ्यास करते थे।

आज भी 3 इडियट्स का जादू वैसा ही बरकरार है, आप इसे कैसे देखते हैं?

क्या ही कहें! आज भी जब लोग मुझसे मिलते हैं, तो कहते हैं कि उन्होंने यह फिल्म 20-20 बार देखी है। अभी मैं भूटान में हूं और यहां मेरे सामने बैठी एक बेहद शर्मीली लड़की ने बताया कि उसने यह फिल्म 20 बार देखी है। लोग जब मिलते हैं, तो ऐसी बातें करते हैं मानो उन्होंने कल ही यह फिल्म देखी हो। इस फिल्म का असर लोगों पर बहुत गहरा है और आज भी जो प्यार मुझे मिलता है, उसे देखकर लगता ही नहीं कि 16 साल बीत चुके हैं।

क्या राजू के किरदार के लिए अपनी तरफ से कुछ क्रिएटिव इनपुट दिए थे?

अरे नहीं-नहीं, मेरी इतनी हिम्मत कहां! राजू हिरानी सर की स्क्रिप्ट को लेकर इतनी जबरदस्त स्पष्टता थी कि किसी भी तरह के इम्प्रोवाइजेशन की गुंजाइश ही नहीं थी। उन्होंने हर चीज इतनी बारीकी से सोची थी कि हमें बस उसे निभाना था। हां, एक छोटा-सा किस्सा है, जब मैं राजू सर के साथ थोड़ा कंफर्टेबल हो गया, तब फिल्म के अंत में जब मिलीमीटर सालों बाद मिलता है, रिहर्सल के दौरान मैंने कहा... सर, यह तो अब सेंटीमीटर बन गया है।

क्या थिएटर आपकी फिल्मी परफॉर्मेंस में भी मदद करता है?

बिल्कुल ! मेरा मानना है कि जैसे गायक रियाज करते हैं, वैसे ही एक्टर्स के लिए थिएटर एक तरह का रियाज है। मैंने यह महसूस किया है कि जब मैं कोई प्ले कर रहा होता हूं और उसी दौरान फिल्म के सेट पर जाता हूं, तो मेरी टाइमिंग और सेंस कहीं ज्यादा बेहतर हो जाते हैं। चाहे वह कॉमेडी सीन हो या ड्रामा, थिएटर से मिलने वाली वह अलर्टनेस हर जगह काम आती है। फिल्मों या ओटीटी में आपके पास रीटेक का विकल्प होता है। अगर शॉट ठीक नहीं हुआ, तो उसे दोबारा किया जा सकता है, इसलिए आप थोड़ा रिलैक्स मोड में रहते हैं। लेकिन थिएटर में गलती की कोई गुंजाइश नहीं होती। वहां आप हर समय अलर्ट रहते हैं।

कर्म कीजिए भाग्य आपका गुलाम बन जाएगा

बहुत से लोग इस बात का रोना रोते रहते हैं कि उनका भाग्य ही खराब है। नसीब नहीं साथ दे रहा है इसलिए किसी काम में सफलता नहीं मिलती है। जबकि सच यह है कि भाग्य तो कर्म के अधीन है। हाथ की लकीरों में अपने भाग्य को ढूंढने की बजाय अगर हम हाथों को कर्म करने के लिए प्रेरित करें तो भाग्य रेखा खुद ही मजबूत हो जाएगी और हम वह पा सकेंगे जिसकी हम चाहत रखते हैं।

कर्म के अनुसार बदलती हैं रेखा

हस्त रेखा विज्ञान के अनुसार कुछ रेखाओं को छोड़ दें तो बाकी सभी रेखाएं कर्म के अनुसार बदलती रहती है। अपनी हथेली को गौर से देखिए कुछ समय बाद रेखाओं में कुछ न कुछ बदलाव जरूर दिखेगा इसलिए कहा गया है कि रेखाओं से किस्मत नहीं कर्म से रेखाएं बदलती हैं।

सकल पदारथ एहि जग माहि

गोस्वामी तुलसीदास जी कर्म के मर्म को बखूबी जानते थे तभी उन्होंने कहा है सकल पदारथ एहि जग माहिं। कर्महीन नर पावत नाहिं।। तुलसीदास जी ने अपनी दोहा में स्पष्ट किया है कि इस संसार में सभी कुछ है जिसे हम पाना चाहें तो प्राप्त कर सकते हैं लेकिन जो कर्महीन अर्थात प्रयास नहीं करते इच्छित चीजों को पाने से वंचित रह जाते हैं।

सिंह को भी आलस्य त्यागना होगा

नीतिशास्त्र में कहा गया है कि न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः॥ इसका तात्पर्य यह है कि सिंह अगर शिकार करने न जाए और सोया रहे तो मृग स्वयं ही उसके मुख में नहीं चला जाएगा। यानी सिंह को अपनी भूख मिटानी है तो उसे आलस त्यागकर मृग का शिकार करना ही पड़ेगा। इसी प्रकार हम सभी को जिस चीज की, जिस मंजिल की तलाश है उसके लिए प्रयास करने की आवश्यकता है। प्रयास का फल देर से मिल सकता है लेकिन परिणाम आपके पक्ष में होगा यह मानकर सही दिशा में प्रयास करते रहना चाहिए।

पृथ्वी यानी कर्म की भूमि

शास्त्रों में पृथ्वी को कर्म भूमि कहा गया है। यहां आप जैसे कर्म करते हैं उसी के अनुरूप आपको फल मिलता है। भगवान श्री कृष्ण ने ही गीता में कर्म को ही प्रधान बताया है और कहा है कि हम मनुष्य के हाथों में मात्र कर्म है अतः हमें यही करना चाहिए। फल क्या होगा वह हमें भगवान पर छोड़ देना चाहिए। भगवान अपने भक्तों को कभी निराश नहीं करते हैं इसलिए जो जैसा कर्म करता है उसे उसका उसे वैसा ही फल देते हैं। सीधी बात यह है कि कर्म प्रधान विश्व रचि राखा, जो जस करहिं सो तस फल चाखा। अर्थात जो व्यक्ति जैसा कर्म करता है उसे वैसा ही फल प्राप्त होता हैं।

जैसा सोचेंगे वैसा ही परिणाम मिलेगा आपको

अगर आप दुःखी हैं तो इसका जिम्मेदार कोई और नहीं है बल्कि आप खुद हैं। इसी प्रकार अगर आप सुखी है तो यह भी आपको अपने ही कारण प्राप्त हुआ है। ईश्वर का आपके सुख-दुःख से कोई लेना देना नहीं है। ईश्वर तो मात्र कर्म का फल प्रदान करने वाला है। यूं समझ लीजिए कि ईश्वर कमल का पुष्प है। कमल पुष्प जैसे कीचड़ में रहकर भी कीचड़ के गुण दोष से प्रभावित नहीं होता, उसी प्रकार ईश्वर सब में और सब के बीच में रहकर भी किस से न तो मित्रता करता है और न शत्रुता। आप जैसा करेंगे और जैसा चाहेंगे वैसे ही आपके आस-पास का वातावरण तैयार कर देगा।

हस्तरेखा विज्ञान भी भविष्य को जानने का एक माध्यम है। लेकिन अगर आप अपने हाथों को गौर से देखें तो पाएंगे कि समय-समय पर हाथों की रेखाओं में परिवर्तन हो रहा है। यह परिवर्तन आपके कर्म और व्यवहार के अनुरूप होता है। इसलिए अगर आप सोचते हैं कि एक बार जो किस्मत में लिखकर आ गया है ऐसा होना तय है तो मन से इस धारणा को निकाल दीजिए। अगर ऐसा होता है तो ज्योतिषशास्त्र से सिर्फ भविष्य देखा जा सकता था। लेकिन ज्योतिषशास्त्र में भविष्य देखने के साथ ही साथ उपाय भी बताये जाते हैं ताकि घटना में बदलाव किया जा सके।

भगवान श्री कृष्ण ने गीता में कहा है कि उद्धारेदात्मनात्मानं नात्मानवसादयेत। आत्मैव ह्यात्मनो बन्धुरात्मैव रिपुरात्मनः।। अर्थात मनुष्य स्वयं ही अपना शत्रु और मित्र है। मनुष्य को चाहिए कि वह स्वयं को पतन से बचाये और संसार रूपी समुद्र से उद्धार के लिए प्रयास करे। जो मनुष्य स्वयं का मित्र होता है वह सकरात्मक सोच रखता है और ईश्वर ने जो भी साधन प्रदान किये हैं उसी से संतुष्ट होकर उन्नति के लिए प्रयास करता है। इसके विपरीत जो लोग साधन हीनता का रोना रोते रहते हैं और उन्नति के प्रयास नहीं करते हैं वह स्वयं ही अपने शत्रु हैं। वेद में कहा गया है कि उद्यानं ते पुरूष नावयनम्। यानी हे पुरूष! तुझे ऊपर उठना है न कि नीचे गिरना। इसलिए मनुष्य को हमेशा उन्नति के लिए ऊपर उठने के लिए प्रयास करना चाहिए। नकारात्मक सोच रखने से मन दुःखी होता है और क्रोध बढ़ता है। वाणी में प्रेम और मधुरता नहीं रह जाती है। अनायास ही कोई गलत कार्य कर बैठते हैं। इसलिए सोच बदलिए और उन्नति के लिए प्रयास कीजिए। जैसा आप सोचेंगे वैसा हो जाएगा।

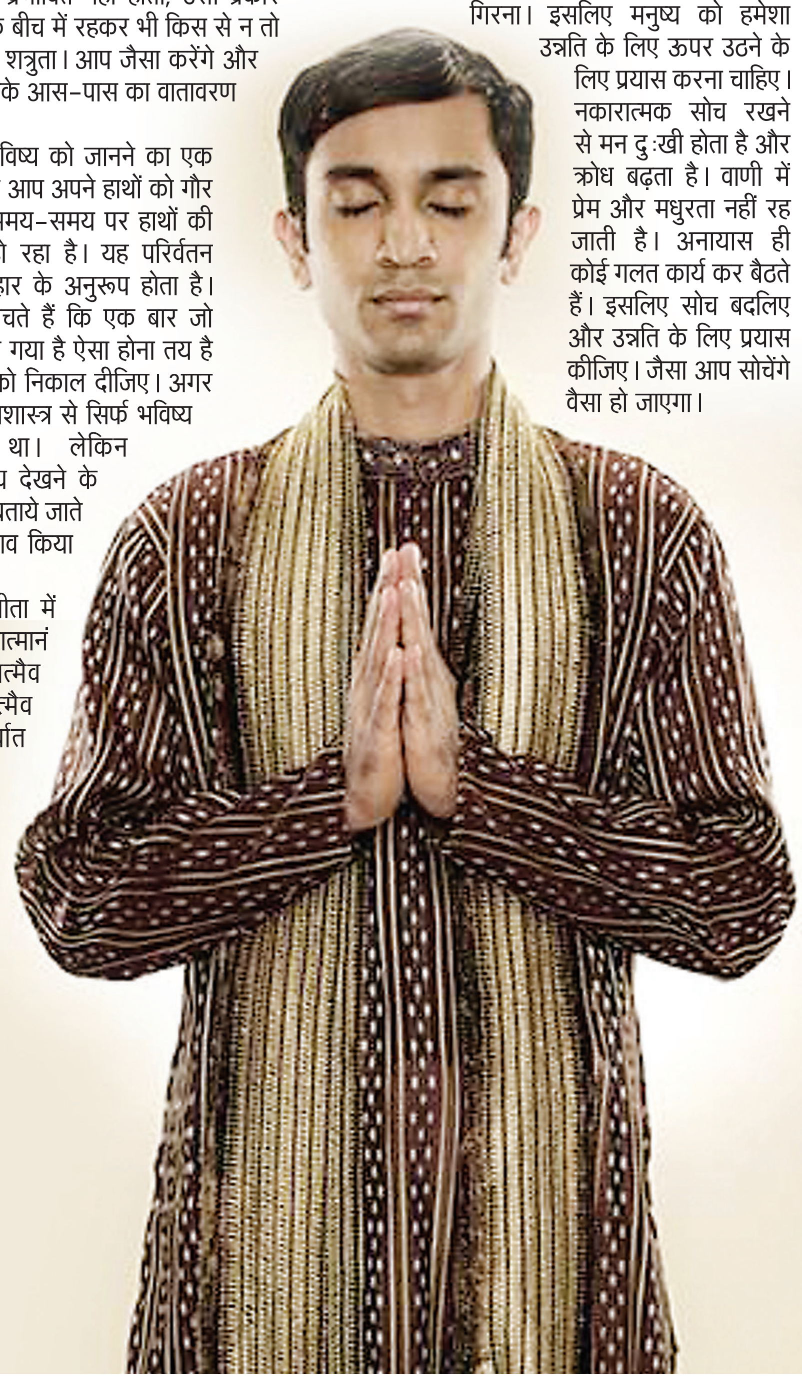

अहंकार त्यागने वाले ही महापुरूष होते हैं

बहुत से लोग दिन-रात प्रयास करते हैं कि उन्हें किसी तरह उच्च पद मिल जाए। खूब सारा पैसा हो और आराम की जिन्दगी जियें। जब ये सब प्राप्त हो जाता है तो इसे ईश्वर की कृपा मानने की बजाय अपनी काबिलियत और धन पर इतराने लगते हैं। जबकि संसार में किसी चीज की कमी नहीं है। अगर आप धन का अभिमान करते हैं तो देखिए आपसे धनवान भी कोई अन्य है। विद्या का अभिमान है तो ढूंढ़कर देखिए आपसे भी विद्वान मिल जाएगा। इसलिए किसी चीज का अहंकार नहीं करना चाहिए। जो लोग अहंकार त्याग देते हैं वही महापुरूष कहलाते हैं।

महाभारत में कथा है कि दुर्योधन के उत्तम भोजन के आग्रह को ठुकरा कर भगवान श्री कृष्ण ने महात्मा विदुर के घर साग खाया। भगवान श्री कृष्ण के पास भला किस चीज की कमी थी। अगर उनमें अहंकार होता तो विदुर के घर साग खाने की बजाय दुर्योधन के महल में उत्तम भोजन ग्रहण करते लेकिन श्री कृष्ण ने ऐसा नहीं किया। भगवान श्री राम ने शबरी के जूठे बेर खाये जबकि लक्ष्मण जी ने जूठे बेर फेंक दिये। यहीं पर राम भगवान की उपाधि प्राप्त कर लेते हैं क्योंकि उनमें भक्त के प्रति अगाध प्रेम है, वह भक्त की भावना को समझते हैं और उसी से तृप्त हो जाते हैं।

अहंकार उन्हें नहीं छूता है, वह ऊंच-नीच, जूठा भोजन एवं छप्पन भोग में कोई भेद नहीं करते। शास्त्रों में भगवान का यही स्वभाव और गुण बताया गया है। महात्मा बुद्ध से संबंधित एक कथा है कि एक बार महात्मा बुद्ध किसी गांव में प्रवचन दे रहे थे। एक कृषक को उपदेश सुनने की बड़ी इच्छा हुई लेकिन उसी दिन उसका बैल खो गया था। इसलिए वह महात्मा बुद्ध के चरण छू कर सभा से वापस बैल ढूंढने चला गया। शाम होने पर कृषक बैल ढूंढ़कर वापस लौटा तो देखा कि बुद्ध अब भी सभा को संबोधित कर रहे हैं। भूखा प्यासा किसान फिर से बुद्ध के चरण छूकर प्रवचन सुनने बैठ गया। बुद्ध ने किसान की हालत देखी तो उसे भोजन कराया, फिर उपदेश देना शुरू किया। बुद्ध का यह व्यवहार बताता है कि महात्मा बुद्ध अहंकार पर विजय प्राप्त कर चुके थे। बुद्ध के अंदर अहंकार होता तो किसान पर नाराज होते क्योंकि बैल को ढूंढ़ने के लिए किसान ने बुद्ध के प्रवचन को छोड़ दिया था। शास्त्रों में अहंकार को नाश का कारण बताया गया है इसलिए मनुष्य को कभी भी किसी चीज का अहंकार नहीं करना चाहिए।

दूसरों के अवगुण नहीं गुण भी देखिए

मनुष्यों की सामान्य प्रवृति है कि वह अपने भीतर सिर्फ गुण देखता है और दूसरों के गुणों को पहचान नहीं पाता है। यही कारण है कि मनुष्य खुद को दूसरों से श्रेष्ठ मानने की भूल कर बैठता है। जबकि गौर से देखें तो जिसे आप अयोग्य व्यक्ति मानते हैं उसमें भी कुछ न कुछ गुण अवश्य पाएंगे। अगर उन गुणों को अपने अंदर ग्रहण करने की कोशिश करें तो जिस व्यक्ति को अयोग्य मान रहे थे वह भी आपको गुणों का खजाना नज़र आने लगेगा। इससे आप कई चीजें एक साथ प्राप्त कर लेंगे। एक तो उस व्यक्ति की नज़र में आपका सम्मान बढ़ेगा। मन से निरादर की भावना दूर होगी और आपसी प्रेम में वृद्धि होगी। महात्मा गांधी के जीवन से जुड़ी एक ऐसी ही घटना का जिक्र यहां प्रस्तुत है जो बताता है कि किस प्रकार हमें बुराईयों में से अच्छाई को ग्रहण करना चाहिए। महात्मा गांधी इंग्लैंड की यात्रा पर थे। उस समय उन्हें एक अंग्रेज ने एक कागज पर बुरा-भला लिखकर दिया। गांधी जी ने उस व्यक्ति से कुछ नहीं कहा बल्कि कागज में लगा हुआ पिन निकालकर अपने पास रख लिया और कागज फेंक दिया। गांधी जी के साथ जो लोग थे उन्होंने गांधी जी से कहा कि अंग्रेज आपको बुरा-भला कह रहा है और आप उसे कुछ जवाब नहीं दे रहे हैं। गांधी जी ने कहा कि कागज पर लिखे हुए शब्द मेरे लिए उपयोगी नहीं थे। इसलिए मैंने उन्हें फेंक दिया। जबकि कागज में लगा हुआ पिन उपयोगी है इसलिए मैंने उसे अपने पास रख लिया है। गांधी जी ने ऐसा कह कर यह संदेश दिया कि बुराईयों को छोड़ दो और जहां कहीं कुछ भी अच्छाई दिखे उसे तुरंत ग्रहण कर लो।